मुण्डारी पाठ

(मुण्डारी गद्य-पद्य संग्रह सानुवाद)

रामदयाल मुण्डा

नलिनी नाग और अमिता मुण्डा के सहयोग से

मुण्डारी पाठ

(मुण्डारी गद्य-पद्य संग्रह सानुवाद)

रामदयाल मुण्डा
नलिनी नाग और अमिता मुण्डा के सहयोग से

प्रकाशक

रुमबुल

दिरि ओड़ाः, सरनाटोली-हतमा, राँची कॉलेज के पीछे
राँची-834008, झारखण्ड

मुण्डारी पाठ

(मुण्डारी गद्य-पद्य संग्रह सानुवाद)

प्रकाशक : रुम्बुल
दिरि ओड़ाः, सरनाटोली–हतमा, राँची कॉलेज के पीछे,
राँची–834008, झारखण्ड
फोन : 07739817358
ई–मेल : rdm.rumbul@gmail.com

द्वितीय संस्करण : 2013

मुद्रक : आई. डी. पब्लिशिंग, कोकर, राँची–834001
मो. 094311 82812

मूल्य : 150/– रूपये

अनुक्रमणिका

भूमिका — पृष्ठ संख्या

जापागार (वार्तालाप)

1. ओड़ा: रे (घर पर) 3
2. डाडिता: रे (कुएँ पर) 7
3. सिउ: ता:रे (खेत में) 11
4. कोलोम पासांगिता: रे (खलिहान में) 15
5. सुसुन आकाड़ारे (नाच के अखाड़े में) 19
6. तुकुइ: लुतुर (कान भेदी) 25
7. स्कुल रे भारतिन (विद्यालय में प्रवेश) 29
8. लेपेल चिपिना (जाना-पहचान) 33
9. बुलुङ-सुनुम दोकान रे (नमक तेल की दुकान पर) 39
10. किचिरि दोकान रे (कपड़े की दुकान पर) 43
11. हातु रे डाक्टर (गांव में डाक्टर) 51
12. हातुरे दारोगा सायोब (गांव में दारोगासाहब 57
13. हातुरे बी.डी.ओ. सायोब (गांव में बी.डी.ओ. साहब) 67
14. हातुरे कमिश्नर सायोब (गांव में कमिश्नर साहब) 73

कानि (कहानि) :

15. कुलाए कोअ: बालाए (खरगोशों का कष्ट) 83

इनुङ (एकांकी) :

16. रूनआड़ा (वापसी) 93

भूमिका

पृष्ठ संख्या

जापागार (वार्तालाप)

ओनोल (लेख) :

17. आबु दिसुम रेन आदिवासि को (हमारे देश के आदिवासी) 121

दुराङ/गालाङ (गीत/कविता) :

18. राइ राति बानाम दो (राइ राति सारंगी) 135

19. काजिबेनकुले (तुम बात भेजते हो) 136

20. आमलेका सुपिदताञ में (तुम्हारी ही तरह मेरी भी जुड़ा बांध दो) 137

21. रूआड़ा लेना (मैं वापस आ गया हूँ) 138

22. आबेन नांगेन (तुम्हारे लिए) 139

23. आबेन चि ताइकेन (क्या तुम ही थे?) 140

24. 'को होनाङ बाइओ: रेदो (अगर यह संभव होता) 141

25. हाएबु सोंगेजाना (हाय, हम संगी बन गए) 141

26. दिसुम राटि कुनडामजान (अपना देश तक पीछे रह गया) 142

27. कागे: तिंगुना (वह रूकती नहीं) 142

28. ने जोजो सुबा दो (यह इमली की छाया) 143

29. बा तेबा जानरेओ (सरहुल के आने पर भी) 143

30. निदा सिंगि बोले लोतान रेओ (रात दिन जलते रहने पर भी) 144

31. ने होनको मिसातेको हाराजाना (ये बच्चे एक साथ बढ़े) 145

32. होयो होरलोसि उरूडु साकाम (बवण्डरी हवा और झड़ा हुआ पत्ता) 145

भूमिका पृष्ठ संख्या

जापागार (वार्तालाप)

33. आपेजा: दारु रेदो आञ ञा: चेड़ें (अगर तुम पेड़ और मैं चिड़िया) 146

34. जेटे तेचि बोले लोलो तेचि (धूप से या गर्मी से) 146

35. एंगाम आपुमेको रिमबिल ओड़ा: (तुम्हारे माँ–बाप का आसमान सा घर) 147

36. आम सेनो: तायोमते जोजो सुबा (तुम्हारी जाने के बाद इमली की छाया) 148

37. सिदारेन गातिमेको हासा गाड़ातान (तुम्हारे पहले साथी का लोग मिट्टी संस्कार कर रहे हैं) 149

38. आबेन चि मिसाते रोआलेद? (क्या तुम्ही ने एक साथ रोपा था?) 150

39. बान्दुनांड़ि हादो रेओ (बान्दु लता के कटने पर भी) 151

40. आले हातुम तेबागेलो: (हमारे गांव में तुम्हारे पहुँचने के साथ) 152

41. आम रे ने जी (तुम में यह जी) 153

42. इदिञ में हो इदिञ में (मुझे ले चलो साथी ले चलो) 154

भूमिका

पृष्ठ संख्या

जापागार (वार्तालाप)

33. आपेजा: दारु रेदो आञ ञा: चेड़ें (अगर तुम पेड़ और मैं चिड़िया) 146

34. जेटे तेचि बोले लोलो तेचि (धूप से या गर्मी से) 146

35. एंगाम आपुमेको रिमबिल ओड़ा: (तुम्हारे माँ–बाप का आसमान सा घर) 147

36. आम सेनो: तायोमते जोजो सुबा (तुम्हारी जाने के बाद इमली की छाया) 148

37. सिदारेन गातिमेको हासा गाड़ातान (तुम्हारे पहले साथी का लोग मिट्टी संस्कार कर रहे हैं) 149

38. आबेन चि मिसाते रोआलेद? (क्या तुम्ही ने एक साथ रोपा था?) 150

39. बान्दुनांड़ि हादो रेओ (बान्दु लता के कटने पर भी) 151

40. आले हातुम तेबागेलो: (हमारे गांव में तुम्हारे पहुँचने के साथ) 152

41. आम रे ने जी (तम में यह जी) 153

42. इदिञ में हो इदिञ में (मुझे ले चलो साथी ले चलो) 154

भूमिका

प्रस्तुत पुस्तक की रचना हमने पूर्व प्रकाशित मुण्डारी व्याकरण के द्वितीय खण्ड के रूप में की है। वैसे, इसे एक स्वतंत्र पुस्तक के रूप में पढ़ा जा सकता है। अपने व्याकरण में वर्णित भाषा की ही तरह इसकी भाषा मध्य मुण्डारी हैं किन्तु भाषा की क्षेत्रीय विभिन्नताओं को पाटने के लिए हमने हिन्दी अनुवाद भी सम्मिलित किया है। हिन्दी अनुवाद से कुछ नए लोग भी मुण्डारी सीखने के लिए प्रेरित होंगे ऐसी आशा है।

संयोग से राँची विश्वविद्यालय में इसी वर्ष से स्नातकोत्तर कक्षाओं में भी मुण्डारी एवं अन्य स्थानीय जन जातीय भाषाओं के पठन-पाठन की व्यवस्था हो रही है। अनौपचारिका स्तर पर ही ऐसे कामों के लिए जो प्रोत्साहन हमें अपने कुलपति डा. अनुज कुमार धान से मिला है, हम इसके लिए उनके प्रति हृदय से अभारी हैं।

सरस्वती प्रेस, उदयपुर के मुरलीधर जी दाधीच और उनके सहकर्मियों ने बिजली की कटौती और कागज न मिलने इत्यादि की परेशानियों के बावजूद जिस तत्परता से पुस्तक छापी है, वह अत्यन्त ही सराहनीय हैं। वे हमारे धन्यवाद के पात्र हैं।

राँची विश्वविद्यालय, राँची **रामदयाल मुण्डा**

1. ओड़ा: रे

(जारगि दिन सेता: सिंगितुरो: सोमाए ओड़ा: रे गेल सिरमा उमर रेन आचु पारकोम रे उयुपुटुड़ाकानाते गितिगाकाना। आचुआ: दाइ सालगि आर एंगाते बाबाकिङ रूडुङताना। आपुते जुला ता: रे: दुबाकाना। जिआङ ताताङ ताकिङ बिनगारेगे सेंगेलकिन जिरूबताना)

एंगा : मार बाबु बिरिदमे। ए आचु?

आचु : हे गाञ बिरिदगेआ।

एंगा : लेललली में सिंगी! जू नि:कोम।

आचु : लातार टोला सा: रेनको तेबा: जालो दोञ नि: कोआ मार।

एंगा : इतिको काम आयुम जादकोआ? मिनडिको रा: आउजादा?

आचु : आमोगा, मिसादोम रूडुकेदा। ..... का टोओरजाद लेकागे।

आपु : गाइ चुइको सुमुङ हारकोम हेइ। हाड़ाकिन दो सियु:ञ जोड़ाकिना।

आचु : हेइ।

(आचु उरि मेरोम कोए: नि: जादकोआ, मेरोमहोनको एटा: तेको निरताना।)

आचु : मार दाइ, हार देंगाञ में! .... गाइ हों, कोते एटा: तेम ताना!

सालगि : इनकु काए: दाड़िआकोताना!

एंगा : जू माइ, आमो!

सालगि : मोद गोंओटो मेना:कोलेका! .... ली! कोते, ओड़ा: सा: ते: रूआड़ाताना।

एंगा : एन मेरोम एंगा दो ना एदकाए: जुमबुड़िआ।

आपु : हेनमान तेआ: डांबोदिकोदो नि: गे रूचाबाकादा।

(एनजालो: दो लातार टोला सागाते उरि: मेरोमको तेबा: ला:। आचुआ: को एन गोंओटो रेको जामानजाना)

आपु : इस्कुल हेइ इस्कुल, आलोम रिड़िडेआ।

आजि : (बुरसी सेंगेलतागाते बिरिदतान लो:) दुकुञ आञोञ बिरिदा।

(पाचिरि कुणुता: को कोयो: बाड़ातानलो:) नेमान रे बारिआ लेका किता कोञ दोओला: कोते जाना?

1. घर पर

(बरसात का दिन, सूर्योदय का समय। करीब दस वर्ष की उम्र का अचु चारपाई पर ओढ़नी से पूरी तरह ढ़ककर सोया हुआ है। उसकी दीदी सल्गि और मां धान कूट रही है। उसके पिता चूल्हे के सामने बैठे हुए हैं। दीदी-दादा अलग ही आग ताप रहे हैं।)

माँ : बेटे, उठो! ए अचु?

आचु : हाँ, माँ उठ ही रहा हूँ।

माँ : देख लो सूरज! जाओ मवेशियों को खोलो।

आचु : निचले मुहल्ले वाले के यहाँ पहुँचते ही खोलूँगा।

माँ : वह सुनो, नहीं सुन रहे हो? भेड़ मिमिया रहे हैं।

आचु : तुम भी माँ! एक बार तो चुप रहती। जैसे कि मैं समझता ही नहीं।

पिता : गायों और बछड़ों को ही ले जाना। बैलों को मैं हल जोतूँगा।

आचु : हाँ।

(आचु गाय बकरियों को खोल रहा है। मेमने दूसरी ओर भाग रहें हैं।)

आचु : दीदी आओ मददकर दो। गइ, कहां जा रही हो?

सालगि : उनको नहीं संभाल रहा है।

माँ : जाओ बेटी, तुम भी....।

सालगि : जैसे की एक गोठ हो। ..... लीं..... कहां घर वापस लौट रही है।

माँ : अरी वह बकरी बड़ी लोभी है।

पिता : उस आस-पास की सारी बोदी यही चर गई।

(तब तक नीचे मुहल्ले की ओर से मवेशी पहुँचते हैं। अचु के मवेशी भी उसी दल में सम्मिलित हो जाते हैं।)

पिता : स्कूल, याद, रखना, स्कूल! मत भूलना!

दादी : (बोरसी आग से उठते हुए) मैं भी अब उठूँ।

(दीवाल-कोना के आस-पास, कुछ ढूढ़ते हुए) यहीं कुछ खजूर की पत्तियां-रखी थी। कहां चली गई?

सालगि : हेन पाटि जापा: रेगेञ दोआकादा। होला आञ इतु इतुकेना।

आजि : मोद चाण्डु: रे मिसाम गालाङा। चिमिन जुगुरेम पुराओएआ?

सालगि : पाड़ाओतानलो: किता गालाङ का सेकेड़ाओ:आ।

एंगा : पाड़ाओतानलो: दो तिलगुटि इनुङगे बापाइआ, का?

सालगि : आमदोगा मुसिङ इनुङ केना: गे खानेम काजिआ।

एंगा : एन कुदासुबा सेरेङ दो आए:तेगे हेड़े-बुडुइ:जाना का?

आपु : (सेंगेल एड़े: जालो:) ने आंजेद जाना तापे।.....
(आगोबतानलो: देआको सेंगेरेन तानलो: बिरिद तानाए: बुरसि-जिरूबतान आपुते मुलि लेल केआते।) आमदोगा बायार उञ को:मे। माराङ हाड़ा खाने जोड़ाए सिदनादा।

बुड़िया : (हाड़ाम मुलि) एनहोनकोड़ो' कोरा: कुलतादा, मुसिङ लेका सेनाउको:में।

सालगि : आमदो साकिङ आञगेहोनाङ सेनको: रे मेनेलेका दाङेम आकारजादा का?

बुड़िया : कालेआ: ताना ने दिन ओकोए कुपुलेना। गाड़ा दो गाड़ा।

सालगि : एनामेनतेगे एनाको नेरेगेम जुगुतु होपतादा?

बुड़िया : हेड़ो: ....?

सालगि : एना मुण्डितादा: तेगे हाड़ामो कुपुलो: सेनो: काए: जारूडु बाइनताना।

एंगा : जू चिपिको गासार आउ मे, नेरे काजिम बाइताना।

सालगि : आमदो "जू नेआ, जू हेना" निमिनाङबारिम इतुआना।

एंगा : आमगे रोआको दांड़ां आउकोम तोवे, जू।
(सालगि छिपा-थाड़ि कोए: टां-टाटुब जादा, कारकादा कोए: दांड़ांताना।)

सालगि : नाए: के सा: दोगा साकिङ कारकाद कोम पेटे:गाउ को:रे होनाङ।

बुड़िया : एनहुलाङ आउलेदा को सोबेन चि चाबाजाना?

सालगि : आञा: हुड़िङ मां तारालेका दोए: इदिकेदा।

बुड़िया : ओड़ागाते उडुङो: दो का मोने कोआ आपान आउतादा: को लेलनामताद चि ....।

एंगा : (बुड़ियामुलि) हे गा मार, चिमिनाङ को दोनदोकेदलेक गेम .....।

सालगि : उसी चटाई-बेनी के पास ही रखी हैं। कल थोड़ी सीख रही थी।

दादी : एक महीने में एक बार गाँथती हो। कब पूरी करोगी?

सालगि : पढ़ाई के साथ-साथ चटाई गांथना जल्दी नहीं होता।

माँ : पढ़ाई के साथ तो गोटी खेलना ही ठीक रहता है, नहीं?

सालगि : तुम भी माँ, एक दिन खेली थी, उसी की बार-बार कहती हो।

माँ : वह जामुन पेड़ तले की चट्टान यों ही घिस गई नहीं?

पिता : (आग बुझाते हुए लो तुम्हारा (धान) सूख गया। अंगड़ाइ लेते हुए, पीठ सीधा करते हुए, बोरसी तापते हुए अपने पिता की ओर देखकर पिताजी, आप थोड़ी रस्सी बांटिए। बड़ा बैल बार-बार रस्सी तोड़ रहा है।

दादी : (बूढ़े की ओर) बेटी ने कह भेजा है। एक दिन जा आओ।

सालगि : दादी तुम तो सोचती हो, काश में ही जा पाती, नहीं?

दादी : हम नहीं जाते। आज कल कौन मेहमानी जाएगा नदी तो नदी।

सालगि : इसी लिएयहीं वह सब ठीक कर रखा है। नहीं?

दादी : हाँ और क्या?

सालगि : इसका पता पाकर ही बूढ़ा भी मेहमानी जाना जरूरी नहीं समझता।

माँ : जाओ, बर्तन धो आओ! यहाँ बात बना रही हो।

सालगि : तुम तो जाओ यह करो, वह करो बस यही जानती हो।

माँ : तो जाओ, तुम ही धान रोपने वाले को खोजलाओ।

(बर्तनों को इकट्ठा कर रही है। दतुवन खोज रही है। दादी की ओर)

सालगि : दादी आज किसी समय दतवन तोड़ लाती तो अच्छा होता।

दादी : उस रोज जो लाई थी वह सारे खतम हो गए?

सालगि : कुछ तो मेरी चाची ले गई।

दादी : लोगों को घर से निकलने का मन नहीं करता है। हमारा लाया हुआ देखते हैं तो.....।

माँ : (बुढ़िया की ओर) अच्छा ठीक है, माँ! जैसे कि तुम्हारा कितना सारा ढोकर ले गए....।

2. डाड़िता: रे

(सेता: देगादाड़ि आर कुलिपिड़ि छिपी-थाड़ी को गासारतान लो: किन जापागारतान।)

देगादाड़ि : होला आयुब दो बाइ चाना: कोपे कापाजितान ताइकेन लेकागेपे आयुमो: तान ताइकेना।

कुलिपिड़ि : हे, होला पीटिआते: हिजु, लेनाते उटि-सुटि जान गेको काजिआलेताना।

देगादाड़ि : बुलतेचि सुति ते?

कुलिपिड़ि : बुलतेगे आमो। सुतिरे कोता: ताको मोचा ओटागो:आ। काचि हिजु: रूआड़ातान रे ओकोमान रेको नाम ला:।

देगादाड़ि : हे इदो ओकोए ताको लो: ना: दोको रूआड़ालेना। आलेआ: कोदो इदाङ रेगेको रूआड़ालेना। ''आञ लो दो काको ताइकेनाए: मेनजादा।''

कुलिपिड़ि : जाएं लो: तेको ताइकेना। मेनदो हिसाबाते पुरा: नू आर जाना:गे खोनदोड़ो खोनदोड़ो दोड़ो: का जीलागोआ।

देगादाड़ि : चाना: कोको उटि-सुटि केदपेआ?

कुलिपिड़ि : आमदोम इतुआनगेआ। सेनो:जान सिरमा बाबा का होबाबाइ जाना। एनाहोनको ने सोमाए हुड़िङ लेकाको बालाए नो:तना। एनागे होला पीटिरेले नापामलेन चिको जागाराले ताना। हुड़िङलेका बाबा होनाङ पे ओमनोगालेरे मेनते।

देगादाड़ि : हे दुकु सुकुरे एंगा आपुको ता: दोड़ो: काजिओ: गेआ।

कुलिपिड़ि : एना जागार आकोता: ले उदुब चाल केदा: गे ओंड़ां दो। मेतालेतानाको ''आपेरा: तेगे ने होना: ने दासा होबाकाना। आपेगे एनता: कुपुल पे हे ताबकेदा।''

देगादाड़ि : हे एसेकार तेचि हेओगा बाला सोबेनको ते हेला:। कुपुलो दाङ' डो: पुरना कुपुलकोगे। कुमाकोगे हिजु: सेनो: केना।

कुलिपिड़ि : एने: एनाकोगे नाकुआ का सुकुदो। ''हागाम लो: बेन जामाजान चिबेन एसेकार कि:आ'' मेनते मेतालेताना।

2. कुएँ पर

(सुबह देगदड़ी और कुलिपिड़ी बर्तन मांजते हुए बातचीत कर रही है।)

देगादाड़ी : कल रात को तुम लोगों में क्या झगड़ा हो रहा था, ऐसा ही सुनाई पड़ रहा था।

कुलिपिड़ी : हाँ, कल बाजार से वापस आकर 'वे' हमें दुनिया भर की बातें सुना रहे थे।

देगादाड़ी : नशे में या होश में?

कुलिपिड़ी : नशे में ही, तुम भी होश में उनका मुँह कहाँ खुलता है। वापसी में कहीं मिला होगा।

देगादाड़ी : पता नहीं किसके साथ वापस आए थे। 'हमारे साथ तो नहीं थे' ऐसा 'वे' कह रहे थे।

कुलिपिड़ी : किसी के साथ रहें हो। लेकिन हिसाब के बारह पीना और अंटसंट बात करना तो हमसे सहा नहीं जाएगा।

देगादाड़ी : कौन-सी दुनिया भर की बाते सुना रहे थे?

कुलिपिड़ी : तुम्हें तो पता है ही। पिछले वर्ष धान ठीक से नहीं हुआ। बेटी का परिवार कुछ कष्ट में है। कल बाजार में भेंट हुई तो कह रही थी। ''कुछ धान दे सको तो...।''

देगादाड़ी : हां, दुख-सुख में माँ-बाप के पास तो कहा ही जाएगा।

कुलिपिड़ी : मैंने यह बात उन्हें बता दी यही बुरा हुआ। कहते हैं तुम्हारे ही चलते लड़की की यह हालत हुई है। तुम्हीं लोगों ने उस रिश्ते में तुरन्त हाँ कर दिया।

देगादाड़ी : भला अकेले कोई हां करता है? हम सबने ही मिलकर हाँ किया है। और सम्बन्धी भी तो पुराने ही सम्बन्धी हैं बच्चों के मामा ने ही तो अगुआई की थी।

कुलिपिड़ी : यही सब उनकी नाराजगी का कारण है। कहते हैं— ''अपने भाई के साथ मिलकर तुमने मुझे अकेला किया।''

देगादाड़ि : काजीआ: दो इमताङगे दाङ काजिलागातिङा होनाङ। बोओर लेल ओड़ा: दुआर लेलदो मातेदे: सेनकेन गेआ।

कुलिपिड़ि : ''होन काए: सानाङ रेओ मोटाइतेम थेर उड्डुङ कि:आ'' मेनेआ: कोए: मेतालेताना।

देगादाड़ि : मोटाइतेचि बाला आपान होने: थेर उड्डुङोआ:।

कुलिपिड़ि : आदिकाते आरातानको चिमिनलेका टाकाको नेसा: हेनसा: बाड़ाकादा। एनाको सोबेन आलेआ: बोओरेगे उयुगो:ताना।

देगादाड़ि : हे, पाड़ाओ बाइआकानरेओ बाला नाका।

कुलिपिड़ि : लेलते, जोआर-जागारको दो'ड़ो: माजाको टोओरो:आ।

देगादाड़ि : नेता:कोरे हिजु:रे माजाको आटाकारो:आ।

कुलिपिड़ि : सिदा दो'ड़ो: आलेओ दाङ एनकागेले आटाकारला इदो कोताते बुलेनको इतुकेदा। ना: दो बेगार इलि आरकि कारेदो ताको दिनगे का सेनो:ताना।

देगादाड़ि : आनकारेदोड़ो: बाबा-चाउलि मेना: रेओ पुरा दिन दो का ताइना। माण्डितेओ, इलि आरकितेओ मेनलेरे दो चिमिनाङ गेआड़ो: ?

कुलिपिड़ि : हे आञ दो बालाए गेञ आटाकारेआ। चेतानाते हागाकोलो: चिलकान कचाइरि लड़ाइरेको टोगाकाना जे हिजु: ताना: को एनाकोरेगे आदताना। चिमिनलेका आड़ि कोओ जा: बान्दराकाना।

देगादाड़ि : हे बुगि आलेआ: चिलका-चिलकाते चाबाजाना, कारेदो निमिनलो: दो काचि मायाङ रेआ: सेरेदो होनाङ का सारे: जानतेआ।

कुलिपिड़ि : हे आमिनाङ आमिनाङ सोना-सामाड़ोम सिंगार-पातार ताम कोते-कोते चिका गिड़िजाना का ?

देगादाड़ि : चाना:म मेने बाइ जोम-नूते नांगेन दो ने: टीङ चिप थाड़िको बारि सारेगाकाना। कुपुलको हिजु: रे गिउगान गे आटाकारोआ।

कुलिपिड़ि : एनहोनकोओ एनका नो:गेको रिकाकाना। पीटि रे इपाए: ती इपाए: होटो: लेलजाइरे रा:गे उड्डुङो:ताना। केचा: केचा: किचिरिते: किचिरिआकाना बोओ:रे सुनुम ना जेताना।

देगादाड़ि : चिकातारे ड़ो: बाइओगा। निमताङ दो सोमाएगे एनकाकाना। जीला: ले एनाङगे।

कुलिपिड़ि : मिसामिसा दो बागेरेओए: बागेनकाञ मेनेआ। आलो होनकोरा:ते कारेदो..... (कुसुद कुसुद तानेए: रा:ताना।)

देगादाड़ी : जो बात कहनी थी वह तो पहले ही कहनी चाहिए थी। बर देखने, घर देखने तो वह भी गए थे।

कुलिपिड़ी : कहते हैं–– ''लड़की चाहती नहीं थी फिर भी तुमने उसे जबरदस्ती फेंक बाहर किया।''

देगादाड़ी : अपनी लड़की को कोई जबरदस्ती भला कैसे फेंक बाहर करेगा?

कुलिपिड़ी : ऊपर से, दामाद ने कुछ रूपया इधर-उधर कर दिया है। वह सब सारा हमारे सिरपर गिर रहा है।

देगादाड़ी : पढ़ा-लिखा होकर भी ऐसा।

कुलिपिड़ी : देखने में, मिलने-जुलने में तो वह अच्छा लगता है।

देगादाड़ी : जब हमारे यहाँ आते हैं तो उनसे मिलकर हमें बड़ा अच्छा लगता है।

कुलिपिड़ी : पहले तो हमें भी वैसा ही लगता था। पता नहीं उन्होंने कहां से पीना सीख लिया है। अब तो बिना पिए उनका दिन ही नहीं जाता।

देगादाड़ी : इस तरह से तो धान चावल रहने पर भी अधिक दिन तो नहीं रहेगा। खाओ भी, पीओ भी तो अनाज ही कितना है?

कुलिपिड़ी : हाँ, मुझे बड़ा दुःख होता है। ऊपर से भाईयों के साथ कैसे अदालती मामले में पड़ गए हैं। जो भी आमदनी होती सब वहीं खो जाता है। सुनने में आता है कि कुछ खेत भी बंधक रखे गए हैं।

देगादाड़ी : हां, संयोग से, कैसे-कैसे हमलोगों का मामला खत्म हो गया, नहीं तो अब तक तो कमर का चिथड़ा भी बाकी नहीं रहता।

कुलिपिड़ी : हाँ, तुम्हारा उतना सोना-गहना साज सिंगार पता नहीं कहाँ चले गये।

देगादाड़ी : खाने-पीने के काम में लाने के लिए तो सिर्फ टिन के बर्तन रह गए हैं। मेहमान आते हैं तो लाज लगती है।

कुलिपिड़ी : हमारी लड़की के परिवार की भी हालत ऐसी ही हो गई है। बाजार में उसे खाली हाथ, खाली गला देखकर रूलाई आने लगी फटा-पुराना कपड़ा पहने हुए। सरपर ने तेल न कुछ।

देगादाड़ी : क्या करें? अभी तो समय ही ऐसा आया है सहना ही पड़ेगा।

कुलिपिड़ी : कभी-कभी सोचती हूँ उसे छोड़ दें। बच्चों के कारण ही, नहीं तो....। (सिसक-सिसक कर रो रही है।)

3. सिउ:ता: रे

(पाण्डु आर गेल बारसिरमा रेन आएआ: होन सागर सिउ: तेकिङ सेनाकना। उरि: कोकिङ हार इदितादकोआ। नायाल-आराड़ां कोकिङ गो: इदितादा।)

आपु : मार आमा: किन ओड़ाकिन मे।

होन : ओकोकिन गा।

आपु : आम ओकोकिन सुकुमेआ इन किन गे।

होन : लाण्डिआ किङ दो आमगे तोबे।

आपु : हे मार।

होन : (जोड़ा लेका किन तानाए:) एलागाड़ो: मिआद नि: दोए: निरताना।

आपु : मिआद-मिआद तेगेड़ो: जोड़ाकिन में। निर तानि: गेसिदा। इनि: दो नाओ सा: रे।

होन : (जोड़ा जाद किङाए) आमगेगा आयार रेदो।

आपु : काकिङा ताना चि?

होन : आतोम को काञ टो: तागेआ।

आपु : एनका तेगे दाङेम इतुइआ। नाओ सा: रे तारातामआर देदे नि: हारजापाइ: में।

होन : ताणाएता:को दो गाड़ो: साब रूआड़ाए में।

आपु : बारान किङ तेगेलाङ साब रूआड़ाएआ मार।

(होने: हार एटे: जाद किङा।)

आपु : पुरा: ओरताना। काटाकोम सी ताइगेआ। आगा नो: ताम।

(होन नांगालि: तोल रूआड़ाजादा।)

आपु : ना: दो ठआउका जाना। हार नो: किनमे। आतिङ तानलो: सिउ पुरा: गाओताना।

होन : (नायाल काए: साबाड़ाओ दाड़िताना) हाने: तोबेकिन आनकानताना। (आपु मुलि) ने आयार रेदो आमगे।

3. खेत में

(पण्डु और उसका बारह वर्षीय पुत्र सागर खेत में गए हुए हैं। बैलों को ले गए हैं। हल-जूआ ले गए हैं।)

पिता : चलो, अपने बैलों को जोड़ो।

पुत्र : कौन-से बैलों को?

पिता : जो भी तुम्हें पसन्द आए।

पुत्र : तब तो सुस्त बैलों को तुम्हीं जोड़ो।

पिता : अच्छा ठीक है।

पुत्र : (बैलों को जोड़ने की कोशिश कर रहा है।)
पिता जी, एक तो भाग रहा है।

पिता : एक-एक करके ही जोड़ो। जो भाग रहा है उसी को पहले। उसे दाहिनी ओर जोड़ो।

पुत्र : (दोनों को जोड़ता हैं।) आगे तो तुम्हीं चलाओं।

पिता : क्या वे (आगे) नहीं चल रहें हैं?

पुत्र : खेत का किनारा शायद मैं न लगा पाऊँ।

पिता : इसी तरह तो सीखोगे। (हल) जूए पर दाहिना कर दो और बाएँ वाले को उस ओर चलाओ।

पुत्र : जो छुटे सो तुम्हीं सुधारना।

पिता : ठीक है। दोनों मिलकर ही सुधारेंगे।
(पुत्र बैलों को चलाना शुरू कर रहा है।)

पिता : हल ज्यादा घिसट रहा है। बैल के पैरों को लग सकता है। थोड़ा आगे कर दो। (पुत्र लांगली फिर से बांध रहा है।)

पिता : अब तो ठीक हो गया। अब जरा जोर से चलाओ। चरते हुए खींचने के कारण अत्यधिक अन्दर जा रहा है।

पुत्र : (हल नहीं संभाल पा रहा है।) यह देखो, ऐसे जा रहा है।.....
(पिता की ओर) लो, तुम्हीं आगे चलाओ।

आपु : (आयार केदा) देदे निः पुराः आलोम दालिआ हेइ। कारेः लाटिगेना आर ओड़ोए तायोमेना।

होन : हे मार।

आपु : (उरिः किनेः हार जादकिना।) दो! देदे! जापाः नोःन में।

होन : एलागा ड़ोः दूणाताः दो का तेबागो गेआ।

आपु : फादाजापाःगेमे। काटा आलोम सीआ हेई।

होन : मोटाइते पाल रेगे जाएः चापाद जारे दो।

आपु : मोटाइते ओकोए चापादेआ। मिसा गाओजान रे सेकेड़ाओ का बूगिआ। पाल बिसि बाइओगा।

होन : एनका तेगे चिगा काटा को चिजुकोआ।

आपु : एनका तेगे चा?

(बारसा आड़ि आतोम ते बिउर के तायोमते)

आपु : नाः दो नांगालिलाङ तोल रूआड़ा ताः।

(आको हातु रेन पोगोरो हाड़ाम आकिङ सीतान मुलितेः पारोमताना)

पोगोरो : तिसिङ दो आमो चिआ बुड़ाको जोड़ाकेद मेआ।

होन : हे बुड़ाञ इतुनताना।

पोगोरो : ने दोम इतुकेदा। नाः दो कोनेआ दाड़ांम रेआ काजि।

होन : धात्।

पोगोरो : चान धात। तोबेदो काचिम बोओरेना।

होन : आमगे बोओरेन मे।

पोगोरो : आञ चानाःञ बोओरेना। आञ दो बुड़िम मेनाइः। ....कारे इनिः गे आम आउकी मे, आञ एटाः निःञ आउजोम।

होन : धात।

पोगोरो : बेएसेदाङ इनिः दो इतूकाम टोगोगा।

आपु : दे गा आमो होन को तालेम ताना-नास जाद कोआ। हनकुः एंगाञ ताको इलि नू को राः जाद मेआ।

पोगोरो : हे मार (होनमुरि) नाः काजि आलोम रिड़िङेआ हेइ बुड़ा।

(पोगोरो हाड़ामेः सेनोः ताना)

पिता : (आगे आते है।) दहिने को ज्यादा न मारना नहीं तो वह अपना पीठ झुकाएगा और पीछे रहेगा।

पुत्र : अच्छा ठीक है।

पिता : (बैलों को हाँक रहा है।) दाहिनी! जरा नजदीक आना।

पुत्र : पिता जी, खेत के कोने पहुँचा नहीं पा रहा हूँ।

पिता : पैर से दबाकर पहुँचाओ। देखना, बैल का पैर न लगाना।

पुत्र : जबरदस्ती वह फार पर ही पैर रखे तो?

पिता : जबरदस्ती कोई (उस पर) पैर रखेगा? एक बार घाव लग जाने पर जल्दी अच्छा भी नहीं होता। फार विष बन जाता है।

पुत्र : क्या ऐसे ही पैरों में कीड़े पड़ जाते हैं?

पिता : हाँ इसी तरह।

(दो बार खेत के किनारे किनारे हल घुमाने के बाद)

पिता : अब तो हम लाँगली फिर से बाँध ले। (उनके गाँव का बूढ़ा पोगोरो, उनके हल चलाने की ओर से ही गुजर रहा है।)

पोगोरो : नाती, आज तो तुम्हें भी जोड़ दिया क्या?

पुत्र : *हाँ आजा सीख रहा हूँ।*

पोगोरो : अब तो तुम सीख गए। अब तो तुम्हारे लिए दुल्हिन खोजना ही बाकी है।

पुत्र : धत्!

पोगोरो : धत् क्या? तो तुम शादी नहीं करोगे?

पुत्र : तुम्हीं शादी करना।

पोगोरो : मैं क्या शादी करूँगा। मेरी तो बुढ़िया है। नहीं तो तुम्हीं उसे रख लेना। मैं दूसरी खोजूँगा।

पुत्र : धत्।

पोगोरो : अच्छा तो है। उसे तो तुम्हें सिखना भी नहीं पड़ेगा।

पिता : तुम भी बाबूजी, हमारे बच्चों को परेशान करने में लगे हो।..... उधर देखो, मेरी माँ तुम्हें इलि पीने बुला रही है।

पोगोरो : अच्छा ठीक है। (छोकड़े की ओर) अभी वाली बातें न भूलना नाती। (पोगोरो बूढ़ा जाता है।)

4. कोलोम पासांगिता: रे

(पोगोरो हाड़ाम गुयुरे दांगाड़ाहोन को एतो, कानु सुकु ओड़ो: एटा: को जिरूबताना। सेंगेल कोओम नोगो: तानचि दुबको रेन्डेदे जेपेदो:ताना।)

पोगोरो : (एतोमुलि) जू बूड़ा हेन जाटाको आउलेम ताबु। ओड़ो: मिसा बु डागा–डागा लेआ।

एवो : एनरे सेताकोम इ: रिकातादकोचि। (होनको लानदाताना।)

पोगोरो : एनसा: जानार रेआ: को मार आलोम आगुइआ। (एनोए: बिरिदताना आर जाटाकोए: हामबुद आउजादा। सेंगेल ओड़ो: मिसा जुल रूआड़ाओ:ताना।

पोगोरो : तिसिङ दो बुड़ा कोसा: तेपे हारकोआ?

एतो : ना: दो बाबाको इरकेदा। जां सा: तेरेओ।

पोगोरो : सोसो रापा: कोपे टो: बाड़ाजादा चि का?

एतो : टो: बाड़ाजादा ले। ने कालोम पुरा: का सोसोआकाना।

पोगोरो : जोरोए बाड़े जानार सा: जा?

एतो : एनसाओ बानो:ओ। होला गेले हार लेदकोआ।

कानु : सेरेङडी होड़ोको काचि को ठाकोकेदा।

पोगोरो : तिरिल दो तिरिला काना चि का?

सुकु : तिरिला काना, मेन्दो जारोमको: रे चि?

एतो : जारोमो: तान लो: दो एनाओ एनकागे।

कानु : रेपे: तान लेका।

पोगोरो : जोजोमकोगे पुरा:बु सांगिआकाना। आले आपेलेकाकान रे चिमिनाङेम चिकाएआ? रापा:ते चि रोओड़ोतेम जोमा। ना: दो एनता: को सोबेन लोयोङ को बाइजाना।

कानु : नेता: को सोबेन चि बुड़ा बिर गे ताइकेना।

पोगोरो : हे चा। कुला दो बुड़िआ दो। ..... राबाङो एन सोमाए पुरा: नो: राबाङतान ताइकेना।

4. खलिहान में

(पोगोरो बूढ़ा के खलिहान में गाँव से लड़के एतो, कनु, सुकु और दूसरे-आग ताप रहे हैं। आग बुझ रही है। बैठने में ठेल ठाल हो रहा है।)

पोगोरो : (एतो की ओर नाती, जाओ जरा उन लकड़ियों को लाओ। एक बार फिर धधका लेते हैं।)

एतो : वहाँ तुमने कुतों को पाखाना करवा दिया है और अब।

पोगोरो : अच्छा उस तरह की न लाना। (एतो जाता है, लकड़ियां बटोर लाता है। आग फिर एक बार जल उठती है।)

पोगोरो : आज तो किधर चराने ले जा रहे हो?

एतो : अब तो लोगों ने धान काट लिया है। जिधर भी।

पोगोरो : भेलवा पकाने को मिलता है कि नहीं?

एतो : मिलता है कुछ-कुछ। इस वर्ष ज्यादा भेलवा लगा नहीं है।

पोगोरो : बड़ पेड़ की तरह शायद?

सुकु : उधर भी नहीं है। कल ही हम उधर चराने ले गए थे।

कानु : सेरेंड़ी के लोगों ने सब झाड़ दिया है।

पोगोरो : केऊंदा लगा है कि नहीं?

सुकु : लगा है, लेकिन जब पकेगा तब न?

एतो : पकने पर तो उसका भी वही हाल होगा।

कानु : जैसे कि लूट लगी हो।

पोगोरो : खाने वाले ही बहुत ज्यादे हो गए हैं। जब हम तुम्हारी उम्र के थे तो कितना क्या करोगे? पकाकर खाओगे या सुखाकर अब तो उन सारी जगहों में खेत बन गए हैं।

कानु : आजा, इस आस-पास सारा जंगल ही था क्या?

पोगोरो : और क्या? बाध, भालू। ठंड भी उस समय कुछ अधिक ही पड़ती थी।

सुकु : कुलाको राटि मिसा मिसा राबाङते जिरूब नांगेन पासांगि ता: को हिजु: तान ताइकेना को मेनेआ। (दांगाड़ाको लानदा ताना)

पोगोरो : लान्दा दो का गे। बांगाइजान तातामम मिआद कुलाए: जिरूबनाम लि:आ।

कानु : आञ दो जा: एनकारेदो गुयुरे गितिगो काञ मोनेतेआ:।

एतो : आञो का होनाङ।

पोगोरो : आनि: दो जानाओ चि: हिजु:ताना।

कानु : ओकोजा: सेनो: आड़िसाते नेता: रेगेञ आङकोआ मेनजाचि आपान जापा: रेगे: बिण्डुआकान रेदो।

पोगोरो : बोरोतेदो काचि एनता: रेगे जा:म डुकिपोटोमो:आ होनाङ, काचिआ बुड़ा।

एतो : ने कोड़ा दो ना: बेगार कुला तेगे: डुकिपोटोमो:आ।

पोगोरो : आते बुड़ा।

कानु होसोड़ोआए:, बुड़ा।

सुकु : चातेआ का! काचि एतो।

पोगोरो : आनातेगेआ सुकुल दो आम मुलि गे सेनो:ताना।

कानु : सोए: मेआअ ना, हाड़ाम लाण्डि। (एनजालो:गे सुकुआ: एंगाते जानुमडी ओड़ा: तागाते: काकाला जादा। आपेआ, उरि: को काचिआपे नि:कोआ। सिंगितुरो:गेको (जिरूबताना।

पोगोरो : जू, जू, नेरे जागार पे बाइताना।

एतो : नासा आए:गे होसोड़ो जादले चि....। (दांगाड़ा होनको सेनो:ताना।)

सुकु : कहते हैं कि कभी-कभी बाघ तक ठंड के मारे आग तापने के लिए अलाव के पास आया करते थे। (छोड़के हंस उठते हैं।)

पोगोरो : हंसी की बात नहीं, बात सच ही है। तुम्हारे आजा ने, जो अब नहीं रहे, एक बाघ को आग तापते हुए पाया था।

कानु : अब ऐसा होता तो मैं कूंबा में सोने भी नहीं आता।

सुकु : मैं भी नहीं।

पोगोरो : वह रोज ही थोड़े आता है!

कानु : अगर वह वापस आने के आलस्य से ''यही सो लेता हूँ'' सोच कर हमारे पास ही सो गया तो?

पोगोरो : डर के मारे तो तुम शायद वहीं मूत देते। है कि नहीं रे नाती।

एतो : वह तो बिना बाघ के ही चटाई पर मूतता है।

पोगोरो : सच है, नाती?

कानु झूठ बोल रहा है, आजा।

सुकु : कैसे नहीं? नहीं, एतो?

पोगोरो : इसीलिए धूआं तुम्हारी ह़ी ओर जा रहा है।

कानु : अभी दाग दूँगा, बूढ़ा कहीं का। (तभी सुकु की माँ जनुम्डी घर पर से बुलाती है। ए लड़के मवेशी नहीं खोलोगे? सूरज उगने तक आग ताप रहे हैं।

पोगोरो : जाओ, यहाँ बात बना रहे हो।

एतो : इधर खुद हमें ठगता है और....। (लड़के जाते हैं।)

5. सुसुन आकाड़ा रे

(आयुब माण्डि जोम सोमाए। दारू हाड़ाम ओड़ो: दिरि हाड़ाम ताकिङ सुमदिआ इलि किङ नू ताना। इसु खोनातेकिङ दुबाकाना। बुल चाबाकाना किङ। दारू हाड़ामगे पुरा: दो। सुमादिञेञ खिआओ पिआओ जा:इआ मेनो:ताना। हानसा: आकाड़ारे ने: गे सुसुन को एटे: जादा। होनको बारि को गिण्डुङ गिण्डुङ बाड़ाजादा।)

दारू हाड़ाम : (किमिनते: रा:जा: इआ) दे, ओड़ो: मिसा ओड़ो: नो: तालिङ पे एनाते दो सुसुनते लिङ सेना। (सुमदि मुलि) काचि हो सुमदि।

दिरि हाड़ाम : होबा जानालाङ सुमदि। दोलाङ नेता: कोको पारचि का।

दारू हाड़ाम : आछा मार लाङ सेनो:गेआ, हों। एते: काम आयुम जाद कोआ? होनको बारिगेआ। दिगाद-दिगाद गेको रू बाड़ाजादा। दुराङो आउरि आयुमोगा।

दिरि हाड़ाम : आलाङ सेनो: तानलो: गेकोएटेगेआ, दो।

दारू हाड़ाम : (बुड़िते मुलि) दे, कापे जरूडुनताना। आलिङ काचापाचाओ एटेगोताना।

बुढ़िया : होपोराकाना: कोगे चाबा लेबेन सिदा, एनातेले ओड़ोगा बेना।

दारू हाड़ाम : होपोराकाना: कोदोलिङ चाबाएगेआ। एना अलोपे उडुगा। काचि हो सुमदि? ... दे चाकाड़ां रेओ तोबे।

दिरि हाड़ाम : सोबेना: लाङ ठीकिजाना, दो। (नू चाबा जादाए:। .... होनते कुड़ि मुलि) दे बिटि दा: ओम नोगा लिङ में।

दारू हाड़ाम : हों, हों एनका का। जुड़ि चाका रे मोयोद रे बारि होयो पेरे: को:रे चिल्का साइकाल सेसेना?

5. नाच के अखाड़े में

(शाम को खाना खाने का समय। दिरि हड़म्, दरू हड़म्, एक दूसरे के समधी इलि पी रहे हैं। बहुत देर से बैठे हु हैं। पूरी तरह नशे में है। दरू हड़म् अधिक। वह सोच रहा है कि वह अपने समधी को खिला-पिला रहा हैं। उधर अखाड़े में लोग अब नाच शुरू करने वाले हैं।)

दारू हाड़ाम : (अपनी पुत्र वधू को बुला रहा है) बहू, हमें एक बार थोड़ा ओर दे दो, इसके बाद तो हम नाचने जाएँगे। (समधी की ओर) है न समधी?

दिरि हाड़ाम : हमारा हो गया, समधी। चलें, लोग यहाँ सब साफ करें।

दारू हाड़ाम : अच्छा हम चलेंगे। अभी जरा रूकिये। सुन नहीं रहें हैं? अभी तो (वहाँ) सिर्फ बच्चे ही हैं। गीत भी अभी सुनाई नहीं दे रहा है।

दिरि हाड़ाम : हमारे जाते ही लोग शुरू करेंगे। चलिए, चलें।

दारू हाड़ाम : (अपनी पत्नी की ओर) सुनती हो? तुम्हें तो हमारी चिन्ता ही नहीं है। हम हड़बड़ी में हैं।

बुढ़िया : पहले जो सामने है उसे ही समाप्त कर लो। इसके बाद हम तुम्हें फिर देंगे।

दारू हाड़ाम : जो सामने है वह तो हम खत्म करेंगे ही। उसकी तुम चिन्ता न करो। है न समधी? .....दो, कम से कम चखना तो दो।

दिरि हाड़ाम : सब कुछ ठीक हो गया, चलें। (अपनी इलि पीकर समाप्त कर रहा है। .... अपनी बेटी की ओर) बेटी जरा पानी देना।

दारू हाड़ाम : अह ह, वैसा नहीं। दो चक्कों से सिर्फ एक ही में हवा भरी रहने से साइकिल कैसे चलेगी?

दिरि हाड़ाम : आम दो आयार रेनि: दाङ? आयार दो कोओम नो:गे होयो ताइनो: लागातिङा।

दारू हाड़ाम : आछा मार दो। (किमिनते मुलि) देगा दा: ओमालिङ पे। आबुङेन जान चि दोड़े तानलो: आखाड़ा मुलि किङ सेनो: ताना।

दारू हाड़ाम : पुरा: इलि नुओ का ठीकिआञ मेनेआ। दो सेन हानताड़ाए मे। ने दारूञ पाटाओ नो: लेआ।

दिरि हाड़ाम : मारेञ तांगिमेआ।

दारू हाड़ाम : (रूआड़ालेन चि) पुरा: चि होलाङ नू केदा?

दिरि हाड़ाम : का ठीकि बारि गे। मिद जुड़ि दुराङ जलो: लाङ बाइ रूआड़ाओगा।

दारु हाड़ाम : एते: दुराङ आयुमो: ताना। एटे: केदा जा:।

दिरि हाड़ाम : हे का? दो....।

दारू हाड़ाम : दुराङ दो आमा: आसाराए गे हेइ।

दिरि हाड़ाम : होनकोआ: कोतेगेलाङ दुराङ बोसाना दो।

दारू हाड़ाम : कोता: होनकोआ: कोते? आलाङा पुरना: को लाङ उड़ुङेआ चि।

दिरि हाड़ाम : आछा मार दो.... बोतोए: कारे पाटे रूआड़ा नो लेम नुरतान लेकाञ लेलेआ।

दारू हाड़ाम : (चा:लोम सा: चापुन तान लो:) हे का। मेनदो आलाङा: होनकोगे दाङ ओकोएलाङ गिउगाइआ।

दिरि हाड़ाम : इमिन रेओड़ो:। आकाड़ाते दो बाइनो: कोआते सेनो: लागातिङा। पुरा: जिड़ाजोड़ो तान सेनाकानरे 'ने सेथा हाड़ाम किङ को मेतालाङा।

दारू हाड़ाम : ओकोए एनकालाङा? ने सोमाए आलाङते चेतानाकानको जेताए बाङकोआ। एन हुलाङ दारोगा राटि मिआद जागार तेगेञ खोमसाओ गिड़ि लि:आ।

दिरि हाड़ाम : एना दो'ड़ो हे दो हे गे।

दारू हाड़ाम : तोबे? हमको क्या समझता है साला।

दिरि हाड़ाम : हों, होनको बोतोङा कानगेआ। दिकुको हिजु:ताना मेनतागेआ (आकाड़ाकिङ तेबा: केदा। सुसुन जामकाओआकाना। दुराङ का चाबाकान ताइकेना। दारू हाड़ाम एनतालारेगे: बोलोताना।

दिरि हाड़ाम : आप आगे का चक्का है। आगे थोड़ी कम ही हवा रहनी चाहिए।

दारू हाड़ाम : अच्छा ठीक, है चलिए। (बहू की ओर) बहू, दो हमें पानी दो। (हाथ धोने के बाद झूमते हुए अखाड़े की ओर जा रहे हैं।)

दारू हाड़ाम : अधिक इलि पीना भी ठीक नहीं। आप चलते रहें। मैं जरा पेड़ पटालूँ।

दिरि हाड़ाम : ठीक है मैं इन्तजार करता हूँ।

दारू हाड़ाम् : (वापस आकर) समधी, क्या हमने ज्यादा पी ली है?

दिरि हाड़ाम : नहीं। वाजिब ही पी है। एक जोड़ा गीत गीते ही हम ठीक हो जाऐंगे।

दारू हाड़ाम : सुना? अब गीत सुनाई दे रहा है। शायद नाच शुरू हो गया।

दिरि हाड़ाम : हाँ, सच है। चलें।

दारू हाड़ाम : गीत के मामले में तो मुझे तुम्हारा ही भरोसा है। है न?

दिरि हाड़ाम् : बच्चों के गीतों से ही हमारा काम चलेगा चलिए।

दारू हाड़ाम : बच्चों के गीतों से? हम अपने पुराने गीत निकालेंगे! आप क्या कहते हैं।

दिरि हाड़ाम : अच्छा ठीक है। सुनिए, जरा अपना करेआ ठीक कर लें। लगता है कि वह धसक रहा है।

दारू हाड़ाम् : (पीछे की ओर टटोलते हुए) हाँ, आपने ठीक ही कहा। लेकिन हमारे ही बच्चे हैं लज्जा किस बात की है?

दिरि हाड़ाम : फिर भी अखाड़े में थोड़ा बन-ठनकर जाना चाहिए। अधिक ढीला-ढाला पहुँचने पर लोग 'ये बेवकूफ बूढ़े' कहेंगे।

दारू हाड़ाम : कौन कहेगा वैसा? इस समय हमसे बड़ा और कोई नहीं है। अभी उस दिन एक ही बात से मैंने दरोगा साहब का मुँह बंद कर दिया था।

दिरि हाड़ाम : सो तो है ही।

दारू हाड़ाम : तब? हमको क्या समझता है, साला।

दिरि हाड़ाम : अच्छा, जरा धीरे से। बच्चे डर जायेंगे। लोग कहेंगे "दिकु-लोग आ रहे हैं।" (दोनों अखाड़ा पहुँचते हैं। नाच जमकर हुआ हैं। गीत अभी समाप्त नहीं हुआ है। दरू हड़म् इसी बीच अखाड़े में प्रवेश करता है।

दारू हाड़ाम : हों आइ होनको, आलिङ मिसा सुमदिआ दुराङ लेआ।
मिआद दांगाड़ा : आबेनो गा, ने तालारे। दुराङो आउरि चाबाओ:तेलो:गे।

दिरि हाड़ाम : हो सुमदिलाङ ओंड़ाजादा। एला को पुराओलेका।

दारू हाड़ाम : आउ, तोबे दो कालाङ ठीक केदा। आछा मारको पुरओलेका।

दिरि हाड़ाम : ने आतोम रेलाङ दुबानो:को:आ। एला (ति: आतोम जा:इआए। दुड़ा रेकिन सुकुडु हाड़ागुनताना। हुड़िङ खोन चाना: कोकिन बोतोड़ो-बोतोड़ोकेना आर एनातेदो मांड़ीते किन दुडुम हापेजाना। दुडुमतान दुडुमतान मिसा मिसा किङ हु:टिरताना। आचाकागे ''खांओ'' केन रिकाओ चि होनको 'आबु चिनाकिङ बोतोङ ताना' को मेनेआ।)

दारू हाड़ाम : रूको बच्चों, अब हम दोनों समधी गा लेते हैं।

एक युवक : तुम भी पिता जी, यहाँ बीच में। अभी गीत भी समाप्त नहीं हुआ है और।

दिरि हाड़ाम : रूकिए, समधी! हम ठीक नहीं कर रहें हैं। आइए, वह गीत पूरा करने दे।

दारू हाड़ाम : अरे! तब तो हमने ठीक नहीं किया। अच्छा ठीक है लोग पूरा कर लें।

दिरि हाड़ाम : यहीं किनारे बैठ लेते हैं। आइए। (किनारे की ओर खींच रहा है। दोनों वहीं धूल पर गिरते पड़ते बैठते हैं। थोड़ी देर तक क्या बड़बड़ाते रहे और इसके बाद चुपचाप सो गए। अचानक ही उनके मुँह में 'खाओ' की आवाज निकलने पर बच्चे कह उठते हैं- ''ये बूढ़े क्या हमें डरा रहे हैं?'')

6. तुकुइः लुतुर

(बुरू बासि। तुकुइ लुतुर रेआः सोबेन सामपोड़ो को तेआरा काना। राचा गुरिः बाइआकाना। दुआर सानमाङ रे मोद हाटाः लेका बाबा दुलाकाना आर एन चुकु चेतान रे मिआद लोटा आर लोटा रे दाः आर मिआद उलि दाड़ा। तारासाः रे मिआद पाटि रे कुड़िको आर तारासाः रे कोड़ाको दुबाकाना। कुपुल कोओ एनरे गेको जामाकाना कुमाको आर तुकुइः जाद होनाः साकिते ताकिङ। एन जापाः रेगे हुड़िङ लेका बुसुः आटेद नोगाकाना। दुआर साड़िमि रे हाटाः रे लादको राकाबकेआते मिआद दांगाड़ा होनेः दुबाकाना। लुतुर तुकुइः किङो एनरे गेकिङ दुब सांगिआकाना।)

कुमा : दे तोबे तुकुइः निः आगुइपे।

एंगा : कोतिः जाना होनः हेएबेनिः?..... हातोम तेगे होनाङ।

आपु : निः दो नेसाः रे। मार दाइ....।

हातोम : आमोगा जापाः रेगे दुब मे। ओको जाएः राः तारेदो।

एंगा : हिनिः दो आपुते मेनाइः एन जापाः रेगे...।

आपु : मार आपेगे....।

एंगा : मार दाइ काएः राः एआ। जापा रेगे दाङ मेनाः लेआ। (हातोमते होनेः हेबे उडुङ जाःइआ। बाबा सानामाङ गाण्डु रे किङ दुबताना।

आपु : दे तोबे सागिड़िकिङ। कुरिकिड़ मिसितिरि किङ? (तुकुइ किङ कानासि किङ आगुजादा आर बारान साः रे किङ दुबताना।)

तुकुइःकिङ : दे ताबु नाः दो सागिड़ि लिङ बुः तुसिङ ताः। (बारान लुतुर मोसाते किङ तुकुइः जादा। होन राः एटेः जादा।)

तुकुइःकिङ : दे दे लाद ओमालेपे। (लाद ओमाइतान लोः) नेः दाङ

6. कान भेदी

(बुरू त्योहार के दूसरे दिन। कान भेदी का सारा सामान तैयार है। घर के सामने करीब एक सूप धान डाला हुआ है, ढेर के ऊपर एक लोटा और आम की एक डाल। (आँगन की) एक ओर चटाई पर औरतें और दूसरी ओर मर्द बैठे हुए हैं। कुटु-बगण भी उन्हीं में सम्मिलित हैं— मामा और कान भेदे जाने वाले बच्चे के मितामितिन। वहीं पास में कुछ पुआल बिछा हुआ है। दरवाजे के ऊपर छत्त पर एक सूप रोटियाँ लिए एक छोकड़ा बैठा है। कान भेदने वाले भी वहीं बैठे हैं।)

मामा : .....तो लाइए भेदे जाने वाली (बच्ची) को।

माँ : कहाँ गी गोद लेने वाली? मेरे ख्याल से तो उसकी फूफू ही।

पिता : यह तो इधर है। जाओ दीदी।

फूफू : तुम भी नजदीक ही बैठो। बच्ची कहीं रो न पड़े।

माँ : वहीं उसका बाप तो है ही।

पिता : ठीक है तुम ही बैठो....।

माँ : ठीक है दीदी नहीं रोएगी। हम नजदीक ही हैं। (बच्ची की फूफू बच्ची को लिए निकल रही है। धान के सामने की पीढ़ी पर बच्ची को गोद में लेकर बैठती है।)

पिता : चक्के लाइए। कहाँ हैं मिस्त्री। (भेदक चक्के लेकर दोनों ओर बैठते हैं।)

भेदक : लाओ अब हम ये चक्के पहना दें। (दोनों कान एक साथ भेदते हैं। बच्ची रोना शुरू करती है।)

भेदक : लाइए, लाइए हमें रोटी दीजिए। (बच्ची को रोटी देते हुए)

ने: नेका नामोआ। होबा जाना ना: दो। दे सागिड़िकिङ हुड़िङ लेका बु सुनुम नो: ता:। माजा गुलिओ: का। (सुनुम किङ जा: नो: जादा।

कुमा : मार ना: दो होन एन बुसु रे बागे ताइपे। कुरि किङ साकिते ताकिङ।... मार किङ हालाङ आगुइका।.... मोद होड़ो तेगे बाइओंगा।

साकिते : (होन हालाङ जाइ लो) हाएना ताञ। नारेको बागे तादमेआ। काचि बाला राबाङ ताना मार तो? एला, एला ओकोए ताञ को नाकाता: इआ....।

कुमा : मार ना: दो लाद....। (साड़िमारे दुबाकानि: लादे: थेर हाड़ागुजादा। होनको लादको रेपे: ताना।) ओड़ो: सुनुम सोबेन को हाटिङ बाड़ाताकोपे आर इलिको तेआराकान रेदो एनाको ओगे'डो:।

आपु : (लोटोते दा:ए उडुङ जादा) एलाबु तोबे। (आबुडेन जान चिको दुबताना। इलि तिलो: ताना। तिल पुराओ जान चि...)

कुमा : नेआदो साकिते ताकिङ गो: आउ दुपिल आउताद इलि। जाओगे नेकागे जोम-नू बु टोगेका आर बुगिआकान काबुताइनका। ओड़ो: चिमिनाडेम जिलिडेआ मार बु नुईआ। मार जोआर।

सोबेन : जोआर, जोआर, जोआर।

यह देखो इसी तरह (खाने को) मिलता है। अब हो गया...। अब चक्कों में थोड़ा तेल डाल देते हैं। ठीक से चले। (थोड़ा तेल छुआते हैं।)

मामा : अब बच्ची को उस पुआल पर छोड़ दो।.... वे उसे उठा लाएं। एक ही से काम चलेगा।

मितिन : (बच्ची को उठाती हुई।) हाय मेरी बच्ची! लोगों ने तुम्हें यहाँ छोड़ दिया है! क्या ठंड नहीं लगती? आओ आओ किसने इसे ऐसा कर दिया?

मामा : दो अब रोटियाँ...। (छत पर बैठा छोकड़ा रोटियां नीचे फेंक रहा है। बच्चे रोटियाँ लूट रहें हैं।) अब लोगों के बीच तेल बाँटो और अगर इलि तैयार है तो वह भी।

पिता : (लोटे में पानी निकालता है।) तो आइए। (लोग हाथ धोते हैं और बैठते हैं। इलि बाँटी जा रही है। बाँटना समाप्त होने के बाद।

मामा : यह तो बच्ची के मिता-मितिन का कंधे पर, सर पर ढ़ोकर लाई हुई इलि है। हमें इसी तरह सदा खाने-पीने का सौभाग्य प्राप्त हो। बात और कितनी लम्बी करेंगे.... हम पीना शुरू करें। जोहार।

सारेलोग : जोहार। जोहार। जोहार। (लोग पीना शुरू करते हैं।)

7. स्कुल रे भारतिन

(बिनए (कुपुलको ओड़ा: रेन) मिआद कुड़ि होन इस्कुल रे भारती नागेने: आउता:इआ। हेड मिस्ट्रेस किन सेन नाम जा:इआ।)

बिनए : जोआर गा।

हेड मिस्ट्रेस : जोआर। बुगिगेचि?

बिनए : हे बुगिगे। आपेदो?

हेड मिस्ट्रेस : आलेओ बुगिगे। चिलकान काजि तोबे?

बिनए : ने होन दाङ भारती नांगेन ले आउता:इआ।

हेड मिस्ट्रेस : ओको कलास रे?

बिनए : एनेटे: रेगे होनाङ।

हेड मिसट्रेस : नेरे दो चौथाते चेंतान को बारि सोआबताना। आपे हातु जापा: रे ओड़ो: इसकुल को बानोआ चि?

बिनए : मेना: दो मेना: मेनदो कुड़िहोन कोआ: इसकुल बानो।

हेड मिसट्रेस : कोड़ा होन कोआ: रेगे आपि सिरमाए: पाड़ाओ को: का आर एनाते नेते आउ रूआड़ाइपे।

बिनए : एन इसकुल रे पाड़ाओ कोरे: कुड़िको बांको रा: ते कुड़िहोनको सेनो: काको मोने गाराङेआ।

हेड मिसट्रेस : एम. एल. ए. सायोब जागाराइपे मिसट्रेस कोए: जोगाड़ापेका।

बिनए : इनि: दो बोओट दाड़िजान चि पटना रे: ताइनताना। ना: दो ओड़ो: बोओट सोमाए तेबा: को एनाङ आलेता दोए: हिजुगा।

हेड मिसट्रेस : नेरेओ होनाङ ने कालोमाते एनेटेगतेगे पाड़ाओकोआ: दो मेना:। मेनदो होबाको: रेचा?

बिनए : इमताङ दो होनाङ खूब ठीकिओ:आ। आमिन सांगिनाते लिङ हिजुगाकान।

7. विद्यालय में प्रवेश

(विनय (अपने सम्बन्धी परिवार की) एक बच्ची को विद्यालय के प्रवेश के लिए लाया हुआ है। वे दोनों प्रधानाध्यापिका से मिलते हैं।)

विनय : जोहार!

प्र. अ. : जोहार! ठीक हैं न?

विनय : हाँ, ठीक हैं। और आप लोग?

प्र. अ. : हम भी ठीक ही हैं। .... तो कैसी बात है?

विनय : इस बच्ची को प्रवेश कराने के लिए लाए हैं।

प्र. अ. : किस क्लास में?

विनय : पहली क्लास में ही।

प्र. अ. : यहां तो चौथी से ऊपर की ही छात्राओं का प्रवेश होती है। आपके गांव के पास क्या और कोई विद्यालय नहीं है।

विनय : है, लेकिन बालिका विद्यालय नहीं है।

प्र. अ. : बालकों के विद्यालय में ही यह तीन साल पढ़ ले और इसके बाद आप इसे यहाँ ले आएं।

विनय : उस विद्यालय में पढ़ने जाना नहीं चाहती।

प्र. अ. : अपने एम. एल. ए. साहब से कहिए, वे अध्यापिकाओं की व्यवस्था करें।

विनय : वह तो चुनाव जीतने के बाद पटने में रहते हैं। अब तो अब चुनाव आने पर ही हमारे यहां आएंगे।

प्र. अ. : यहां भी इस वर्ष पहिली ही कक्षा से पढ़ाई शुरू करने की बात है लेकिन हो तब तो।

विनय : तब तो बहुत अच्छा होता। हम उतनी दूर से आए हैं।

हेड मिसट्रेस : ओकोआते बेन हिजु:ताना?

बिनए : बिरबांकिआते।

हेड मिस्ट्रेस : आमिन सांगिन बिर बितारातेका?

बिनए : हे, ने कुड़िहोन पाड़ाओ रिका दो खूबगे मोने आकाद लेआ।

हेड मिस्ट्रेस : मेनदो एनेटे: रेदो रेंगे – राबाङ ओडा:रेन होनकोगे ले आउसिदाकोआ। एना मेनते ने सोमाए दो दारखास बारिले आउइआ।

बिनए : हे होनो होनाङ रेंगे ओडा: रेनि:गे।

हेड मिस्ट्रेस : नि: दो आमा: ओकोए तानि:?

बिनए : आलेआ: गेड़े होन। हुड़िङ रेगे: टुआरजाना। एंगा बारि मेना:इआ। जां लेकाते होनाङ आसुलेन तेआ होरा को बाइजान रेदो।

हेड मिसट्रेस : आछा मारबु लेलेआ। दारखास बागेताबेन। (कुड़ि होन मुलि) आम दो माइ चाना: को नुतुम ताद मेआ?

बिनए : (कुड़ि होन मुलि) मार उदुबाइ मे।

कुड़ि होन : (गिउ: गिउ: गे) माकि।

हेड मिसट्रेस : (बिनए मुलि) उमार दो ताए: चिमिन सिरमा!

बिनए : तुरि सिरमा लेका।

हेड मिसट्रेस : होन दो सेंड़ान गे लेलो:ताना।

बिनए : पाड़ाओओ होनाङ एनकागे: इतुइ: रे।

हेड मिसट्रेस : इतुइआए:। मार तोबे हेइ, होबाजान रेदोले उदुबापेआ।

बिनए : हे मार, जोआर।

हेड मिसट्रेस : जोआर।

प्र.अ. : आप कहां से आ रहे हैं।

विनय : बिरबांकी से।

प्र. अ. : उतनी दूर जंगल के भीतर से न?

विनय : हाँ, इस बच्ची को पढ़ाने का हमारा खूब इरादा है।

प्र. अ. : किन्तु प्रारम्भ में तो हम गरीब परिवार की बच्चियों को पहले लेंगे। इसलिए इस समय तो सिर्फ आवेदन पत्र ही लेंगे।

विनय : यह लड़की भी गरीब घर की ही है।

प्र. अ. : यह आपकी कौन लगती है?

विनय : यह हमारी भाँजी (लगती) है। बचपन में ही अनाथ हो गई है। सिर्फ माँ है। किसी प्रकार से भरण-पोषण का रास्ता निकलता तो।

प्र. अ. : अच्छा हम देखेंगे। आवेदन पत्र छोड़ जाएँ। (बच्ची की ओर) बेटी तुम्हारा क्या नाम है?

विनय : (बच्ची की ओर) बताओ इन्हें।

बच्ची : (लजाती हुई) मकि।

प्र. अ. : (विनय से) उम्र कितने वर्षों की होगी?

विनय : करीब छह साल।

प्र. अ. : बच्ची तो तेज लगती है।

विनय : पढ़ना भी उसी तरह आता तो।

प्र. अ. : सीखेगी। अच्छा तो चुनी गई तो हम आप को बताएंगे।

विनय : अच्छा, जोहार।

प्र. अ. : जोहार।

8. लेपेल – चिपिना

(पाण्डेआ चा दोकान रे: दुबाकाना। लेपेल चिपिना मेनते बुदु पाण्डेआए: सेन नाम जा:इआ।)

बुदु : जोआर हाले

पाण्डेआ : जोआर, मार दुब मे।

बुदु : जाओगे नेरे चा नूतान रेञ लेलमेआ। मुसिङ लेकाञ कुलीआञ मेनेआ।

पाण्डेआ : आञ दो डाउडी रेन पण्डेआ।

बुदु : आञ दो बाड़िटोला रेन बुदु।

पाण्डेआ : चाड़िद बाड़िटोला चि

बुदु : का पोसेआ बाड़िटोला।

पाण्डेआ : नेरे चाना:म कामिताना?

बुदु : पाड़ाओ तानाञ।

पाण्डेआ : कोता:? राँची कॉलेज रे?

बुदु : का, संत जेवियर रे। आमदो चाना: कामिताना?

पाण्डेआ : नुकुरि तानाञ ए.जी, ओफिस रे। चिमिन सिरमा लेकाम सारे:तादा?

बुदु : दाड़िजान रेदो होनाङ मोद सिरमा गे।

पाण्डेआ : विज्ञान चि कला रेमा?

बुदु : विज्ञान रे।

पाण्डेआ : एना दो हामबाल गेआ।

बुदु : हे, इमिन रेओ मोने दोञ मोनेआकाद गेआ होनाङ।

पाण्डेआ : हे बाबु विज्ञान सा: काबु, मोने गाराङेआ।

बुदु : एटे: सा: रेगे उदुबको काको ताइनजानरे आँओगे पाड़ाओ बाड़ाओगा।

8. जान-पहचान

(पाण्डेआ चाय की दुकान पर बैठा हुआ है। परिचय पाने के लिये बुदु पाण्डेअ के पास पहुँचता है।)

बुदु : जोहार भाई।

पाण्डेआ : जोहार, आइए बैठिए।

बुदु : मैं रोज आपको यहाँ चाय पीते हुए देखता हूँ। सोचता हूँ, किसी दिन पूछूँगा।

पाण्डेआ : मैं डउडी (गाँव) का पण्डेअ हूँ।

बुदु : मैं बरटोली का बुदु।

पाण्डेआ : चारिद बरटोली या

बुदु : नहीं पोसेआ बरटोली।

पाण्डेआ : यहाँ क्या काम करते हैं?

बुदु : पढ़ता हूँ।

पाण्डेआ : कहाँ? राँची कॉलेज में?

बुदु : नहीं संत जेवियर में। .... आप क्या काम करते हैं।

पाण्डेआ : नौकरी करता हूँ, ए.जी. आफिस में। कितने वर्ष बाकी हैं?

बुदु : संभव हुआ तो एक ही वर्ष।

पाण्डेआ : विज्ञान में है या कला में?

बुदु : विज्ञान में।

पाण्डेआ : वह तो भारी होता है।

बुदु : तब भी मन में ठान तो लिया है।

पाण्डेआ : हाँ, विज्ञान की ओर हमारा झुकाव अधिक नहीं है।

बुदु : आरम्भ की ओर बताने वाले न रहने पर निरूद्देश्य पढ़ाई होता है।

पाण्डेआ : एनातेगे आञो विज्ञान पाड़ाओ काञ टो: केदा। लातार सागातेगे विज्ञान रेआ: पाड़ाओ को टो: जाना रे चेतान रे तेबा: लेआते सानाङ रेओ का साब रूआड़ा दाड़िओ: आ।

बुदु : आञ दो बुगि आपुञ नेआ होराए: सेन सिदाकाद ताइकेना।

पाण्डेआ : चानाए: कामिताना?

बुदु : मासटर केनाए:। ना: दोए: हाड़ामजाना। ओड़ो: रेगे मेना:इआ।

पाण्डेआ : आले ओड़ा: रेदो आञगे पाड़ाओ एटेगाकादि: दो। ना: दो आञाते हुड़िङ दांगिड़िओए: पाड़ाओताना।

बुदु : ना: दो मांड़िं-मांड़िं ते पाड़ाओतान कोबु सांगिओ:ताना।

पाण्डेआ : हे चिमिन दिन डोनडो गे बु ताइना।.... ओड़ा रेदो ओड़ो: ओकोएताको मेना: कोआ?

बुदु : एंगाञ आपुञ किङ, सुतु रेन बोकोञ कोड़ा, आए:आते हुड़िङ मिसि होन आर जिआ-ताता किङ।

पाण्डेआ : आबुआ: होड़ोको ओड़ो: ओकोए ताको आपेआ: कॉलेज रेको पाड़ाओताना?

बुदु : सोबेन जामा रे गेलहोड़ो लेका दोको होबाओगा।

पाण्डेआ : सोबेन कोड़ा कोगे चि कुड़िओ मेना: कोआ?

बुदु : पुरा: उतार दो कोड़ा कोगे। आपि होड़ो बारि कुड़िकोदो। .... मोद होड़ो दो हिनि:गे। (बुदु कॉलेज ते सोने: तान अचि मुलि: चुण्डुलाइताना।) ए अचि, एला नाइ: मिआद कुपुल होड़ो। जोपोआर रेओ जोपोआर को:बेन। अचि आकिन मुलि: हिजु:ताना।

पाण्डेआ : (बेंचेआते बिरिदनो: तानलो:) जोआर।

आचि : जोआर।

बुदु : (पण्डेआ मुलि) अचि, नि: दो पण्डेआ, डाउडीहोड़ो। ए.जी. आपिस रे: कामिताना। (अचिमुलि) अचि दो कनटाड़ाडी रेनि:। बी.ए. रे मेनाइ:।

पाण्डेआ : ना:गे आपेआ: गेलिङ उकुतातान ताइकेना।

आचि : जान: कोले ओंड़ाकेदा चि तोबे।

पाण्डेआ : इसलिए विज्ञान पढ़ने से मैं चुक गया। नीचे की ओर ही विज्ञान की पढ़ाई छूट जाने से ऊपर आने पर चाहने पर भी वह फिर से पकड़ में नहीं आती है।

बुदु : मेरा सौभाग्य है कि मेरे पिताजी इस रास्ते से पहले चल चुके थे।

पाण्डेआ : क्या करते हैं?

बुदु : शिक्षक का काम करते थे! अब तो बूढ़े हो गए हैं। घर पर ही रहते हैं।

पाण्डेआ : हमारे परिवार में तो मैंने ही पढ़ना शुरू किया है। अब तो मुसझे छोटी लड़की भी पढ़ रही है।

बुदु : अब तो धीरे-धीरे हम पढ़ने वालों की संख्या बढ़ रही है।

पाण्डेआ : हाँ, हम कबतक अनपढ़ ही रहेंगे? ..... घर पर और कौन है?

बुदु : मेरे-माँ-बाप, मुझसे छोटा भाई, उससे छोटा भाई, उससे छोटी बहन ओर मेरे दादा-दादी।

पाण्डेआ : हमारे और कौन-कौन लोग आपके कालेज में पढ़ते हैं?

बुदु : सब मिलकर करीब दस लोग होंगे।

पाण्डेआ : सभी पुरूष ही हैं या महिलाएँ भी?

बुदु : अधिकांश तो पुरूष ही। महिलाएँ सिर्फ तीन ही हैं। .... एक तो वहीं है। (कॉलेज जाती हुई अचि की ओर इशारा करते हुए।) ऐ अचि, आइए यहां एक संबंधी हैं। कम से कम जोहार तो कीजिए! (अचि उनकी ओर आती है।)

पाण्डेआ : (बेंच से उठते हुए) जोहार!

आचि : जोहार!

बुदु : (पण्डेआ की ओर) अचि, ये पण्डेआ जी है, डउडी के ए.जी. अफिम को काम करते हैं। (अचि की ओर) अचि कण्टड़डी से आती है। बी. ए. में है।

पाण्डेआ : अभी हम आप ही लोगों की चर्चा कर रहें

आचि : हमने कुछ बिगाड़ा क्या?

पाण्डेआ : ओंड़ांदो जेताओः का। बुगिनाःगे। नाः दो हुड़िङ इसु रेओबु पाड़ाओताना। आले सोमाए दो कॉलेज रे पाड़ाओतान कोदो मिआदो काको ताइकेना।

आचि : नाः ओ पुराः दो बाङलेआ। गिउगानगे बारिआ लेका मेनाःलेआ।

बुदु : हे, कुड़िको पाड़ाओ दो काबु पाड़ाओ रिकाजाद कोआ। मेनदो दांड़ा दो पाड़ाओतान को गेबु दांड़ांबाड़ाः। (लान्दा तानाको।)

पाण्डेआ : हे, एटाः निआः जुला ओङ नांगेन चानाःञ पाड़ाओइआ बु मेनेआ।

आचि : चिकातारे बाइओःआ। आबुआः होड़ोंकोरे बुजाओगे आउरि बोलोआ।

पाण्डेआ : (घड़ी लेल जालोः) का, नाः दोबु आपानदाड़िकोआ ताबु आञाः उपिस सोमाए होबाओताना। माजा ओल पाड़ाओ पे ताबु।

बुदु : आञोञ हेड़ाओःताना। निः दोएः उडुङ उताराकाना।

आचि : हे, होरा रे किताबको ओड़ोः किरिडेआः मेनाः। एनलेकाते इदं रेञ उडुङाकाना।

पाण्डेआ : मार बु जोआर केआ तोबे।

बुदु : जोआर, जोआर।

आचि : जोआर, जोआर।

(सोबेन को आपानदाड़िनताना।)

पाण्डेआ : बिगाड़ा तो कुछ भी नहीं। प्रारंभ ही कर रहें थे। अब तो हम थोड़ा-बहुत पढ़ रहे हैं। हमारे समय में तो कालेज में पढ़ने वाली महिलाएँ एक भी नहीं थी।

आचि : अब भी अधिक तो नहीं है। दो चार ही हैं, बताने में भी शर्म आती है।

बुदु : हाँ, हम लड़कियां पढ़ाते तो नहीं हैं लेकिन पढ़ी लिखी लड़कियां ही खोजते-फिरते हैं! (सभी लोग हंसते हैं।)

पाण्डेआ : हाँ, हम कहते हैं कि दूसरे का चूल्हा जलाने के लिए मैं अपनी बेटी को क्यों पढ़ाऊँ?

आचि : क्या करें? हमारे लोगों में समझ ही नहीं आई है।

पाण्डेआ : (घड़ी देखते हुए) नहीं, अबतो हमें अलग होना चाहिए। मेरे आफिस का समय हो रहा है। आप लोग ठीक से पढ़िए-लिखिए।

बुदु : मुझे भी देर हो रही है। ..... यह तो निकल चुकी है।

आचि : हाँ, रास्ते में मुझे किताबे खरीदनी हैं। इस लिए जल्दी ही निकलती हूँ।

पाण्डेआ : अच्छा जोहार।

बुदु : जोहार, जोहार।

आचि : जोहार, जोहार।

(सभी अलग होते हैं।)

9. बुलुङ-सुनुम दोकान रे

(उलिडी आर एदेलहातु ताकिङ ननकु साउआ: दोकान रे। उलिडी होने: हाताराका:इआ। दोकान रे भीड़ मेना:।)

उलिडी : (साउ मुलि) देगा, एनाङातेलिङ तिंगुआकाना, मोद पुरा: किरिङ तान लेका।

एदेलहातु : हे, एदकालिङ हेड़ाताना। सोंगेको चिमिन को तांगिलिङा?

साउ : पीटि हुलाङ दोगा नेका गेआ। नि होबाजाना लो: गे आबेना: पाड़ि।

उलिडी : मोद किलो बुलुङ .....।

साउ : मोद किलो बुलुङ। ने चिकाना: रे...?

उलिडी : ने: नेरे (किचिरि: आटेदजादा)। ओड़ो: तालाकिलो जोमेसुनुम। .... तेरेम बादालातागे।

साउ : (बोतोलो जी जादलो:) का गाञ बादालाएआ। .... सुनुम बोतोलो जान साकाम तेगे टिपितापे। ..... ओड़ो: चाना:?

उलिडी : मोद टाका रेआ: सासाङ मसाला को।

साउ : सासाङ मसाला ओड़ो:?

उलिडी : हेन साबोन मिआद।

साउ : साबोन। ओड़ो:?

उलिडी : ओड़ो: दो इमिनाङ गे। मार हिसाबा लिङ में।

साउ : बुलुङ, जोमे सुनुम, हासा सुनुम, सासाङ मसाला आर साबोन। निमिआङ गेदाङ? .... सोबेन रे होबाजाना... गेल तुरिटाका गेल पाएसा।

9. नमक-तेल की दुकान पर

(उलिडी और एदेल्हतु ननकु साहू की दुकान पर। उलिडी गोद में एक बच्चा लिए हुए है दुकान में भीड़ है :)

उलिडी : (साउ की ओर) दीजिए। हम तभी से खड़े हैं। जैसे कि हम बहुत सा सामान खरीद रहे हों!

एदेल्हतु : हाँ, हमें बड़ी देर हो रही है। हमारे साथी कबतक हमारी प्रतीक्षा करेंगे?

साहू : बाजार के दिन ऐसा ही होता है ..... इनका होते ही आपकी बारी आएगी।

उलिडी : क्या करें सबको वैसी ही जरूरत पड़ी है।

साहू : (इन लोगों की ओर) इनका हो गया। अब आप आइए।

उलिडी : एक किलो नमक।

साहू : एक किलो नमक। लीजिए किसमें

उलिडी : यहाँ, इसमें (कपड़ा बिछाती है।) और आधा किलो खाने का तेल। ... यह बोतल। .... यहाँ इसमें मिट्टी तेल.... देखिएगा बदल न दीजिएगा।

साहू : (बोतल सूंघते हुए) नहीं, बदलूंगा नहीं। तेल का बोतल में किसी पत्ती की ठेपी लगा दीजिए। ..... और क्या?

उलिडी : एक रूपया का हल्दी-मसाला।

साहू : हल्दी-मसाला। और?

उलिडी : साबुन और?

उलिडी : अब उतना ही। चलिए हिसाब लगाइए।

साहू : नमक, खाने का तेल, मिट्टी तेल, हल्दी-मसाला और साबुन। इतना ही तो? .... सब मिलाकर हुआ सोलह रूपए दस पैसे।

उलिडी : (हातारातेहोन हाड़ागुजाइलो:) देआ हाड़ागुको: में टोनडोमेञ राड़ालेआ (टोनडोमे: राड़ाजादा, टाकाए: लेकाजादा) ने। गेल ए टाका।

साउ : (लेका जादाए) ने: नेआ दो का चालाओगा।

उलिडी : चाते का चालाओगा?

साउ : पुरा: हुमुगेआ।

उलिडी : आपेगे सुनुम बाइताद चि। ओड़ो: एटा टाका बानो:।

साउ : तोबे दोञ काटाओ नो:एआ।

उलिडी : कोताम काटाओ नो:एआ? आलेजा: टाका बाइतान लेका। सोबेना: गोनोङो एदका आद चेतनाते ओड़ो: काटाओ।

साउ : हेगा मार बाइजाना ....ने खुचुरा।

उलिडी : (तेला जादाए:, लेका जादाए:। एदेलहातु मुलि) सेथा बाँड़िआ एदका सेंड़ाए: बाइनताना। .... मार आपेआ: को ना: दो।

एदेलहातु : आले दो सेनो:जाना पीटि रेगेले किरिङा कादा। तिसिङ रेआ: कोदोले होबाकाना। होबाजान रेदो दोलाबु सेनेआ।

उलिडी : आलो, नेकोड़ा खाने: पाकाउ-पाकाउ कातेजादा। मिटाइ दोकान मुलि बु पारोमा।

एदेलहातु : हे मार, आलेओ ओड़ा: रे बागेआकानि: पोटोमकोए: दांड़ाबाड़ा:।

उलिडी : दोला तोबे।

(सेनो: तानाकिङ)

उलिडी : (गोद से बच्चे को उतारते हुए। आओ बेटे जरा उतरो गाँठ खोल लूँ। (गांठ खोल रही है, रूपए गिन रही है।) लीजिए सतरह रूपए।

साहू : (गिन रहा है।) यह रूपया नहीं चलेगा।

उलिडी : क्यों नहीं चलेगा?

साहू : बहुत गंदा है।

उलिडी : आप ही लोगों ने तेल लगाया है। .... और दूसरा रूपया नहीं है।

साहू : तब तो थोड़े से पैसे काटूँगा।

उलिडी : कहां-कटिएगा? जैसे की हम ही रूपया बनाते हों! सभी चीजों का दाम भी अधिक और ऊपर से काटेंगे।

साहू : अच्छा जाइए बन गया। लीजिए खुदरे पैसे।

उलिडी : (लेती है, गिनती है। ..... एदेलहतु की और) बदमाश बनिया, खूब चालाक बनता है। ..... आओ, अब तुम लोगों का।

एदेलहतु : हमने तो पिछले बाजार में ही खरीद लिया है। आज का खरीदना हो गया है। अगर हो गया तो हम चलें।

उलिडी : ठहरो, यह लड़का 'पकउ-पकउ' का रट्ट लगाए हुए है। हम मिठाई दुकान की ओर से जाएंगे।

एदेलहतु : अच्छा ठीक है, हमारा भी घर पर छूटा हुआ बच्चा गठरी इत्यादि टटोलता है।

उलिडी : तब चलें।

(जाती हैं।)

10. किचिरि दोकान रे

(कानु आर आएआ: ओड़ा: होड़ो सेनेङडी काउड़ि साउआ: दोकानते किचिरि किरिङ किङ सेनाकाना।)

कानु : जोआर साउजी।

साउ : जोआर मुण्डा, बुगिगे चि?

कानु : हे बुगिगे।

साउ : (दुबतानलो:) कामि दो बारिआ लेका किचिरि को दाङ किरिङेआ: मेना: होनाङ।

साउ : हे मार काजीबेन।

कानु : मिद जोड़ा दुति आर मिद जोड़ा साड़ी।

साउ : (दुति को साड़ीको आकिन मुलि थेर जालो:) ने: को दुतिको मिद रोकोम तेआ, नेआकोएटा: रोकोम तेआ।

कानु : नेआकोगे सिदा लिङ लेल लेआ। (ओड़ा: होड़ोए कुलिजा:इआ) मार ओकोआकोम सुकुताना?

सेरेङडी : दुति चि आञ सालाएआ? कोड़ाको तुसिङेआ आमगे सालाएमे।

कानु : कोड़ाको तुसिङेआ दो कुड़िकोगे साला लागातिङा। तुसिङाकादि: चानाए मुनडीआ चिलकाए: लेलो:ताना मेनेआ:? काजीआको जोम दो आपान नांगेन सामपोड़ो दो एटा: को नांगेन।

सेरेङडी : हे मार दे, आलेगे सालाएआ। (उलटा पालटा बाड़ाजादाए:) आले दो नेआगे सुकुजाद लेआ।

कानु : आलेओ एनागे सुकुजाद लेआ। ओड़ो: मिआद सालाए मे मार।

सेरेङडी : एना दो मार आमगे सालाए मे।

कानु : ने: नेआ चिलकाम सुकुताना?

10. कपड़े की दुकान पर

(कनु और उसकी घरवाली सेरेंडी कौड़ी साहू की दुकान पर कपड़ा खरीदने गए हैं।)

कानु : जोहार साहू जी।

साहू : जोहार मुण्डा, अच्छे तो हैं?

कानु : हां ठीक ही हैं।

साहू : (बैठते हुए) काम तो कुछ कपड़े खरीदने का है।

साहू : हाँ, ठीक है, कहिए।

कानु : एक जोड़ी धोती और एक जोड़ी साड़ी।

साहू : (धोतियां और साड़ियां उनकी ओर फेंकते हुए) ये है धोतियां, एक प्रकार की, ये दूसरी प्रकार की।

कानु : इन्हें ही पहले देख लेते हैं। (अपनी घर वाली से पूछता है।) देखो, कौन-से पसन्द हैं?

सेरेंडी : क्या धोतियाँ मैं चुनूंगी? मर्दों के पहनने की चीजें तुम्हीं चुनो।

कानु : मर्दों के पहनने का कपड़ा औरतों को ही चुनना चाहिए। पहनने वाला कैसे जानेगा कि वह कैसा दिखता है? कहते हैं खाना-पीना अपने लिए साज-सिंगार दूसरों के लिए।

सेरेंडी : हाँ ठीक है हम ही चुनते हैं। (कपड़े उलाट-पलाट रही है।) हमें यही पसन्द है।

कानु : हमें भी वहीं पसन्द है। और एक चुनो।

सेरेंडी : वह तो तुम ही चुनो।

कानु : यह तुम्हें कैसा लगता है?

सेरेङडी : नेआ पाड़िआ पुरा: नाना गेआ।

कानु : पुरा: मोटो पाड़िआ दो का सुकुञा।

सेरेङडी : ने: नेआ दो?

कानु : एना दोञ सुकुआ: जा:।

सेरेङडी : जा: रेदो आलोम टेकादेना। हे का रे का?

कानु : हे, देलाङ आउकेआ। नेआगे चिमिनाङेम लेला।

सेरेङडी : मार तोबे काजिआइ मे।

कानु : (साउमुलि) दुति दो लिङ सालाकेदा। ने: नेआ किन। ना: दो साड़ी को लिङ लेल लेआ।

साउ : (साड़ी को आकिङ मुलि थेर हाड़ागुजालो:) नेआ को मोद रोकोम रेआ:। नेआको मोद रोकोम रेआ:। मार सालाएबेन।

कानु : (ओड़ा: होड़ो लो: किन उलटा-पलटा बाड़ाजादा) आञ दो ने: नेआ सुकुजा:ञा।

सेरेङडी : आलोञ लेल बाइलेआ। माला मेद गिड़िओ: तानाञ।

कानु : एला दुति तेदो काम मालामेद लेना।

सेरेङडी : हेड़ो: नेआदो आञ तुसिङेआ: दाङ।

कानु : पुरा: गोनोङान तेआ: दो आलोम सालाएआ।

सेरेङडी : बेएसे नो: साड़ी दो मिआदो ताञ बानो:।

कानु : चिमिनाङ बेएसेआ:म नामताना?

सेरेङडी : बुरू कोरे-पीटि कोरे मोसा-मोसा तुसिङ बाड़ाएआ:।

कानु : होन हातारकाइ लो: ने: नेआ तुसिङा कारे माजाम लेलोगा। रंगा-चोंगातान।

सेरेङडी : आमा: काजि कोलो: दो....। दे ओकोआम सालाकेदा।

कानु : का मार आम सालाएआ: गे।

सेरेङडी : ने: नेआ सुकुजाद मेआ चि का?

कानु : आम सुकुजान रे आञो सुकुगे मेना:।

सेरेङडी : ओड़ो: मिआद दो ने: नेआ।

कानु : हे मार।

सेरेंडी : यह पाड़ बहुत ज्यादा पतला है।

कानु : अधिक मोटा पाड़ मुझे पसन्द नहीं

सेरेंडी : यह (कैसा पसन्द है?)

कानु : वह तो पसन्द आएगा, शायद।

सेरेंडी : 'शायद' में न रूको। हाँ कहो या नहीं।

कानु : हाँ, लाओ, ले लेते हैं। कितनी देर तक उसे देखते रहेंगे।

सेरेंडी : तो उसे कहिए।

कानु : (साहू की ओर) हमने धोती तो चुन ली। ये दो अब साड़ियां देख लेते हैं।

साहू : (साड़ियां उनके सामने फेंकते हुए) ये एक प्रकार की, ये एक प्रकार की। लीजिए, चुनिए।

कानु : (पत्नी के साथ उलाट-पलाट रहे हैं।) मुझे तो यह पसन्द है।

सेरेंडी : मैं भी देख लेती हूँ। आँखो को सभी एक सी लगती है।

कानु : धोतियां चुनते समय तो तुम्हारी आँख ठीक थी!

सेरेंडी : हाँ, यह तो मेरे पहनने की है न।

कानु : अधिक दाम की न चुनना।

सेरेंडी : कुछ अच्छी साड़ी तो मेरी एक भी नहीं हैं।

कानु : कितनी अच्छी चाहती हो।

सेरेंडी : मेले-बाजारों में कभी-कभी पहनने ने लिए।

कानु : इसे पहनकर बच्चा गोद में लिए रहो तो बड़ी अच्छी लगेगी। लाल-पीला रंगभरी!

सेरेंडी : तुम्हारी बातों का....। लाओ, तुमने कौन सी चुनी है।

कानु : नहीं, जो तुम चुनो वही।

सेरेंडी : यह पसन्द है कि नहीं?

कानु : अगर तुम्हें पसन्द है तो मुझे भी पसन्द है।

सेरेंडी : और एक यह।

कानु : हा, ठीक है।

सेरेङडी : मार गोनोङ लाङ आयुमलेआ।

कानु : (साउ मुलि) ने: नेआकिङ लिङसालाकेदा। ने.... मारना:दो गोनोङ लिङ आयुमलेआ।

साउ : इसु बुगिना: कोगेबेन सालाकादा। सोबेन रे उपुन हिसि होबाओ: ताना।

सेरेङडी : (कानु मुलि) बापारि: गोनोङाकादा।

कानु : सोबेना:गे गोनोङाकाना डो: ने दिन दो। .... इदोए बागेआचि का?

सेरेङडी : मार जागार लेकाइ मे।

कानु : (साउ मुलि) आलिङ लेकाते मोद चोकोए: पुरा: नो: जाना। बागेनोए: मे।

साउ : आञा: दोकान रे मिआद गोनोङ गे मेनेआ: दो बेन इतुआन गेरेओ बेन बागे रिकाजा:ञा।

कानु : हे कालिङ गो: दाड़िआ:।

साउ : किचिरि को दाङ एनकाना: गेबेन सालाकादा।

कानु : गोनोङोदाङ एनकागे टोगोगा। बुगिन चीज दो डो: हुड़िङ लागो:गेआ।

सेरेङडी : (कानु मुलि हायाड़ाते) कालाङा:इमताङ दो दोलाङ।

कानु : बेएसे लाङ सालाबाइआकाद, तायोमते जा: ओकोए किरिङ केरेदो।

सेरेङडी : काए: कोओमेन रेदो कालाङा। आमिनाङ टाका....।

कानु : (साउमुलि) काम बागेएरेदो कलिङ दाड़िआ:।

साउ : चिमिनाङ बेन ओमेआ सोबेन रे।

कानु : (सेरेङडी मुलि हायाड़ाते) चिमिनाङ लाङ मेताइआ।

सेरेङडी : आपि हिसि मेताइमे।

कानु : (साउ मुलि) आपि हिसि लिङ ओमामेआ।

साउ : अनका दो आलोबेन रिकाञा। नेका बागे केरेदो को तागातेञ आसुलेना।

सेरेङडी : तेआर गिड़िआकान रेओ आसुलोगा: गेम काजिताना।

सेरेंडी : अब दाम सुन लेते हैं।

कानु : (साहु की ओर) हमने चुन ली है। .... लीजिए, अब हम दाम सुन लेते हैं।

साहू : आपने बहुत अच्छे कपड़े चुने हैं। .... सब मिलाकर अस्सी रूपए होते हैं।

सेरेंडी : (कनु की ओर) बाप रे, उसने (बहुत) दाम रखा है।

कानु : आज कल तो सभी चीजों का दाम बढ़ गया है। .... पता नहीं कुछ छोड़ेगा या नहीं।

सेरेंडी : ठीक है, बात करके देखो।

कानु : (साहू की ओर) हमारे लिए यह दाम थोड़ा अधिक पड़ रहा है। थोड़ा सा कम कीजिए।

साहू : मेरी दुकान पर एक दाम ही होता है फिर भी आप मुझे कम करा रहे हैं।

कानु : हाँ, हम यह दाम दे नहीं सकेंगे।

साहू : आपने कपड़े भी तो वैसे ही चुने हैं।

कानु : पसन्द आए इसलिए तो हमने चुने हैं।

साहू : दाम भी तो वैसा ही लगेगा। अच्छा चीजों का दाम कुछ ज्यादा होता ही है।

सेरेंडी : (कनु की ओर) तब तो हम नहीं लेंगे। चलो।

कानु : हमने अच्छी तरह चुन लिये हैं। बाद में कोई ले ले तो?

सेरेंडी : कम नहीं करेगा तो नहीं लेंगे। .....इतने रूपए!

कानु : (साहू की ओर) कम नहीं कीजिएगा तो हम नहीं सकेंगे।

साहू : कितने देंगे सब मिलाकर?

कानु : (सेरेंडी की ओर धीरे से) हम कितना कहें?

सेरेंडी : साठ कहो।

कानु : (साहू की ओर) हम साठ देंगे।

साहू : वैसा न कीजिए। ऐसा छोड़ूंगा तो कहाँ से जिन्दा रहूँगा?

सेरेंडी : इतने मोटे हो गए हैं फिर भी जिंदा रहने की बात कर रहें हैं।

साउ : आछा मार ओड़ो: गेल टाका गोगेबेन।

कानु : का एनागे आलिङा: टुनडु जागार। हे रेदो हे, का रेदो का।

साउ : का काञ दाड़िआ: आमिनाङ हाड़ागुन दो।

कानु : तोबे दो काबु बापाइआ। (सेरेङडी मुलि) दोलाङ..... (बिरिद तानाकिङ)

साउ : हों ..... आमिनाङ गे जी सुकुआकान रेदो इदि केबेन तोबे। जाओरेन गाकि चिलकाञ बागे बेना।

कानु : (टाका लेका जाद लो:) ने:।

साउ : (टाकाए: लेकजादा) ओड़ो: जा: जाना: सुकुतान रेदो।

कानु : तिसिङ दो निमिनाङ गे।

साउ : आछा मार ने। जोआर।

कानु : मार जोआर।

साहू : अच्छा ही है, और दस रूपये दीजिए।

कानु : नहीं, वही हमारी अंतिम बात है। पसन्द हो तो हां कहिए, नहीं तो नहीं।

साहू : मैं उतना नहीं कम कर सकुँगा।

कानु : तब तो हमारी बातें नहीं मिलतीं। (सेरेंडीं की ओर) चलो। (उठते हैं।)

साहू : ठहरिए। .... उतना ही मन लग गया है तो ले जाइए। पुराने ग्राहक है कैसे छोड़ूँगा।

कानु : (रूपए गिनते हुए) लीजिए।

साहू : (रूपए गिनता है) कुछ और पसन्द हो तो....।

कानु : आज तो इतना ही।

साहू : अच्छा, तो लीजिए। जोहार।

कानु : जोहार।

11. हातुरे डाक्टर

(डाक्टर सायोब फटफटिआते: हाड़ागुनताना, रूआतान कोआ: ओड़ा: ता: रे।)

ओडा: किसान : जोआर, डाक्टर सायोब।

डाक्टर : जोहार! ओकोए हासुताना।

ओड़ा: किसान : (रूआतानिआ पारकोम मुलि चुण्डुल जालो:) ने होन गोमके।

डाक्टर : (होन ती साब जाइलो:) चिलकाओ तानाए:?

ओड़ा: किसान : होड़ोमोए: लोलोताना।

डाक्टर : राबाङ दो?

ओड़ा: किसान : राबाङोए: राबाङताना रूआ राकाबतान रे।

डाक्टर : चिमताङाते: नेकाताना?

ओड़ा: किसान : उपुन मा होबाओ:ताना।

डाक्टर : (होने: जाँच जा:इआ) मार मोचा चाबलेम। (मेदे: लेल जा:इआ) मेद किङ लागा मेआ चि।

होन : हे, बोओ बिउरतान लेकाञ टोओंरेआ।

डाक्टर : दुब मे। (सायाद आगाम मेंड़ेद ते: आगाम जा:इआ) जिलिङ गे सायादे मे। मोचा ओटा: केआते .....हे, एनका। कोता: को हासुजाद मेआ?

होन : मुकुड़ि को काटा चोमपा को। देआ को।

डाक्टर : बोओ दो?

होन : बोओ दो का। हामबाल गेञ आटाकारेआ।

डाक्टर : पिड़िसा: दो चिलका सेसेनताना?

11. गांव में डाक्टर

(डाक्टर साहब मोटरसाइकिल से उतर रहें हैं, मरीज के घर के पास।)

घर-मालिक : जोहार, डाक्टर साहब।

डाक्टर : जोहार। कौन बीमार है?

घर-मालिक : (मरीज की चारपाई की ओर इशारा करते हुए) यह लड़का हुजूर।

डाक्टर : (बच्चे का हाथ पकड़ते हुए) इसे क्या होता है?

घर-मालिक : शरीर तपता है।

डाक्टर : और जाड़ा?

घर-मालिक : जाड़ा भी लगता है, ज्वर चढ़ते समय।

डाक्टर : कबसे ऐसा हो रहा है?

घर-मालिक : चार दिन हो रहा है।

डाक्टर : (लड़के की जांच कर रहें हैं।) देखें, मुँह खोलो। (आँखे देखते हैं।) आँखों में थकावट लगती है।

लड़का : हाँ, मुझे लगता है कि मेरा सिर घूम रहा है।

डाक्टर : बैठो। (साँस-परीक्षक यंत्र से जाँच कर रहें हैं।) लम्बी साँस लो। मुँह खोलकर हाँ उस तरह। कहाँ-कहाँ दर्द करता है?

लड़का : घुटने टखने, पीठ।

डाक्टर : और सिर?

लड़का : सिर नहीं। भारी लगता है।

डाक्टर : पाखाना कैसा जाता है?

होन : का सेसेनतान।

डाक्टर : होला निदा मानडिम जोमला: चि का?

होन : का। जोमगे का मोनेकि:ञा।

डाक्टर : तेताङ दो तेताङ मेआ चि का?

होन : तेताङिञा।

डाक्टर : मार बाटि रूआड़नमे। (पारकोम रे: दुबताना) सिदारे चाना: मेनते कापे उदुबा:ञा।

ओड़ा: किसान : आलेआ: रानु कोतेगे जा:ए बुगिओ:आ मेनते।

डाक्टर : चिमिन लेका सिमकोदोपे बोंगा केद कोआ?

ओड़ा: किसान : आउरि गे गोमके, आगोम तादाले।

डाक्टर : ने नावा रोग को सिमकोते का निरा।

ओड़ा: किसान : ओकोआते निरा एनागे उपाए:मे।

डाक्टर : नेरे रानुञ ओलजादा। निआ टेबलेट रेआ: सेता: मिआद, तिकिन मिआद, आयुब मिआद जाना: जोमनो: केआते। निआ दो सूइ रेआ: बारसिङ मिआद।

ओड़ा: किसान : ने रानुकोदो गोमके ओकोरे नामोआ।

डाक्टर : बारसिङ रेआ: दोञ बागेआपेताना। मिआद सूइओञ ओम तुकाइआ। ओड़ो: आपि मा लेका रेआ: कोकिरिङ पे टोगो:आ। ब्लोक ओड़ा: जापा: रेआ: रानु दोकान रे नामोगा।

ओड़ा: किसान : निआ: जोम नू रे जान माना एमान मेना: चि बानो:?

डाक्टर : आउरि बुगिओ: सुमुङ बासि मानडि आलोपे ओमाइआ। तेताङि रे कागाजि दा: ओमाइपे। (डाक्टर सायोब सेनोए: सम्पोडोन तानलो: गे मिआद बुड़िआ डानडा टुनडान तानलो:ए: तेबा जादा।)

बुड़िआ : देआ डाक्टरे: हिजु: आकानाको मेन जादा। आञोए: लेल नो: लिञका।

डाक्टर : चाना:म बालाएताना गा?

बुड़िआ : मेद बाबु काञ लेलबाइजादा। जान रानु मेना: रेदो ओमाञ में।

डाक्टर : देञ लेल लेमेआ सिदा। (मेदे: जाँच जा:इआ।)

लड़का : नहीं जाता है?

डाक्टर : कल तुमने खाना खाया था कि नहीं?

लड़का : नहीं। खाने का मन ही नहीं करता है।

डाक्टर : प्यास लगती है कि नहीं?

लड़का : प्यास लगती है।

डाक्टर : अब फिर से लेट जाओ (चारपाई पर बैठते हैं।) मुझे पहले क्यों नहीं बताया?

घर-मालिक : यही सोचकर कि वह हमारी ही दवाओं से ठीक हो जाएगा।

डाक्टर : (अब तक) कितने मुर्गे पूजे?

घर-मालिक : अभी नहीं हजूर, हमने मनन किया है।

डाक्टर : ये नई बीमारियां मुर्गो से नहीं भगेगी।

घर-मालिक : जिससे भी भागे वही उपाय कीजिए।

डाक्टर : यहाँ दवा लिख रहा हूँ। यह टेबलेट का सुबह एक, दोपहर को एक और शाम को एक। कुछ खाकर। यह सूइ का दो दिन में एक।

घर-मालिक : ये दवाएं कहाँ मिलेंगी?

डाक्टर : दो दिन की दवा मैं छोड़ रहा हूँ। एक सूइ भी दे जाऊँगा। और करीब तीन दिन की दवा तुम्हें खरीदनी पड़ेगी। ब्लाक घर के पास की दवा की दुकान में मिलेगी।

घर-मालिक : इसके खान-पीन में कोई परहेज है कि नहीं?

डाक्टर : जबतक यह अच्छा नहीं होता इसे बासी भात खाने को न देना। प्यास लगने पर नींबू पानी देना। (डाक्टर साहब जाने की तैयारी कर रहे थे कि एक बुढ़िया लाठी टेकते हुए पहुँचती है।

बुढ़िया : अरे कहां हैं? कहते हैं डाक्टर आया हुआ है। मुझे भी जरा देख ले।

डाक्टर : क्या कष्ट है, बुढ़िया?

बुढ़िया : आँख, ठीक से नहीं सूझता है, बेटा। कोई दवा हो तो दो।

डाक्टर : आओ, पहले जरा देख लूँ। (आँख की जांच कर रहें हैं।)

बुड़िआ : जोम सा: गे पुरा: दो काञ लेलेआ।

डाक्टर : बुगि उतारो: लेका दो राँची तेम सेनको: एनाङ।

बुड़िआ : आमिनाङ सांगिन बाबु चिलकाञ सेनो: दाड़िआ।

डाक्टर : ओड़ा: रे जेताएओ चि बाङकोआ?

बुड़िआ : बाङकोआ बाबु।

डाक्टर : हातुरे राँची रे पाड़ाओतान को चा कामितान को जोताए चि बाङकोआ?

मिआद हातुहोड़ो : पांड़ाकोआ: होन पण्डेआ कोलेज रे: पाड़ाओताना। आर मिआद नागु मेनाइनि: ओकोरे: दरवाना काना।

डाक्टर : (होड़ोको मुलि) पण्डेआए: हिजु: रे आञता: कुलताइपे। ने बुड़िआ ओपोरेसान रिका माराङ आसापाताल ते इदि लागातिङा। ..... (बुड़िआ मुलि) आमगा, मेद किङ रे छालि जामाकाना। एनाको पारचि लागातिङा। पण्डेआ राँचीते: इदि आउलेम का। रानुरा: गे हुड़िङ लेका खारचा नोगो:आ।

बुड़िआ : खारचा दो बाबु कोतागातेञ नामेआ?

मिआद दागिड़ि : इलि आकिरिङ टाकाको बुड़िआ उडुङेमे। (होड़ोको लानदाताना)

बुड़िआ : कोता: रेआ इलि टाका ना?

डाक्टर : (फाटाफाटिआरे दे: तान लो:) मार ताबु आञ दोञ सेनजादा..... नेमान हुआङ को पेरे: तापे। सिकिंड़ि कोआ: डेराबाइआकाना (एनजालो: गे मिआद होन-हातारान-एंगाए: दाउड़ि आगुजादा। मिआद सिमे: हामबुदा उजा:इआ।)

एंगा : हौंआए: तिंगुनो: को: का?

डाक्टर : नि: दो होनदेर हासुलेन होन का?

एंगा : हे गोमके बुगिजानाए:। एनारा: होनदेर दो जे ता:ओ काले ओम दाड़िआद मेआ। ..... ने सिमगे इदि जाइमे। (सिम केरोकेचोन ताना।) नेकाते मेंड़ेदेञ सामबाड़ाओआ चि सिम?

डाक्टर : ओड़ा: तेगे इदि तुकाइपे।

मिआद दांगाड़ा : दे ने चा:लोम सा:रेबु तोल ताइआ। सिमको तोल जा:इआ। सिम केओ: केओ: जादलो: डाक्टर फाटाफाटिआए: एटे:जादा।)

बुढ़िया : दाहिनी तरफ ही ज्यादा नहीं सूझती है।

डाक्टर : पूरी तरह तो राँची जाने पर ही ठीक होगा।

बुढ़िया : उतनी दूर मैं कैसे जा पाउँगी, बेटा।

डाक्टर : घर में (और) क्या कोई नहीं है?

बुढ़िया : कोई नहीं है, बेटा।

डाक्टर : गांव में राँची में पढ़ने या काम करने वाला कोई नहीं है?

एक ग्रामीण : पुजारी का लड़का पण्डेअ कालेज में पढ़ता है। और एक नगु नाम का आदमी कहीं दरवान है।

डाक्टर : (लोगों की ओर) पण्डेअ अगर आए तो उसे मेरे पास भेजना। इस बुढ़िया को अपरेशन कराने के लिए बड़ा अस्पताल ले जाना होगा। (बुढ़िया की और) सुनती हो बुढ़िया, आँखों में छल्ली जम गई है। वह साफ करना होगा। पण्डेअ तुम्हें राँची ले आए। सिर्फ दवा का खर्च पड़ेगा।

बुढ़िया : खर्च तो बाबु कहाँ से लाऊँगी।

एक युवती : इलि से मिले पैसे निकालो बुढ़िया। (लोग हंसते हैं।)

बुढ़िया : कहाँ के इलि-पैसे री?

डाक्टर : (मोटरसाइकिल पर चढ़ते हुए) अच्छा, मैं चल रहा हूँ।..... ये गड्ढे भर दीजिए। यहाँ मच्छडों का अड्डा बना हुआ है। (उसी समय एक मां बच्ची को गोद में लिए दौड़कर आती है। साथ में एक मुर्गी लिए हुए है।

माँ : रोको, (डाक्टर) जरा ठहर ले।

डाक्टर : यह बच्चा उस बार बीमार पड़ा था न?

माँ : हाँ हजर, अब तो ठीक हो गया। उसके लिए उस बार तो हम कुछ भी नहीं दे सके। यह मुर्गी साथ लेते जाइए। (मुर्गी उफड़ रहा है।)

डाक्टर : इस तरह यह मशीन संभालू यह मुर्गी? इसे घर पहुँचा आओ।

एक युवक : लाओ इसे पीछे की ओर बाँध दें। (लोग मुर्गे को बाँध रहे हैं। मुर्गे के चिल्लाने के साथ डाक्टर मोटरसाइकल स्टार्ट करते हैं।

12. हातुरे दारोगा सायोब

(सेनो:जान निदा मिआद ओड़ा: रे डाकु को बोलोकेना। एना जाँचगे दारोगा सायोबदो आपिआ सिपाइ कोलो: ते: हिजु: आकाना।)

ओडा: किसान : जोआर गोमके। दुबो:का। (पारकोम मुलि: उदुबाइताना। पारकोम आयार-तायोम हातु होड़ोको तिंगुआकाना।)

दारोगा : आछा, आछा। आमगे ओड़ा: किसान दो?

किसान : हे गोमके।

दारोगा : चिकान नुतुम?

किसान : नागो मुण्डा।

दारोगा : आपु नुतुम।

किसान : किसाड़ां मुण्डा

दारोगा : होला ओको सोमाएको हिजु:लेना?

किसान : ताला निदा जोका।

दारोगा : ओको सागाते को हिजु:लेना?

किसान : हेन सागाते। (हाटिआ मुलि: चुनडुलजादा।)

दारोगा : ओको मुलि तेको बोलोकेना?

किसान : (दुआर चुनडुल जादलो:) सोओजे ने: ने दुआर तेको हिजु: लेना।

दारोगा : चिलकातेको बोलोजाना?

किसान : मिसागेको फादाला: मादरेआ: सिलपिङ। बितार सागाते मिआद डानडा: होनते बारि तुरूबाकान ताइकेना। नि: नाबजाना।

दारोगा : बोलोजान चि?

किसान : सोओजे आञता: को दाउड़ि आउला:। आञ नांड़े: रेगेञ गिति:आकान ताइकेना।

12. गाँव में दरोगा साहब

(पिछली रात एक घर में डाकू घुस गए थे। उसी की जांच करने के लिए दरोगा साहब तीन सिपाहियों के साथ आए हुए हैं।)

घर-मालिक : जोहार साहब। बैठाजाए। (चारपाई की ओर इशारा करता है। चारपाई की चारों ओर गांव के लोग खड़े हैं।)

दरोगा : अच्छा, अच्छा। घर के मालिक आप ही हैं?

मालिक : हाँ हजूर।

दरोगा : नाम क्या है?

मालिक : नागो मुन्डा।

दरोगा : बाप का नाम?

मालिक : किसणा मुण्डा

दरोगा : कल लोग कब आए थे।

मालिक : करीब आधी रात को।

दरोगा : किधर से आए थे?

मालिक : उधर से। (गली की ओर इशारा करता है।)

दरोगा : किधर से आए थे!

मालिक : (दरवाजे की ओर इशारा करते हुए) सीधे इसी दरवाजे पर आए थे।

दरोगा : कैसे घुसे?

मालिक : उन्होने एक ही लात मारी। बांस की टटरी। अन्दर से सिर्फ एक छड़ी से अटकी हुई थी। तुरन्त खुल गई।

दरोगा : घुसने के बाद?

मालिक : वे सीधे मेरे यहां दौड़कर आए। मैं नजदीक ही सोया हुआ था।

''खबरदार! बोओः दोनदो केरेगे कापि उयुगोःआ।'' मेन जालोः हातेआर दोनदो केआते आञ जापाः रेको तिंगुनजाना।

दारोगा : हातेआर मेनेआः चिलकातेम टोओरकेदा?

किसान : मिसागे बोओञ दोनदो लाः। एनलोः गे नेरे डानडाः उयुजाना। (बोओः उदुबजालोः।) हुड़िङ लेका दो नाःओ मायोम मेनाःगेआ।

दारोगा : एन तायोमते?

किसान : एनातेदो ''सामाड़ोम ओकोरेआ, टाका ओकोरेआ।'' मेनेआः कोको कुलि जाःआ।

दारोगा : एन तायोमते?

किसान : हुड़िङ लेका टाका बानदि लातार रेञ रेबेदलाः। एना कोञ उदुबादकोआ। सामाड़ोम दो बिनगाते दोका ताइकेना। आञाः ओड़ाः होड़ो आर किमिनतानिआः होड़ोमो रे ताइकेनाः कोको रेः केद किना।

दारोगा : चिमिन लेका टाका ताइकेना?

किसान : मोंड़े साए।

दारोगा : सामाड़ोम दो?

किसान : चाँदी रेआःबाला को, मोंदरि को।

दारोगा : ओड़ोः चिकानाः कोको इदि केदा?

किसान : चिपा थाड़िको ताइकेनाः को। हुड़िङ लेका चाउलि ओड़ोः सिमको। डिंकि ओड़ाः रे टेनडेराकान साइकाल।

दारोगा : हातुहोड़ोको काको होपोरेनजाना?

किसान : काकालागे काञ दाड़िजाना। खबरदार मेनजालोः आर आञाः चेतान डानडाः उयुः जालोः सोबेन कोले लातालुतु गिड़िजाना। राचा साः रे मिसा बारसा गुलिओ को ठुललाः। इमिन रेओ आञ आर आञाः ओड़ाः होड़ो को धाकामुका जाः लिङ रे होनिञ कोड़ा हानसाः दुआरते

''खबरदार? सिर उठाओगे तो फरसा गिरेगा।'' कहते हुए वे हथियार उठाए हुए मेरे पास खड़े हो गए

दरोगा : हथियार है यह आपको कैसे पता चला।

मालिक : मैंने एक ही बार सिर उठाया था। उसी समय यहाँ लाठी गिरी। (सिर छुते हुए) थोड़ा सा खून तो अब भी हैं।

दरोगा : इसके बाद?

मालिक : इसके बाद तो ''सोना कहाँ है, रूपया कहाँ है'' यही पूछने लगे।

दरोगा : इसके बाद?

मालिक : कुछ रूपए मैंने मोरी के नीचे दबाकर रखे थे। वह सब बता दिया। सोना-गहना अलग से नहीं थी मेरी घरवाली और पतोहू के शरीर के सारे गहने लूट लिए।

दरोगा : करीब कितने रूपए थे?

मालिक : पाँच सौ।

दरोगा : सोना-गहना।

मालिक : चाँदी के कंगन और कर्णफूल।

दरोगा : और क्या क्या ले गए?

मालिक : जितने बर्तन थे। कुछ चावल और मुर्गे-मुर्गी। ढेंकीवाले घर में रखी साइकिल।

दरोगा : घर में रूपया है इसका पता उन्हें कैसे लगा?

मालिक : पिछले बाजार में हमने एक बैल बेचा था। शायद बेचते समय देखा था।

दरोगा : गांव के लोग पास नहीं आए?

मालिक : मैं हल्ला नहीं कर सका। ''खबरदार'' कहते ही और मेरे सिरपर लाठी गिरते ही हम सबके होश गुम हो गए। आँगन की ओर एक दो बार उन्होंने गोली भी दागी थी। तब भी मुझे और मेरी पत्नी को धक्का-मुक्का देते समय मेरा लड़का उधर के दरवाजे से

निरजाना आर हातु होड़ोकोए: रा: बिरिद केदकोआ। हातु होड़ोकोओ गुलि साड़ितेको बोरोकेदा आर डाकुको सेनो:जना तायोमते एनाङ को होपोरकेना।

दारोगा : ओकोसा: तेको सेनो:जाना?

किसान : हिजु: लेनमुलितेगे।

दारोगा : हेन मुलितेगे मेनेआ: चिलकातेम टोओरकेदा?

किसान : होरा-होरा आताको, चाउलिको नुर इदिआकान ताइकेना। सिमो एन होरा गेको तुद इदिकि:आ।

दारोगा : चिमिन होड़ोलेका को ताइकेना?

किसान : लेलदो काञ लेललेदकोआ। कोबोगाकादेञ ताइकेना। इमिन रेओ गेल होड़ोआतेदो कोम काको ताइकेना।

दारोगा : लेललेकोरेम चिना कोआ?

किसान : लेलगे काञ लेलटो: लेदकोआ। चिलकातेञ चिनाकोआ?

दारोगा : किचिरिकोते दो?

किसान : एनाकोओ बेएसे लेकादो काञ लेलला:।

दारोगा : आमा: ओड़ा: होड़ो आर किमिनमे जा:?

किसान : आकोदो मेदरे दांगा-दांगातानको बाति केदकोआ।

दारोगा : आको रा:कोम।

(नागोआ: ओड़ा: होड़ो उलिडी आर किमिनते लोआहातु किन होपोरेनताना।)

आतेगा सामाड़ोम कोको ओचो: जादाबेनरे बेन लेल टो: लेद कोआ चि?

उलिडी : का कालिङ लेलटो: लेदकोआ। मेदरेगेको पेंगेदताद लिङा। एन मुलि आरिद कालिङ आरिद दाड़िजाना।

दारोगा : (लोआहातु मुलि) आबेन दोगा?

लोआहातु : आलिडने कालिं दाड़िआदकोआ।

दारोगा : नेकारे चिलकाते कुमबुड़ोको साबो:आ।

किसान : सोंजोकोजा: साइकल नाम रूआड़ाजान रे।

भाग निकला और उसने गाँव के लोगों को जगाया। गाँव वाले भी गोली की आवाज सुनकर डर गए और डाकुओं के चले जाने के बाद ही वे पास आए।

दरोगा : वे किधर चले गए।

मालिक : जिधर से आए थे।

दरोगा : उधर ही गए इसका पता आपको कैसे चला!

मालिक : सारे रास्ते में मूड़ी, चावल इत्यादि गिरा हुआ था। मुर्गे के पंख भी उसी रास्ते उखाड़ते चले गए।

दरोगा : करीब कितने लोग थे?

मालिक : मैंने देखा तो नहीं था। मैं सिर झूकाए हुए था। तब भी दस से कम तो नहीं थे।

दरोगा : देखने पर पहचान पाएगा?

मालिक : मैंने देखा ही नहीं था। कैसे पहचानूँगा?

दरोगा : कपड़ों से?

मालिक : वह भी मैंने ठीक से नहीं देखा था।

दरोगा : शायद आपकी घरवाली और पतोहू पहचान जाए?

मालिक : उनकी आँखों को तो बत्ती से चौंधिया दिया।

दरोगा : उन्हें बुलाइए।

(नगो की पत्नी उलिडी और पतोहू लोअहतु पास आती हैं।)

क्या आपने उनको सोना-गहना छीनते समय देखा था?

उलिडी : नहीं, मैं नहीं देख पाई। मेरी आँखों को चौंधिया दिया था।

दरोगा : (लोअहतु की ओर) और आपने?

लोआहतु : मैं भी नहीं देख पाई?

दरोगा : इस तरह से चोर कैसे पकड़े जाएंगे?

मालिक : संयोग से अगर साइकिल मिल जाए तो।

दारोगा : एना सिदालेकागे नाम रूआड़ाको: रेचि? पाट-पुरजा को काको बादालाएआ?

किसान : हे जा सोंजोको?

दारोगा : साइकल नम्बर मेना:, रासीद मेना:?

किसान : हे जा: आलोञ दांड़ांलेआ। (दांड़ां आउजादाए:।) ने:गोमके।

दारोगा : नेआ कागज आले इदीआ। दोला ना: दो ओड़ा: मिसाबु लेललेआ। कोते-कोतेको बोलोकेना मेनेआ: को। (ओड़ा: भीतार को लेल बाड़ाकेद चिको उड्डुङ रूआड़ाताना।)

ना: दो नेरेआ कामि होबाजाना। आपेआ: साना-पाना कोले ओतोङ नामकेरेदोले रा: कुलपेआ। नेरेन मुण्डा दो ओकोए? (हातु मुण्डा होपोरेनताना।)

मिआद होड़ो : नि: दो नेरे गे: तिंगुआकाना।

दारोगा : (मुण्डा मुलि) हातुरे जेतान पाहरा बानो:?

मुण्डा : ने सोमाए दो गोमके कामि कोरे ले पासेआकाना। डिलाओ नो: आकाना।

दारोगा : कामि चिमताङ बानो:। हातु दांगाड़ा को हातु लेल लागातिङा। गोटा थाना रे गेलेआ सिपाइ को आर पंवाइटि मिआद चाउकीदार। सोबेन ता: दो अले काले तेबा: दाड़िआ। हातु होड़ोको कापे जारूडुन रेदो हातु ओकोए होरोआपेआ? डानडा:-सोटा इनुतानलो: चा सुसुन-दुराङ तानलो: हुड़िङ खोन जानाओ एओनाकानगे ताइन लागातिङा। नेआकामि रे आम जरूडुन लागातिङा। आम हातु रेना गोमके तान में।

मुण्डा : चिकाएआञ गोमके। ने सोमाए दांगाड़ा खालि तास आर जुआ को इनुङताना। आर कि को धानदा ताना। कोता: रेआ: डानडा-सोटा।

दारोगा : तास जुआ? ओकोएताको इनुङताना? इनकुआ: नुतुम ओलकेआते ओमाञ मे। इनकुगे सिदा कुलि होबाओआ। तास जुआ, इलि-आर्कि नेआको हातुते

दरोगा : वह पहले की ही तरह मिले तब न? इसके पार्ट-पुर्जे नहीं बदलेंगे?

मालिक : हाँ अगर संयोग से!

दरोगा : साइकिल का नम्बर है? रसीद है?

मालिक : शायद हाँ, ठहरिए मैं खोज लाता हूँ। (खोजकर लाता है।) यह है हजूर।

दरोगा : यह कागज हम ले जाएंगे।..... चलिए, अब एक बार घर देख लेते हैं। लोग कहाँ-कहाँ घुसे थे इत्यादि देख लेते हैं : (घर के अन्दर इधर-उधर देखने के बात फिर निकलते हैं।) अब यहाँ का काम हो गया। आप लोगों के सामानों का पता लगने पर हम आपको बुलाएगे, इस गांव का मुखिया कौन है?
(गांव का मुखिया पास आता है।)

एक आदमी : ये तो यही खड़े हैं।

दरोगा : (मुखिया की ओर) क्या गाँव में कोई पहरा नहीं है?

मुखिया : हजूर, इस समय तो हम काम में फंसे हैं। थोड़ा सा ढीला पड़ गया है।

दरोगा : काम कब नहीं है? गाँव के छोकड़ों को गांव का पहरा करना चाहिए। सारे थाने में दस सिपाही और पंचायत में एक चौकीदार। हम सब जगह नहीं पहुँच सकते। आप गांव वाले जबतक इसकी चिंता नहीं करेंगे आपके गाँव की रक्षा कौन करेगा? लाठी-कुश्ती सीखते हुए या नृत्य-गीत सीखते हुए कुछ देरतक रोज जगे रहना चाहिए। इस काम में आपको लगना चाहिए। आप गांव के मालिक हैं।

मुखिया : मैं क्या करूँ हजूर? छोकड़े इस समय तास और जुआ खेलते हैं। शराब पीते हैं। कहाँ की लाठी-कुश्ती?

दरोगा : तास-जुआ? कौन खेलते हैं? उनका नाम लिखकर मुझे दीजिए। उन्हें ही पहले पूछना होगा। तास-जुआ शराब खोरी, यह सब

कुमबुडु को बोलो होराको। नेआको होका लागातिङा।.....

मुण्डा : (होड़ोको मुलि) चिआपे आयुमजादा। तिसिंआते ओकोए ने तास इनुङतान चा आरकि नू तानेञ लेलपेआ, नुतुमेञ ओल कुलेआ।

दारोगा : आछा, आले सेनजादा। जोआर (सेनो: तानको)

हातु होड़ोको : जोआर।

गाँव में चोरों-बदमाशों के धुसने के रास्ते हैं। यह सब बंद करना होगा।

मुखिया : (लोगों की ओर) क्यों जी, सुनते हो? आज से जिसे भी तास खेलते हुए या दारू पीते देखूँगा, उसका नाम लिखकर भेजूँगा।

दरोगा : अच्छा हम चलते हैं। जोहार। (चलते हैं।)

ग्रामीण : जोहार।

13. हातुरे बी.डी.ओ. सायोब

(सोमाए उयुदा:। बी.डी.ओ. सायोब गाड़िआते हाड़ागुनतान लो: गे मुखियाए: सेन तेबा: जा:इआ।)

बी.डी.ओ. : जोआर मुखिया जी, बुगिगेचि?

मुखिया : हे गोमके जां लेका सेसेनताना।

बी.डी.ओ. : जाँ लेका? चिलकाते?

मुखिया : हेने: इस्कुल ओड़ा: जोरोताना।

बी.डी.ओ. : चाना: मेनते?

मुखिया : सोमाए रे टाका का नामजाना: ते। ओड़ा: दो जाँ लेकाले दाब केदा। डाड़ि दो का टेकाओ: गेआ।

बी.डी.ओ. : नेआ दो का ठीकिजाना।

मुखिया : आले गेले चिकाएआ? ओड़ा: रे टाका मेना: रे चा...?

बी.डी.ओ. : आछा, डाड़ि जापा: जापा: ते आड़ितोप। दा: आलोका बोलो। हिजु: सिरमा बु लेलेआ।

मुखिया : हिजु: सिरमा? नेआ रेआ: टाका दो ओकोए पेरेगेआ?

बी.डी.ओ. : एनाको आलोम उड्डुगा। सोबेन बाइओ:आ।..... अछा, बानदा रे दो दा: ठीकि गेआ दाङ?

मुखिया : ने दिन दो ठीकि गेआ। पेरे: गिड़िआकाना। चोकेकोओ खूब को सांगिआकाना।

बी.डी.ओ. : दा: पाटाओ रेआ कामि रे हिजु: ताना दाङ?

मुखिया : ने दिन ओकोए दा: पाटाओएआ गोमके? जेटे सिंगि दा: ताइन रेचा जाना: कोरे ओले रोआएआ आर ले पाटाओएआ?

13. गाँव में बी.डी.ओ. साहब

(प्रथम वर्षा का समय। बी.डी.ओ. साहब गाड़ी से उतरते ही मुखिया जी उनके पास आते हैं।)

बी.डी.ओ. : जोहार मुखिया जी, अच्छे तो हैं?

मुखिया : हाँ साहब, किसी तरह चल रहा है।

बी.डी.ओ. : किसी तरह? क्यों?

मुखिया : वह देखिए, स्कूल घर चू रहा है। कूंआ भी धस रहा है।

बी.डी.ओ. : क्यों?

मुखिया : समय पर रूपया नहीं मिलने के कारण। घर तो हमने किसी तरह बना दिया। कूँआ तो नहीं टिकेगा।

बी.डी.ओ. : यह तो ठीक नहीं हुआ।

मुखिया : हम ही क्या करेंगे। घर में रूपए हों तब न....?

बी.डी.ओ. : अच्छा, कूएं की चारों ओर आड़ लगा दीजिए। पानी न घुसने पाए। आगामी वर्ष देखेंगे।

मुखिया : आगामी वर्ष? इसके रूपए कौन भरेगा?

बी.डी.ओ. : उसकी चिन्ता आप न कीजिए। सब ठीक हो जाएगा। ..... अच्छा, तालाब में पानी ठीक ही है न?

मुखिया : आज कल तो ठीक ही है। बिल्कुल भरा हुआ है। मेंढक भी खूब हैं।

बी.डी.ओ. : पानी पटाने के काम में आता है न?

मुखिया : आज कल कौन पटाता है, हजूर? गर्मियों में पानी रहे तब न हम कोई चीज रोपते और पटाते?

बी.डी.ओ. : जेटे सिंगि दो तोबे एनरे दा: का ताइनताना?

मुखिया : का चा! बानदा आड़ि दो पिड़िसा: तानरे दानाडेन कामिरे बारि हिजु:ताना।

बी.डी.ओ. : आछा एटागा: रे कारे एना कामि रेओदो हिजु: ताना।

मुखिया : ने सोमाए लाइ: पेरेगो होरा दाङ ले नामताना गोमके। पिड़िसा: इमताङ दानाडेनतेआ: को दो तायोमते रेओ....।

बी.डी.ओ. : इमिन रेओ बाबा को दो ठीकि गे लेलो:ताना।

मुखिया : नेआकोदो गोमके गुरि:सारा ओमाकान बाबा को। चालानी सारा ओमाकाना: को दो हेने: एना को।

बी.डी.ओ. : एनाको चिलकाते पेनडे-पेनडे गे लेलो:ताना?

मुखिया : सारा ठीकि लेका चिलका ओमलागातिङा मेनेआ काले बुजाओ बाइजाना जा:। माओ एना सारा ले ओमला:। ने कालोम दो ओते सी चाटा: तान रे दिरि लेका केटे: ताइकेना।

बी.डी.ओ. : आपेआ नायाल का गाओताना रेदो ट्राक्टरते सी पे।

मुखिया : कोता: रेआ: ट्राक्टर गोमके?

बी.डी.ओ. : बोलोक ते मिआद हिजुगाकाना। ने सोमाए दो राजा कोआए: कामिताना। आकोआ: होबाजाना लो:गे आपेता: ले कुलेआ।

मुखिया : सिदा दो होनाङ आलेता: दाङ हिजु: लागातिङा?

बी.डी.ओ. : इनि: माराङ होड़ो एना मेनते इनिआ: कामि सिदा होबा लागातिङा।

मुखिया : मेनदो नेआ दो.....।

बी.डी.ओ. : एना को सोबेन ठीकिओ: आ।

मुखिया : चिलकाते ठीकिओगा? नेआ कोरेआ: हिसाब-किताब आञा: बोओ: रेगे उयुगो:ताना।

बी.डी.ओ. : गापा इंजीनियारेञ कुलिआ। टुनडु नापि मेनते।

बी.डी.ओ. : तो गर्मियों में पानी नहीं रहता?

मुखिया : बिल्कुल नहीं। बांध की मेड़ सिर्फ पाखाना फिरते समय आड़ के काम में आती हैं।

बी.डी.ओ. : अच्छा, दूसरे काम में नहीं तो कम से कम उस काम तो आता है।

मुखिया : हमें तो इस समय पेट भरने का उपाय चाहिए, पाखाने के समय आड़ का उपाय पीछे भी किया जा सकता है।

बी.डी.ओ. : फिर भी धान तो ठीक ही लग रहा है।

मुखिया : यह तो गोबर की खाद वाला धान है। चालानी खाद वाला धान तो वह है।

बी.डी.ओ. : वह सब क्यों पीला-पीला दिखाई दे रहा है?

मुखिया : शायद हम यह नहीं समझ पाए कि खाद ठीक से कैसे देनी चाहिए। पिछले साल भी हमने वही खाद दिया था। इस वर्ष पहली बार हल चलाते समय जमीन पत्थर की तरह कड़ी थी।

बी.डी.ओ. : यदि इसमें आपका हल नहीं चलता है तो ट्रेक्टर से जोत लिए।

मुखिया : कहां का ट्रेक्टर, हजूर?

बी.डी.ओ. : एक (ट्रेक्टर) ब्लाक में आया हुआ है। अभी तो वह राज परिवार का काम कर रहा है। उनका काम होने के बाद हम उसे आपके पास भेजेंगे।

मुखिया : पहले तो हमारे पास न आना चाहिए!

बी.डी.ओ. : वे बड़े आदमी हैं इस लिए उनका काम पहले होना चाहिए।

मुखिया : लेकिन यह सब.....?

बी.डी.ओ. : यह सब ठीक हो जाएगा।

मुखिया : कैसे ठीक होगा? इसका हिसाब-किताब मेरे ही सिर पर गिर रहा है!

बी.डी.ओ. : मैं कल इंजीनियर साहब को भेजूँगा। अंतिम माप के लिए।

हुड़िङ लेका ओम नोगाइपे, सोबेने: बाईआ।

मुखिया : कागजरे सुमुङ बाइलेरे चि कामि चालाओगा?

बी.डी.ओ. : ने सोमाए कागज रेआ: कामि गे सिदाबु रिका लेआ।
मारेञ सेनजादा तोबे हेइ।
जोहार। (गाड़ी चालाओ एटेगो:ताना।)

कुछ दे दीजिए। सब ठीक कर देंगे।

मुखिया : सिर्फ कागज में बनाने से बनेगा क्या?

बी.डी.ओ. : इस समय हम कागज वाला काम ही पहले कर लेते हैं।.....
अच्छा तो मैं चल रहा हूँ। जोहार।

(गाड़ी चलना शुरू करती है।)

14. हातुरे कामिसनार सायोब

(हातु सिमान तेबा: जानचि कामिसनार सायोब गाड़ीआते: हाड़ागुनताना। चालाओनि: बारि आए: लो: मेना:इआ। गाड़ी तिंगुजान लो: गे हातु रेन होनको एन मुलि को दाउड़ि आगुजादा।)

कामिसनार : (मिआद होन मुलि) आते बाबु बिंजिराए मांड़ाकिआ ओड़ा: ओकोआ?

होन : (चुनडुलाइ तान लो:) हेने एना।

कामिसनार : एन सालांगिनो: गे लेलो: ताना?

होन : का गोमके, एनादो सुकु साउआ: ओड़ा:। एनाते नेसा: रेआ: दाङ।

कामिसनार : आछा मार। (एन मुलि: सेनो: ताना। होरा लोसोद गेआ एनलो: दो बिंजिराए मांड़ाकिओ मोटोर आयुम केदचि ओड़ागाते: उडुङ लेना। आए: मुलिगे: हिजु: ताना।

बिंजिराए : जोआर गोमके। बुगिगे चि।

कामिसनार : हे बुगिगे। आपे दो।

बिंजिराए : आलेदोम लेल जाद गेआ। ने: नेका होरा को लोसोद गेआ।

कामिसनार : हे ने दिन दो ड़ो:गामा दिन। लोसोद को दो ताइन गेआ।

बिंजिराए : चिलका-चिलकाते तोबे एसेकार गेबेन तेबा: तादा। जेतान काजिओ काबेन कुल सिदा केदा? माराङ गिउ: रेले टोगो:ताना।

कामिसनार : जेतान गिउ रेआ: काजि बानो: आञ लेल कुमबुडु नो: लेका गेञ हिजुगाकाना।

14. गाँव में कमिश्नर साहब

(गाँव की सीमा पहुँचने पर कमिश्नर साहब गाड़ी से उतरते हैं। उनके साथ सिर्फ चालक हैं। गाड़ी खड़ी होते ही गाँव के बच्चे उधर दौड़कर आते हैं।)

कमिश्नर : (एक बच्चे की ओर) बच्चे बिंजिराय मानकी का घर कौन सा है?

बच्चा : (इशारा करते हुए) वह वहां।

कमिश्नर : वह जो जरा ऊँचा दिखाई देता है?

बच्चा : नहीं हजूर, वह तो सुखू साहू का घर है। उससे इधर का।

कमिश्नर : अच्छा ठीक है। (उधर ही जाते हैं। रास्ता कीचड़ से भरा है। तबतक बिंजिराय मानकी भी मोटर की आवाज सुनकर घर से निकले। उधर ही आ रहे हैं।)

बिंजिराय : जोहार साहब! अच्छे तो हैं?

कमिश्नर : हाँ ठीक हैं। और आपलोग?

बिंजिराय : हम तो आप देख ही रहे हैं। हमारे रास्ते इस तरह कीचड़ से भरे हैं।

कमिश्नर : हाँ, आजकल तो पानी बरसने का समय है। कीचड़ तो रहेगा ही।

बिंजिराय : कैसे-कैसे अकेले आना हुआ? कोई बात भी आपने पहले नहीं भिजवाई। हम बड़ी शर्मनाक स्थिति में पड़ रहे हैं।

कमिश्नर : शर्म की कोई बात नहीं है। मैं यों ही छिपकर देखने के लिए ही आया हुआ हूँ।

बिंजिराए : दोलाङ तोबे एन पांचाइटि ओड़ा: सा: तेगे। एनसा: रेगे मिआद बारिआ होड़ोको नामो:आ।

कामिसनार : हे मार दो। आञ दो नेका कामिको लेलबाड़ालेका गेञ हिजुगाकाना। आर एन बानाते आपेलो: लेपेलो गे ड़ो:। आयार तायोम सिपाइ को आर एटा: होड़ोकोरेआ: ते जापागारो का इतूआ: तेगेञ हिजु: हापेआकाना।

बिंजिराए : कामिकोदो बेन लेल जाद गेआ। दा: तायोम नो: ते: गामाकेदा: ते गोड़ाचि आड़ि मेने लेकाले बाइजाना।

कामिसनार : आपे नेसा: सोनोङ दो होबाजाना चि आउरि!

बिंजिराए : होबाओ: ताना। होड़ोको बोतोङो ताना।

कामिसनार : चाना: मेनते?

बिंजिराए : खुटकाटि सेनो: ताना मेनते कोता:कोता: बिरजापा: ओतेको बिहार सरकार को ओलजादा।

कामिसनार : सिदारेआ: कागज को का लेलकेआते चिलकाते आओंगे बिहार सरकार को ओलेआ।

बिंजिराए : कोता: रेआ: कागज। आलेआ: होड़ो को कागज पातार जोगाओ काको इतुआना। निंदिर दो चानि: दोको जोमकेदा। तारामारा कोता: मेना: बाड़ा:। मेनदो इनकु पाड़ाओ काको इतुआना।

कामिसनार : नाकाल दो उड़ुङ दाड़िओआ दाङ। राँची सेनो: जान रेगे होबाजाना।

बिंजिराए : सोङ एटे: जानाते कागाज दांड़ां रे कोतागाते बाइओ:आ। राँची रे कामिओ सेकेड़ा दो का बाइताबो:आ।

कामिसनार : मोद बार आटाउरि दो सोमाए आसिलेरे नामो: लागातिङा।

बिंजिराए : कागज मेना: तेओ ओकोए-ओकोए दोको होसोड़ो जादलेआ। टाका पोटोए: मेनते मोटाइते बिहार सरकार को ओलजादा। बाइरूआड़ा ताम मेन जालो: हुड़िङ लेका टाका ओमनोगा कोरे एनाङ को बाइ रुआड़ाजादा।

कामिसनार : आमिन कापे रिपोट जा:इआ?

बिंजिराय : तो चलें पंचायत घर की ओर। उधर ही एक दो लोग मिलेंगे।

कमिश्नर : अच्छा, चलिए। मैं तो यों ही काम-काज देखने आया हुआ हूँ। और उसके बहाने आप लोगों से मिलने भी। आगे पीछे सिपहियों और दूसरे लोगों के कारण बात भी ठीक से नहीं हो पाती इसी लिए मैं चुपचाप चला आया हुआ हूँ।

बिंजिराय : काम तो आप देख ही रहे हैं। पानी जरा पीछे पड़ने के कारण ''टाड़जोतें या खेत'' की स्थिति हो गई है।

कमिश्नर : इधर आपकी और सर्वेक्षण हुआ या नहीं?

बिंजिराय : हो रहा है। लोग भयभीत हैं।

कमिश्नर : क्यों?

बिंजिराय : यह सोचकर कि खुटकट्टी चली जा रही है। कहीं-कहीं (सरकार के लोग) जंगल के किनारे की जमीन बिहार सरकार के नाम से लिख रहे हैं।

कमिश्नर : पहले के कागजों को बिना देखे यों ही कैसे बिहार सरकार लिखेंगे?

बिंजिराय : कहाँ का कागज? हमारे लोग कागज-पत्र रखना नहीं जानते। दीमक इत्यादि चर गए। कुछ के पास हैं लेकिन वे पढ़ना नहीं जानते।

कमिश्नर : नकल तो निकाली ही जा सकती है। राँची जाने से ही काम बनेगा।

बिंजिराय : नाप शुरू होने के बाद खोजने पर कहां से काम बनेगा? राँची के काम भी जल्दी होता नहीं।

कमिश्नर : एक दो हफ्ते का समय माँगने पर तो मिलना चाहिए।

बिंजिराय : कागज रहने पर भी हम में से कुछ को लोग ठग रहे हैं। रूपए नोचने के लिए जबरदस्ती बिहार सरकार लिख रहे हैं ''फिर से बना दीजिए'' कहते हुए कुछ रूपए दे देने पर ही बनाते हैं।

कमिश्नर : अमीन की शिकायत नहीं करते?

बिंजिराए : चेतान रेनकोओ एनकागे गोमके। सोबेन कोको मिदाकाना।

कामिसनार : आमिन कोरे नेता: कोरेन को चिमिन लेका मेना: कोआ।

बिंजिराए : जेताएओ बाङकोआ।

कामिसनार : आच्छाञ लेलआ नेआको।

(एनजालो: दो पांचाइटि ओड़ा: तेबा: जाना। सिदातेगे तारा लेका होड़ोको एनरे मेना: कोआ)।

कामिसनार : जोआर हागाको।

होड़ोको : (तिंगुन ताना को) जोआर गोमके।

बिंजिराए : दुबपे ताबु (दुब ताना को) हागाको, निकिन दो छोटानागपुर रेन कामिसनार किङ हिजुगाकाना। (कामिसनार मुलि) आचाकागेकिङ हिजुगाकान लेकाते जेतान माइन–जाइनो काबु दाड़िताना। बाड़ा गिउ: रेबु टोगो:ताना।

कामिसनार : एनाकोते आलोपे हुड़िङ जीओ:आ। आञ दो हातुदिसुम लेल लेकागेञ उड़ुङाकाना। आर एना बानाते आपेलो: मिआद बारिआ जागारो। मिआद जागार दो नेआगे चि होलाघ होलागे आबुआ होड़ोको बुगिनो: नांगेन कामिबादाला गोहोम नामो: रेआ: काजि एटेगाकाना। एना प्रोग्रामाते सांगि कामि जोगाओ:आ। ओतेहासा रेआ: कामि नांगेन हाजिरी पारतेद आपि किलो गोहोम आर मिदटाका नामोआ।

मिआद होड़ो : तोबे दो आले लेका इपाए: रे दुबाकान को कामिले नामेआ का?

कामिसनार : हे, आर एना होराते सांगिरेआ: मिआद बारिआ कामिओ बाइओ:आ। चिलकाचि होरा को, बांदा को, डाड़ि को।

एटा: होड़ो : ने जारगि रे चि गोमके होरा को, बांदा को, डाड़िको उरोगा।

कामिसनार : कामि दो जारगि चाबा केदलो:गे एटेगो:आ।

एटा: होड़ो : ने जारगि रेओ: होनाङ आसुलेन तेआ: जाना: सेंड़ा नामो: रे।

बिंजिराए : सरकार गे सोबेन सोमाए आसुलिञ का मेन लेरेदो बाइओ:गा

बिंजिराय : हजूर ऊपर के लोग भी वैसे ही हैं। सारे लोग मिले हुए हैं।

कमिश्नर : अमीनों में इस आस पास के कितने हैं?

बिंजिराय : कोई नहीं है।

कमिश्नर : अच्छा, मैं यह सब देखूँगा।

(तब तक पंचायत घर आता है कुछ लोग पहले से ही हैं।)

कमिश्नर : जोहार भाइयो।

लोग : (खड़े होते हैं।) जोहार हजूर।

बिंजिराय : बैठिए। (लोग बैठते हैं।) भाइयों ये तो हमारे छोटानागपुर के कमिश्नर साहब हैं। कहें कि ये हमारे राजा ही हैं। दुख-सुख देखने ही आए हुए हैं। (कमिश्नर की ओर) अचानक ही आए हुए हैं इसलिए हम उनका स्वागत सत्कार भी नहीं कर पा रहे हैं। बड़ी लज्जानक स्थिति में पड़ रहे हैं।

कमिश्नर : उससे आप मन छोटा न करें। मैं तो गाँव देखने के लिए ही निकला हूँ, और उसके बहाने आप लोगों से एक दो बात करने भी। एक बात तो यह है कि हाल ही में हमारे लोगों की भलाई के लिए ''काम के बदले अनाज'' की बात शुरू हुई है। इस कार्यक्रम में सबका काम बनेगा। मिट्टी के काम के लिए प्रति हाजिरी तीन किलो गेहूँ और एक रूपया मिलेगा।

एक आदमी : तो हमारे जैसे बेकार बैठे हुए लोगों को काम मिलेगा न?

कमिश्नर : हाँ, और उसके द्वारा एक दो सामूहिक काम भी बनेगा। जैसे, रास्ते, तालाब, कूआ इत्यादि।

दूसरा आदमी : हजूर क्या बरसात में रास्ता, तलाब, कुएँ खोदे जाएगे?

कमिश्नर : काम तो बरसात खत्म होने के बाद शुरू होगा।

दूसरा आदमी : इस बरसात में भी समय भरण-पोषण का कोई रास्ता निकलता।

बिंजिराय : ''सब समय सरकार ही मेरी देखभाल करें'' कहने से कैसे

चि?

कामिसनार : इमताङ हामि: जाँ लेकाते चालाओन पे। एनाते दो कामि सांगिओ:आ।

बिंजिराए : एन कामि कोरेआ: जिमादो होनाङ आलेगे ओमालेरे। चिमिन लेका बांदा दो आले बेगार काजि कुलितेगे उरजाना। जेताना: का साबुजु जाना। एनकोरे जारगि बारि चोके को ताइनतान। जेटे सिंगिओ दा: ताइन लेकान बांदा-डाड़ि को उरतारे चि जाना: कोरेओले रोआलेका: ?

कामिसनार : आछा निसुकान एनकागेबु रिकाएआ। (एनलो: गे मिआद होनान एंगाए: तेवा: जादा।)

होनान एंगा : गोमके आञा: किसान सरकारा: कामितान लो: गे बंगाइजान। इनिआ: खाजाना टाका का गे नामो:ताना।

सिंगराए : प्रोमिटेनट फण्ड रेआ:ए काजि ताना गोमके। आएआ: किसान बिर डिपार्टमेंट रे गाड़े: ताइकेना। मा: गोए: कि: आको।

कामिसनार : ओह। चिमिन दिन होबाजाना?

होनान एंगा : मोंड़े सिरमा।

कामिसनार : टाका ना: जाकेद का नामाकाना? चिलकाते का नामो: ताना।

होनान एंगा : कागज पटना रे टेकादाकाना को मेतालेआ।

कामिसनार : अच्छाञ लेलआ। चिकान नुतुम? (ओलजादाए:) ओड़ो: दो सोबेन ठीकिगेदङ? .....इस्कुल चिलका सेसेन ताना?

बिंजिराए : चालाओताना जाँ लेका?

कामिसनार : जाँ लेका? चिलका जाँ लेका?

बिंजिराए : होनको काको जामा बाइताना।

कामिसनार : आपेगे कापे कुलकोरे चिलकाते को जामाओआ? पाड़ाओरेआ: जो दो साटकेन उरि: गुपि लेका दो का लेल नामोगा। तांगि ले एनाङ। एन तायोमते एनाङ नेआरेआ: जो मुण्डिओ:आ। सोबेन गे सिउ: तेबु आसुलेन मेनलेरे काबु आसुलेना मेनलेरे काबु आसुलो:आ। एटा: कामि कोओ साब लागातिङा।

काम चलेगा?

कमिश्नर : तबतक किसी तरह काम चलाइए। इसके बाद तो काम बढ़ेगा।

बिंजिराय : उन कामों का भार हमें ही मिलता तो अच्छा होता। कितने तालाब कुएँ बिना हमें पूछे ही खोदे गए। उनसे कुछ भी काम नहीं बना। उसमें सिर्फ बरसात में मेंढक रहा करते हैं। गर्मियों में भी पानी रहने लायक कूएँ तालाब खोदे जाते तो हम कुछ रोपते-पैदा करते।

कमिश्नर : अच्छा हम इस बार वैसा ही करेंगे। (तभी बच्चा लिए एक औरत पहुँचती है।)

औरत : हजूर मेरा पति सरकार का काम करते समय मारा गया। उसका ''खजाने का पैसा'' नहीं मिल रहा है।

सिंगिराव : प्रोमिडेण्ट फण्ड की रकम की बात कर रही है। हजूर उसका पति वनविभाग में रक्षक था। लोगों ने उसकी हत्या कर दी।

कमिश्नर : ओह! कितने दिन हुए?

औरत : पाँच वर्ष।

कमिश्नर : रूपया अब तक नहीं मिल रहा है? कैसे नहीं मिल रहा है?

औरत : लोग कहते हैं कि कागज पटने में अटका हुआ है।

कमिश्नर : अच्छा मैं देखूँगा। क्या नाम है? (लिखते हैं।) और तो सब ठीक है न? .....विद्यालय कैसा चल रहा है?

बिंजिराय : चल रहा है, किसी तरह।

कमिश्नर : किसी तरह? क्यों किसी तरह?

बिंजिराय : बच्चे ठीक से जमा नहीं होते।

कमिश्नर : आप ही लोग नहीं भेजेंगे तो जमा कैसे होंगे? पढ़ने का फल बैल चराने की तरह तुरंत तो नहीं मिलेगा। प्रतीक्षा करना होगा। इसके बाद ही उसका फल मिलेगा। हम सभी सिर्फ हल चलाकर जीवन यापन कर सकें यह संभव नहीं है। हमें

कारखाना कोरे, किरिङ आकिरिङरे। एनाकोरेआः होरा दो पाड़ाओ गे। निमिनाङ दो होनाङ बुजाओः रे। ..... तिसिङ दो ताबु निमिनाङ गे। मार नाः दोञ सेनेआ।

बिंजिराए : गोमके दाः रेओ नू नोः लेम।

(दाः को ओमाइताना)

कामिसनार : हे मार दे। (नू जादाएः) मार जोआर। (सेनोः तानाएः)

होड़ोको : जोआर (गाड़ी हामिः को इदि तुकाइताना।)

दूसरे काम भी पकड़ने चाहिए। कारखानों में व्यापार में। उच सबका रास्ता तो पढ़ना ही है। कम से कम इतना तो आप समझते। .... तो, आज तो इतना ही। अब मैं चलूँगा।

बिंजिराय : हजूर कम से कम पानी पीकर जाइए।

(पानी देते हैं।)

कमिश्नर : अच्छा लाइए। (पीते हैं।) अच्छा जोहार। (चलते हैं।)

लोग : जोहार। (लोग उन्हें गाड़ी तक पहुँचा आते हैं।)

15. कुलाए कोआ: बालाए

''मिसा मिआद बिर रेन कुलाए को मिआद माराङ दुनुब को रा: केदा। दुनुब रा: रेआ: मातालाब चि चिलकाते आबु कुला कोआ: मोचाआतेबु बानचाओ दाड़िना। जानाओ कुलाको कुलाए को ताइन सा: बिरते को हिजु: इदि तानगेको ताइकेना आ'र माणि-माणिते कुलाए कोको जोम चाबाजादको ताइकेना। ने लेकाते सारेगाकान कुलाए कोआ: जीरे निमिनाङ हामि: बोरो बोलो जाना चि आको बानचाओन तेआ: होरा नानाम को ठानाओ केदा। तारा को मेन केदा चि आबु ने बिराआतेगे बु निर उतारा। मेनदो नेआओ को आटाकार केदा चि आको बिर रेआ: एन कोचा रे सोबेन सागाते कुला कोतेगे को कोटोङा कान ताइकेना। ने सेणाओ कामि काए: ओमेआ: ठोओर जाना। तारा खाँआट नो: को मेनकेदा- का, बोरो लेरे ओड़ो: कामि का चालाओ:आ। आबु इनकु सोओजे गेबु काजिआ कोआ चि आपे आले इसु पुरा: पे बालाए जाद लेआ। निमिन दिन जाकेद ले साआतिङ केद गेआ मेनदो ओड़ो: काले मानातिङा। आकोआ: कानाजि ताइकेना चि सांगि-पाति लेकोरे आबु मिआद-मिआद ते सोबेन कुलाको बु गोए: चाबाकोआ। आको इमिनाङ काजि जालो: गे मिआद हाड़ाम कुलाए: मेन केदा- ''ओकोरेपे आयुमा कादा चि सांगि-पाति तेरेओ कुलाए को कुला को गोए:आका:इआ चा बिराते को हार गिड़िआ का:इआ?'' माणि-माणिते एन खाआंटे कुलाए को गोसो चाबा गिड़िजाना आ'र को तिरुब गिड़ि केदा। टुण्डु रे मिआद सेणा नोगान कुलाए काजि केदा चि आबु तालारेन मोयोद पोकोतो नो: कुलाए कुला लेका गे बाइ लिआते आबु कुला कोता: भेद आउ लेकाबु कुलिआ। इनिआ: होरा तेगे पाता बु लागाओ लेआ चि चिलकाते आबुआ: कामि बाइउगा।

''नेआ काजि सोबेन हुड्डिङ माराङ कुलाए को पातिआ जाना। मेन्दो नेआ सावाल ताइकेना चि चिलकाते एन कुलाए कुला लेकाए: लेलोगा। नेआ रेआ:ओ सांगि पाति तेको उपाए केदा। मिआद माराङनो: कुलाए गोटा सिरमा खूब को खिआओ- पिआओ कि:आ। निमिनाङ जाकेद चि चारा एमान का नामो: तान रे आपान चारा बानचाओ केआते राटि इनि: को ओमा:इआ, एनका-एनकाते एन कुलाए एटा: कुलाए कोआते इसु पुरा:गे: माराङजाना। एन सिरमागे सोंजोको

15. खरगोशों का कष्ट

एक बार एक जंगल के खरगोशों ने एक बड़ी सभा बुलाई। सभा बुलाने का उद्देश्य था कि हम कैसे सिंहों के मुंह से बच सकेंगे। दिन-दिन उस जंगल के सिंह खरगोशों के रहने की ओर आ रहे थे और धीरे-धीरे खाकर खत्म करते जा रहे थे। इस तरह से बचे हुए खरगोशों के मन में इतना भय समा गया कि उन्होंने उनसे बचने का रास्ता निकालने का निश्चय किया। कुछ ने कहा कि हम इस जंगल से बिल्कुल भाग जाएं। किन्तु उन्होंने यह भी अनुभव किया कि उनके लिए भागकर छिप जाने के लिए कोई और अन्य जगह नहीं थी। वे जंगल के उस कोने में सब ओर सिंहों से ही घिरे हुए थे। कुछ जोशिले खरगोशों ने कहा— नहीं, अब डरने से काम नहीं चलेगा। हम सीधे जाकर उनसे कहें कि तुम हमें बड़ा कष्ट दे रहे हो। इतने दिनों तक हम सहते रहे लेकिन अब से हम मानने वाले नहीं हैं। उनका कहना था कि सब मिलकर हम एक-एक करके सब सिंहों को मारकर खत्म कर देंगे। उनके ऐसा कहते ही एक बूढ़े खरगोश ने कहा— तुमने कहा सुना है कि बहुत सारे खरगोशों ने मिलकर किसी बाघ को कभी मारा है, या जंगल से भगाया है? धीरे-धीरे वे जोशीले खरगोश मुरझा गए और उन्होंने अपना सिर झुका लिया। अन्त में एक किंचित बुद्धिमान खरगोश ने कहा कि हम अपने बीच से एक मजबूत खरगोश को सिंह के वेश में सिंहों के यहां उनका भेद लेने के लिए भेजें। उसी के द्वारा हम पता लगाएंगे कि कैसे हमारा काम बनेगा।

यह बात सभी खरगोशों ने मान ली। लेकिन सवाल था कि कैसे वह खरगोश एक सिंह की तरह दिखाई दे। इसके लिए भी उन्होंने सब ने मिलकर एक उपाय सोचा। एक कुछ बड़े खरगोश को उन्होंने साल भर तक खूब खिलाया-पिलाया। इतना तक कि चारा न मिलने के समय भी उन्होंने अपना खाना बचाकर उसे खाने के लिए दिया। इस तरह से वह खरगोश अन्य खरगोशों से बहुत बड़ा दिखाई देने लगा।

रेआ: काजि चि सेंदेरा तान रे होड़ोको मिआद कुला को तुञ टो: कि:आ मेनदो गोजो: सिदा रे आए: लाता ते: बोलो जाना आ'र एन लेकाते सेंदेरा तान होड़ोको एन कुला काको नाम कि:आ। इनकु सांगि पातिते इनि: को गो: आउ कि:आ। आ'र को पोटा: कि:आ। इनिआ: डाटा को आ'र सारसार को सोबेन को ओचो: कि:आ आ'र एना को सोबेन एन कुला कोता: कुली कुलाए को तुसिङ कि:आ। कुला कोआ: सामपोड़ो को तुसिङ केआद एन कुलाए नाणे: रेआ: डाड़ि दा: रे लेल केना आनादो सारतेगे कुला लेका गे: लेल जाना। हुड़िङ दिन नेआ साना पाना कोए: तुसिङ हेओआ केद चि इनि: कुला को ताइन तान बिरते: सेनो: जाना।

एटे: रे नावा कुला आकोआ: बिरे लेल कि:आते कुला कोआ: जी रे हुड़िङ लेका सनदेह होबा जाना मेनदो इनि: आएआ: हातु दिसुम को नेका जुगुतु, जुगुतुते: उदुब केदा चि इनिआ: काजिको पातिआ जाना। इनि: उदुबाद कोआ चि आले आपेजामा कुला कोगे मिआद चारा दाणातान दाणा तान आले एटा: बिर तेले सेन आदाकान ताइकेना। सेनदेरा कोआ: बोरोते आले आकोआ: पुरना बिरते काको हिजु: रुआड़ा दाड़ि जाना। ना: दो एनता: रेगेले डी डुंगुरि केदा। इनि मेताद कोआ चि आञ आपान पुरना हागा होनकोलो: लेपेल लेका नो: गे आपेता:तेञ हिजु:आ काना। कुलाएआ ने हेड़ेम जागार आयुम केआते कुला को सिदा हागा दुलाड़ा तेको लुम चाबा जाना। इनि: ओकोतेगे: सोनो: जाना, इसु सुगाड़ा ते: जोगाओ जाना।

कुलाए एन कुलाको ताला रे ताइन तान लो: आ'र होनोर बेड़ा तान लो: नेआए: मुंडिकेदा चि कुला कोआ: जी रे कुलाए को नागेन चिमिनाङ हिलाङ हेनदो पेरे:आ काना। इनि: नेआए: मुंडिकेदा चि इनकु कुलाए को चिलका पोसोड़ा तेको लेल जाद कोआ। एन कुला को लेकाते दो माणि-माणि ते सोबेन कुलाए को जोम चाबाओ:का।

कुलाए नेआ जागार को सोबेन जी रे: दो केदा आ'र मुसिङ हापे-हापेते एन कुला कोआ: बिराते: निर जाना आ'र आएआ: हागा होन कोता: ते: रुआड़ा जाना। आपान हागा इसु दिन तायोमते: रुआड़ाकाना मेनेआ: काजि आयुम केआते हुड़िङ माराङ सोबेन कुलाए को जामान जाना आ'र नावा जागार इतुन नागेन लुतुर को चुडुकुद केदा। कुला कोरे कुलाए-पोसोड़ा पेरे:आकाना, मेनेआ: आयुम केआते कुलाए को इसु पुरा: खाएराओ केद कोआ। ''ना: दो आबु नागेन मिआद एटा: बिर नामले एनाङबु टीकिओ:आ। ने कुला को तालारे ताइ ताइते आबु नांगेन जेतान

उसी वर्ष, संयोग की बात है कि शिकार करने के समय लोगों ने एक सिंह को तीर से लगाया किन्तु मरने के पहले ही वह अपने खोह में घुस गया और इस तरह शिकारी उसे नहीं पा सके। वह सिंह खोह में ही मर गया। कैसे-कैसे खरगोशों ने उस सिंह को पाया। सब मिलकर वे उसे ढोकर लाये और उन्होंने उनकी खाल उखाड़ी। उसके दांत और नाखून उखाड़े और उन्हें सिंहों के यहां भेजे जाने वाले खरगोश को पहना दिया। सिंहों का पहनावा पहनकर उस ने जब डाड़ी के पानी में देखा तो उसे लगा कि वह सचमुच ही एक सिंह की तरह दिखाई दे रहा था। कुछ दिनों के बाद जब उसे यह पहनावा पहनने की आदत हो गई तो वह सिंहों के जंगल में चला गया।

शुरु में एक नये सिंह को अपने जंगल में पाकर सिंहों को कुछ संदेह हुआ किन्तु उसने उन्हें अपना नाम गांव इस तरीके से बताया कि उन्होंने इसकी बात मान ली। उसने उन्हें बताया कि हम तुम्हारे ही दल के सिंह हैं। खाने की खोज में एक दूसरे जंगल में भटक गये थे। शिकारियों के डर से हम अपने पुराने जंगल में वापस नहीं आ सके। अब तो हमने वहीं अपना गांव-ग्राम बसा लिया है। उसने उन्हें बताया कि मैं अपने बिछुड़े भाइयों के साथ मिलने के तौर पर ही आप लोगों के पास आया हूँ। खरगोश की यह मीठी बात सुनकर सिंह भ्रातृ-प्रेम से द्रवित हो गए। वह जहां भी गया, बड़ा सम्मानित हुआ।

सिंहों के बीच रहते हुए और विचरते हुए खरगोश को मालूम हुआ कि सिंहों के मन में खरगोशों के प्रति कितनी घृणा भरी हुई है। उसे मालूम हुआ कि किस तरह सिंह खरगोशों को हीन दृष्टि से देखते हैं। उन सिंहों के अनुसार ती धीरे-धीरे सारे खरगोश खाकर खत्म किये जाएं।

खरगोश ने ये सारी बातें मन में रखीं और एक दिन चुपचाप सिंहों के जंगल से भाग गया और अपने भाई बन्धुओं के पास वापस आया। हमारा भाई बहुत दिनों के बाद वापस आया है ये सुनकर छोटे-बड़े सभी खरगोश जमा हुए और नई बात सुनने के लिए उन्होंने अपने कान खड़े किये। सिंहों के मन में खरगोशों को हीन दृष्टि से देखने की भावना भरी है ये सुनकर खरगोशों को बड़ा क्रोध आया। 'अब तो अपने लिए एक अलग जंगल प्राप्त करने पर ही हमारा कल्याण सम्भव है। इन सिंहों के

सुकु बानोः जाना।'' मेनेआःगे सोबेन को काजि केदा। नेआ को लेल केआते सालाआकान कुलाए मिआद माराङ दुनुबेः राः केदा आ'र एनरे इनिः आपान हागा को नांगेन मिआद बिर कुला कोआः राजआते बिनगाए रेआः काजिः काजि केदा। इनिः आकोएः उदुबाद कोआ चि आञ आबुआः जागार को इदि केआते कुला कोताःञ सेनोगा आ'र आकोआः राजाः सानामाङ रेञ दोएआ।

एन ताला रेगे कुला को मुंडिकेदा चि एन हालिरे आकोताः हिजुः लेन कुला ओड़ोः जेताए दो का एन कुलाए गेः ताइकेना। हिजुः तुपुरुब दाल रेन आगुआ एन कुलाए आकोआः सोबेन भेएदेः इतुआन लेकाते खींसिते कामि आउ काकोआः जाना चिआः चि आको बिर रेन एटाः जीव-जानतु कोताः बादनाआमोः रेआः बोरो ताइकेना, एना मेनते आको सेणा खारचा को मोने केदा। मुसिङ आको एन कुलाए को राः कुल किःआ। नेण्डाकान हुलाङ कुलाए आकोताः हिजुःलेन इमताङ कुला कोआः राजा आएः गे एन कुलाए दारोमेः उडुङ जाना। कुला कोआः सभा रे इनिः आपान जापाः रेगेः दुब किःआ। कुलाए कुला कोआः राजा लेकागे जोम नू आ'र सोबेनाःगेः नाम केदा। सिदा हिनिःजुः रे चिमिनाङ माइन जाइन होबा लेना एनाआते ओड़ोः पुराःगे निसुकान दोएः सालांगि जाना। एन कुलाए कुला कोआः राजा लोः ताइ ताइते आएः लेकागे सुकु रे ताइनेः हेओआ जाना। माणि-माणिते जी बितार रेः सानाङ जाना चि नेकागे होनाङ जाओगे सुकु रेञ ताइन रे। मिसा-मिसा इनिः उडुः रुआड़ाः चि चिलका आको दिसुम रे रेंगेः राबाडगेः ताइन ताना आ'र चिलका आएआः सोबेन हागा को बालाए ताना। मेनदो इनिः निमिनाङ सुकुआरि हेओआ जाना चि कुला कोआः राजा कोताः चानाः चिकाएः हिजुः लेना मेनेआः राटिःए रिड़िङ केदा। नेआको मुंडि केद चि कुला कोआः राजा इनिएः राःकुल किःआ। कुलाए होपोरेन जान चिः कुलि किःआ- ''मार तोबे चिलकाते नामिनाङ सांगिनतेम हिजुःआ काना?'' आड़ाः उडुः तान लोः कुलाए आएआः जागारेः जागार केदा। ''हे मिआद दो नेआगे चि आञ आमताङ आपे लेका बाइको:आते आपेआः भेएद आगुञ हिजुः लेना। नेआ मोद लेकाते दो का ठीकि कामिञ कामि केदा। आञ एना रेआः मापिञ आसि ताना। मोद लेकाते दो आञ ने कामि रे जेतान दोंओस का होबाःओ लागातिङा, चिआः चि आले कुलाए को सारतेगे आमाः राज रेले बालाए ताना। आले ताइन मुलि माणि-माणिते इसु किसिम रेन बिर जानवार को बोलो इदि ताना आ'र इनकु रे लाआः उतार दो आले जोम तेगेको नाम जाद लेआ। आले माणि-माणितेले आद चाबा उतार ताना आ'र जेएले सारेःआ काना इनकु निदा आ'र सिंगि बोरो रेगेले ताइन ताना।'' कुला कोआः राजा कुलाए नेआ कोगेः जागारेआ मेनेआः सिदा रेगेः ठोओरा कादेः ताइकेना। आएः नेआओएः उडुगा काद ताइकेना चि कुलाए चिलका जाबाब ओम लागातिङा- ''हे आपे आलेआः राज रे

बीच रहते-रहते हमारे लिए कोई सुख नहीं रह गया।' यही सब ने कहा। यह सब देखकर चुने हुए खरगोश ने एक बड़ी सभा बुलाई और उसमें उसने अपने भाईयों के लिए सिंहों के राज्य से एक अलग राज्य बनाने की बात कही। उसने उन्हें बताया कि मैं हमारी बातों को लेकर सिंहों के पास जाऊंगा और उनके राजा के सामने रखूंगा।

इसी बीच सिंहों को पता चला कि हाल ही में उनके पास जो सिहं आया था वह और कोई नहीं वही खरगोश था भावी विरोधी दल का नेता। खरगोश चूंकि उनका सारा भेद जानता था इसलिए उन्होंने क्रोध से काम नहीं लिया। क्योंकि उन्हें जंगल के दूसरे जानवरों के बीच बदनाम होने का भय था। इसलिए उन्होंने बुद्धि से काम लेने का निश्चय किया। एक दिन उन्होंने उस खरगोश को आमन्त्रित किया। नियत समय पर जब खरगोश उनके पास आया तो सिंहों के राजा स्वयं उसका स्वागत करने को बाहर आया। सिंहों की सभा में उसने उसे अपने ही पास में बैठाया। खरगोश को सिंहों के राजा की ही तरह खान-पान की सारी चीजें मिली। इस बार उसे पहले से भी अधिक मान-सम्मान मिला। खरगोश को सिंहों के राजा के साथ रहते-रहते उसी की तरह सुख में रहने की आदत पड़ गई। धीरे-धीरे वह मन में चाहने लगा कि काश! मैं हमेशा ऐसा ही सुख में रहता। कभी-कभी वह सोचता कि कैसे वह अपने देश में गरीबी में ही रहता है और कैसे उसके सारे भाई-बन्धु विपत्ति में हैं। लेकिन उसे सुख और आराम में रहने की ऐसी आदत हो गई कि वह यह भूल गया कि वह किस लिए सिंहों के राजा के यहां आया था। जब सिंहों के राजा को इन बातों का भान हो गाय तो उसने खरगोश से पूछा— ''कहिए कैसे इतनी दूर से आना हुआ?'' संकोच के साथ खरगोश ने अपनी बात कही– ''हां, ...एक तो यह कि मैं पिछली बार आप ही की तरह बनकर आपका भेद लेने के लिए आया था। एक प्रकार से तो मैंने यह ठीक नहीं किया। मैं उसके लिए क्षमा प्रार्थी हूँ। एक प्रकार से तो मुझे इसमें कुछ भी दोष नहीं लगना चाहिए क्योंकि हम खरगोश सचमुच ही आपके राज्य में बड़ी विपत्ति में हैं। हम जिधर रहते हैं उधर धीरे-धीरे अनेक प्रकार के जंगली जानवर घुसते जा रहे हैं और उनमें से अधिकांस तो हमें खा ही जाना चाहते हैं। हम धीरे-धीरे बिल्कुल ही समाप्त होते जा रहे हैं और जो भी बचे हैं वे दिन-रात भय में ही रहते हैं।'' सिंहों का राजा पहले ही से जानता था कि खरगोश यही सब बातें करेगा। उसने यह भी सोच रखा था कि उसे किस तरह का जवाब देना चाहिए— ''हां, आप लोग हमारे राज्य में कुछ कठिनाई

हुड़िङ लेका दोपे बालाए तान गेआ, मेनदो नेआओ मेना: चि आपे राज चालाओ कामि रे जेता इमताङ कापे टोगाकान लेकाते बिनगाते बिर ओमापेरेओ राज दो कापे चालाओ दाड़ि लेकाञ आटाकारेआ। एना मेन्ते बिनगाए सिदा आपे दिसुम चिलका चालाओ लागातिङा मेनेआ: इतुन रेआ: दारकार मेना:। ना: दो, आम काजि केद लेकाते, आपे तालाआते इसु पुरा: कुलाए को राज-पाट चालाओ कामि रेबु आचु कोआ, कुला कोआ, राजा ओड़ो:गे होनाङे: जागार इदि गेआ मेनदो एन ताला रेगे कुलाए काजि कोटोङ केदा– ''हों, मोद टुङेञ जागार लेआ.....। मापाराङ दिसुम चालाओ रेआ: कामि दो जेता इमताङ काले कामिआ कादा, मेनदो ओड़ा: दुआर आ'र हातु-टोला चिलकाते बुगिनो:आ मेनेआ: दोले इतुआनगेआ। दिसुम जिमा जान रेदो एनाओ गे एन लेका नो: गेले चालाओएआ। एना मेनते दिसुम काले चालाओ दाड़िआ: मेनेआ: जागार तेदो काम ठीकि जाद लेआ।'' कुला कोआ: राजा कुलाए आओंते काए: मुलिओ:आ मेनेआ:ए मुंडि केदा। इनि: मोदचोकोए: धामकाओ जाइ: लेकाए: मेताइ ताना— ''आञ दो आपे लेकान को चिलकातेपे राबालो:आ मेनेआ: गेञ उडु:ताना। आपान हागा जाति को चिलकाते सुकु तेको ताइनो:आ मेनेआ: उडु: दो इसु बुगिना, मेनदो आम एसेकारगे चिमिनाङेम दाउड़ि बाड़ाएआ। सोमाएओ ताम सेनो: ताना आ'र होन गाणा कोओको सांगि गेआ। इनकुआ: आयार तेआ: जिनगानिओ आम उडु: लागातिङा। आम आञा: काजि लेकाम सेसेन रेदो आपे बिनगाते राज आउ रेआ: दारकारो का होबाओ:आ आ'र आमो सुकुतेम ताइना। आञ तिसिङ गे आलेआ: होड़ोकोञ हुकुमाकोआ चि आमा: होन-गाड़ांको जूगु-जूगु नांगेन जेता किसिम रेआ: दुकु आलो काको नामे आ'र जिनिद बाआरि आञ लेकागे सुकु आ'र माइन लो:ते ताइन में।''

कुलाए कोआ: नेता सिदा रेगे कुला कोलेका ताइने: हेओआ चोटे:आ कान ताइकेना। जिनगानि बा'रि बेगार कामि ते राजा को लेका सुकु नामो: रेआ: होरा लेल केआते आएआ: हागा को सोबेने: रिड़िङ केद कोआ आ'र कुलाए: हेआ:इआ। हुड़िङ लेका दो बोरो तेओ:ए हे केदा चिआ: चि कुला लो: जागार तान इमताङ तायोम सा:ए हेता ला:, आना दो दुआर ता:रे बारिआ बोरोआन गे लेलो: कुला किन दुआर किन कोटोङाकादा।

कुला कोआ: राजा लो: जापागार होबा जान तायोम ते कुलाए राजा सागाते ओमाकान इसु पुरा: भेंएटे को कुटुङा कालो: आकोआ: बिर ते: रुआड़ा लेना। ''आबुआ: गोमके हिजु: रुआड़ा काना'' मेनते आएआ: हागा को इसु पुरा: को रासिका जाना आ'र को जुरु बिउर ताआब कि:आ। आबु नांगेन नावा दिसुमे: नाम आउ तादा मेनते सोबेन को रासिका ताना। आएआ: सोबेन

में तो हैं, किन्तु यह भी है कि आप लोग राज्य चलाने के काम में कभी पड़े नहीं हैं इसलिए आपको अलग से जंगल देने पर भी मुझे लगता है कि आप राज्य नहीं चला सकेंगे। इसलिए अलग जंगल पाने के पहले, आपको राज्य कैसे चलाना चाहिए, इन सब बातों को सीखने की जरूरत है। अब से जैसा कि आपने कहा, हम आपके बीच से बहुत से खरगोशों से राज चलाने के काम में लागाएंगे।'' सिंहों का राजा आगे और भी कहता जाता लेकिन खरगोश ने बीच में ही बात काटी— ''जरा रुकिए, एक बात....यह ठीक है कि हमने कोई बड़ा राज चलाने का काम नहीं किया है लेकिन इतना तो हम जानते ही हैं कि कैसे हमारे घर-द्वार और गांव-ग्राम का कल्याण होगा। राज्य मिलने पर तो उसे भी हम उसी तरह चलाएंगे। इसलिए 'तुम राज्य नहीं चला सकोगे?' यह कहकर आप ठीक नहीं कर रहे हैं।'' सिंह के राजा को यह मालूम हुआ कि खरगोश यों सीधे रास्ते पर नहीं आएगा। उसने उसे कुछ धमकी देने की तरह कहा— ''मैं तो यही सोच रहा हूँ कि आप जैसों का काम कैसे आसान हो। आपका ये सोचना ठीक ही है कि आपके जात-भाई कैसे सुखी हों। लेकिन आप अकेले कब तक दौड़ते फिरिएगा? आपकी उम्र भी बीत चली और आपके बाल-बच्चे भी बहुत हैं। उनकी भावी जीवन के बारे में भी आपको सोचना चाहिये। अगर आप मेरे कथनानुसार चलें तो आपको अलग से राज्य लेने की भी आवश्यकता नहीं होगी और आप स्वयं भी सुख से रहेंगे। मैं आज ही अपने लोगों को हुक्म दूंगा कि आपकी संतान को युगों तक किसी प्रकार की तकलीफ न हो। आप भी जब तक जीवित हैं मेरी ही तरह सुख और सम्मान से रहें।''

खरगोशों के नेता को पहले ही सिहों की तरह रहने की आदत कुछ-कुछ लग चुकी थी। जिन्दगी भर बिना काम किये राजाओं की तरह सुख पाने का रास्ता देखकर वह अपने भाई बन्धुओं को भूल गया और उसने सिंह को अपनी सहमति दे दी। कुछ तो उसने डर के मारे भी 'हां' कहा क्योंकि सिंहों के राजा के साथ बात करते हुए उसने एक बार पीछे देखा था तो पाया कि गेट पर दो डरावने सिंह दरवाजा रोके हुए हैं।

सिंहों के राजा के साथ बात खत्म होने के बाद खरगोश राजा की ओर से दिये गये बहुत सारी भेंट की वस्तुएं लिए हुए अपने जंगल में वापस आया। 'हमारे नेताजी वापस आये हैं।' यह सोचकर उसके भाई बन्धु बहुत प्रसन्न हुए। तुरन्त

हागा होनको हजिु: चाबा जानचि कुलाए कोआ: गोमके मिआद टुकु रे: तिंगुन जाना आ'र सोबेन को जोआर केकोआते: मेन केदा— ''हागा को तिसिङ आञ आपेआ: सानामाङ रे मिआद नावा काजिञ काजि जादा। जागार दो नेआगे चि नाआ: जाकेद आबु कुला कोआते बिनगा रे ताइको:आतेगे आबु नांगेन राजबु नाम केना। ने लेकातेदो आबु आको लो: लाड़ाई तान लेकाबु बाइआ काना। आको इसु पुरा: पेड़े:आकान लेकाते ने लेका तेदो आबु आपान राज काबु नाम दाड़िआ:। एना मेनते आञा: बिचार मेना: चि ना: दो आको लो: ताइको:आतेगे आपान नांगेन राज नानाम रेआ:बु कोसिस को:आ। नेआको बिचार केआते गे आञ कुला कोआ: राजा निसुकानिञ काजिआ का:इआ चि आले आपे लो:गे मेना: लेआ।'' कुलाए को आएआ: इसु पुरा: जागार को काको बुजाओ दाड़ि जाना चिअ:चि कुला कोलो: ताइ ताइते आएआ: जागार बादाला गिड़िआकान ताइकेना। आएआ: मोचाआते कुलाए जागार राटि एटा:गे: आयुमो: तान ताइकेना। कुलाए को नेआ लेल केआतेको दानदा गिड़ि-जाना चि आकोलो: जी कुड़ाम तोल गिड़िआ कानि: चिलकाते आमिनाङे: बादालाकाना। इनि: मेन जाद ताइकेना चि कुलाए को लेका ताइन बागे केआते कुला को लेका ताइनबु हेओआना।

आपाना: गोमकेआ: ने जागार को आयुम केआते सोबेन कुलाए को माएणा-मुयुणु तान आपान-आपान ओड़ा: तेको रुआड़ा लेना।

उसे घेर लिया। सभी खुश हैं कि वे हमारे लिये एक नया देश खोज लाये हैं'। जब उसके सारे भाई बन्धु आ गये तो खरगोशों का नेता एक टीले पर खड़ा हो गया और सबको जोहार करके कहने लगा— ''भाइयों, आज मैं आप लोगों के सामने एक नई बात कहने जा रहा हूँ। बात तो यही है कि आज तक हम सिंहों से अलग रहकर ही अपने लिए एक राज्य की मांग करते रहे हैं। इससे लगता है कि हम उनके विरूद्ध लड़ाई लड़ रहे हैं। चूंकि वे हमसे बहुत अधिक शक्तिशाली हैं इसलिए इस रास्ते को अपना कर हम अपना राज्य नहीं पा सकेंगे। इसलिए मेरा विचार है कि अब हमें उनसे मिलकर ही अलग राज्य लेने की कोशिश करनी चाहिए। यही सब विचार करके मैंने इस बार सिंहों के राजा को कह दिया है कि हम आप ही के साथ हैं।'' खरगोशों का नेता ऐसा ही कहता गया। खरगोश जनता उनकी अधिकांश बाते समझ नहीं पाई क्योंकि सिंहों के साथ रहते-रहते उसकी भाषा बिल्कुल बदल गई थी। उसके मुंह में खरगोशों की भाषा भी कुछ अजीब सी लगती थी। खरगोश जनता यह देखकर बड़े आश्चर्य में पड़ी कि उनके साथ मन-प्राण से बंधा हुआ उनका अपना आदमी कैसे इतना बदल गया। वह कह रहा था कि हम खरगोशों की तरह रहना छोड़कर सिहों की तरह रहने की आदत डालें।

अपने नेता की ये बातें सुनकर सारे खरगोश अपने अपने घरों को निराश वापस चले गए।

16. रूनुआड़ा

(लेनेल निआद)

(सिंगि हासुररेआ: सोमाए। मांगु आर बाड़ेडी तार्किआ: जुरूजुपु ओड़ा: रेआ: मिआद खुंदुड़ि। दुआरता:रे दा: चाटु। मिआद कुणु रे तुकु आर जोनो: सिदुबाकाना। बारिआ आड़ाकाटा किन रे बायार तोलकेआते मिआद केचा: केचा: पाटि हाकाकाना। तारासा: रे सेएल आर एन जापा: रेगे बारिआलेका हेड़ेको। नुबा: नो: सा:रे माण्डि चाटुको। एन जापा रेगे जूला। ओड़ा: रे बाड़ेडी बारि: लेलो: ताना। मांगु रेगे जुला। ओड़ा: रे बाड़ेडी बारि: लेलो: ताना। मांगु दो कुपुलकोता:ते चारा को नामे: सेनाकाना। बाड़ेडी जूला ता: रे: दुबाकाना। कोयों रे मिआद होन। गिउ: सुमुङ बाँचाओ: लेकान मिआद केचा: केचा: किचिरि ते: किचिरिआकाना। हुडिं खोन रे रेंगे: तेताङ ते लागा चाबाकान मांगु ओड़ाए: तेबा: जादा। दुआर ता: रे: कु: नो: जादा।)

बाड़ेडी : (दुआर मुलि उड्डुङओ: तानलो:) चिम तेबा: ला:? (मांगु आएआ: डांडा: चातोम आर मिआद केचा: केचा: किचिरि ते तोलाकान पोटोम तारासा: कुणु रे: दो जादा। एनलो: बाड़ेडी निआद लोटाते दा:ए आउजादा।)ने.... आयुब गिड़िन जानाम? सेकेड़ा काचिम उड्डुङ लेना?

मांगु : (काटा आबुङेनतानलो:) उड्डुङ दो होनाङ सेकेड़ागेञ उड्डुङ लेना। ताला होरा रे जेटे नाम कि:ञा। मिआद होरा जापा: दारू सुबा रे सिंगि गांडे नो: को:का मेनतेञ जापिद नो: ला: आनादोञ दुड्डुम उतारजाना।।

बाड़ेडी : कुमाते ताकोको बेएसे गेआ दाङ?

मांगु : हे को बेएसे गेआ। माराङ तेजाञ कोड़ा खादान कामि: उड्डुङाकाना।

16. वापसी

(दृश्य एक)

(सूरज डूबने का समय। मंगु और बड़ेडी की टूटी-फूटी झोपड़ी का एक कमरा। दरवाजे के पास पानी का घड़ा। एक कोने पर मूसल और झाड़ू रखा हुआ है। दो बल्लियों में रस्सी बाँधकर एक बांस के एक फटी चटाई टंगी है। एक ओर ओखल और उसी के पास कुछ भूसी। कुछ अन्धकार की ओर भातपकाने की हांड़ियाँ। उसी के पास चूल्हा। कमरे में सिर्फ बड़ेडी ही दिखाई देती है। मंगु खर्चे-बर्चे की तलाश में मेहमानों के घर गया हुआ है। बड़ेडी चूल्हे के पास बैठी है। गोद में एक बच्चा। सिर्फ लाज बचाने लायक एक फटा चिथड़ा पहनी हुई है। थोड़ी देर बाद भूख प्यास से थका मंगु घर पहुँचता है। दरवाजे के पास गला साफ करता है।)

बाड़ेडी : ओ तुम आ गए? (मंगु अपनी लाठी छाता और फटे कपड़े में बंधी पोटली एक कोने में रखता है। तब तक बड़ेडी एक लोटे में पानी लाती है।) लो..... तुमने रात कर दी। क्या जल्दी नहीं निकले थे?

मंगु : (पैर धोते हुए) निकला तो जल्दी ही था। बीच रास्ते में धूप मिली। रास्ते में एक पेड़ के नीचे 'सूरज जरा नीचे आले' यह सोचकर मैंने जरा झपकी ली तो नींद ही आ गई।

बाड़ेडी : (बच्चे के) मामा वगैरह ठीक हैं न?

मंगु : हां ठीक ही हैं। मेरा बड़ा साला खान में काम करने के लिए नकला है।

बाड़ेडी : खादान कामि? कोसा:ते?

मांगु : हान किरिबुरू सा:ते।

बाड़ेडी : बेएसे जानाए:। दुब-दुबते चिलकाको आसुलोआ? ओड़ा: रे कामि ना उदाम। रूतुगे: ओरोङा। जेताना: रेआ: मुण्डि बानो:।

मांगु : कोता: मुण्डि बानो:। एन रूतु तेगे हेसा:पिड़ि पाणाकोआ: होनकुड़ि: होसोड़ो उड़ुङ किआ: दो का?

बाड़ेडी : ने कोड़ाओ, कुला जोमि, डुबाओकेद बुआए:। इनि: लो: गे चिकिन उड़ुङजाना तोबे!

मांगु : हे। खुंटि हाकान बुरूआते। एनते-एनते गेकिन सेनो: उतार जाना को मेनजादा। बुरू रे मोद रेगे को लेललेद किना।

बाड़ेडी : नाइ नांगेन जी रेगे कोनेआकोञ दाणाबाड़ाताना। आपान तेगे: दाणानामाना। उदुबरेओए: उदुबाद बु रे होनाङ।

मांगु : उदुबाद मेरे बोलेम चिका लेका होनाङ, राबाल तेगेको हे ताबे लेकाम टोओरजादा। जानाओ नाम-उदाम लेआते एनाङ बोसातान ओड़ा: रे ओकोए होनकुड़ि ओमिआ? एंगाम-आपुम ताको लेकागे सोबेन को डोंडोम हिसाबताद कोआ! (लानदा तानाए:।)

बाड़ेडी : एंगाञ-आपुञ ताको रा:तेम कुड़ि बोसा-कानचि आकामे उकुताताना। बुगि आको मेना: कोआ: कारे दो ओड़ोगे चिमिनाङेम तुंगुर-मुंगुरो: तेआ: होनाङ।

मांगु : एना दो हे दो हेगे। आम कारेदो होनाङ ने ओड़ा: दो ताइनते लेकाओ का लेलो: तेआ:। हागाको चाना:ञ बोरसाकोआ। आको आकोआ: बालाए रेगेको ठीकिआकाना।

बाड़ेडी : एनाको होकाताम। चाना: को मेतादमेआ मेनेआ: को उदुबाञ मे।

मांगु : चाना: को मेताञा? लेलजाद गेआम। .....दे हेन पोटोम। ने: जोजो आड़ा: को पोटोम कुलतादा।

बाड़ेडी : आलाङा जागार दो?

मांगु : एना दो का बाइजाना। हिता बारि को सारेगाकादा। आको नाम उदाम

बाड़ेडी : खान का काम? किधर?

मांगु : किरिबुरू की ओर।

बाड़ेडी : ठीक ही किया। बैठकर गुजारा कैसे चलेगा? घर में काम न उद्यम। सिर्फ बंसुरी बजाता है। कुछ भी करने का ढंग नहीं है।

मांगु : ढंग कैसे नहीं है? इसी बंसुरी से उसने हेस: पिड़ि के पाहन की लड़की को ठगकर निकाल लिया, पता है?

बाड़ेडी : बाघ खाए इस लौड़े को, इसने हमें डूबा दिया। क्या उसी लड़की के साथ वह भाग गया?

मांगु : हां। खूंटी के मेले से। कहते हैं उधर से ही चले गए। मेले में लोगों ने दोनों को साथ देखा था।

बाड़ेडी : इधर मैं इसके लिए मन ही मन लड़कियां ढूँढ रही थी। खुद ही खोज लिया। कम से कम बता भी तो देता!

मांगु : तुम्हें बता भी देता तो तुम क्या करती? सोचती हो लोग उसके लिए आसानी से ही हां कहेंगे। रोज मजदूरी कर खाने वाले घर में कौन अपनी लड़की देगा? तुमने अपने माँ-बाप की ही तरह सबको बेवकूफ समझ रखा है। (हंसता है।)

बाड़ेडी : मेरे माँ-बाप के चलते तुम्हें औरत मिली और तुम उनकी शिकायत करते हो। भले वे हैं, नहीं तो तुम्हारी हालत और भी कितनी खराब होती।

मांगु : सो तो है ही। तुम्हारे बिना तो यह घर रहने लायक भी नहीं रहता। हम भाइयों का क्या भरोसा करते। वे अपने ही कष्ट से परेशान हैं?

बाड़ेडी : यह सब छोड़ो। उन्होंने तुम्हें क्या कहा यह बताओ।

मांगु : क्या बताते तुम देख ही रही हो।..... लाओ वह पोटली।..... उन्होंने यह 'खट्टा साग' बाँधकर भेज दिया है।

बाड़ेडी : और हमारी बात?

मांगु : वह तो बनी नहीं। सिर्फ बिहीन के लिए बचाया है। वे खोज-कमा

तेको चालाओनताना।

बाड़ेडी : तोबेदो चाना: लाङ सेणालेका:। आञ दो मुण्डिओ काञ नामजादा।

मांगु : आम दो चाना:? बाणिआ दो आञ दाङे: नामिञा। एन हुलाङ पीटि रे पारका तेञ सेनो: होपेतान रेओए: रा: कि:ञा आद चिमताङेम ओमेआ मेनेआ गे: काजिआञा।

बाड़ेडी : जेताना: मेना: रेचा बानदार रेओ लाङ बानदारेआ बानदार चेतान बानदार दो जेताए काको आउआ।

मांगु : हे। हाड़ाम होड़ोकोआ: गारा आलाङा: रे उयुगाकाना। जान इलि आरकि तान रेचा मार एना कोते किन डुबाओजाना को मेतालाङा। एना कोदो मातेद जेताओ: का। बुगि दो ने होड़ोमो बेएसेआ कारे दो चिका तेलाङ चिकाना होनाङ।

बाड़ेडी : इमिन रेओ जाओगे काजि काते मेनलेरे दो! मिसा-मिसा दासि-कामिणि कामि तेगे जी तालाङ सेनोगा मेने लेकाञ आटाकारेआ।

मांगु : हे, एनाङ एनाको गे होरा-होराञ उडु आगुताना। आसे-आसे ते दो चिमिनाङ गेलाङ आसुलो:आ? नेरे कोरे जान कामिनालाओ का नामो:ताना। जिदाए लेकाम टोओरे रेदो आलाङो हुड़िङ दिन नांगेन कामिनाला तेलाङ उडुङ गिड़िकोआ।

बाड़ेडी : आँओ गेदोड़ो कोता: तेलाङ उडुङ गिड़िना?

मांगु : आमताङ माणाकि कोआ: काचाइरि लाड़ाई रे गोआ लेका राँची तेञ सेन केनरे डिपु ओड़ा:ञ लेलला:। रोमन हाता रे, एन मुनसीआ: ओड़ा: जापा: रेगे मेना:।

बाड़ेडी : आसाम दिसुम मेन लेरे दो चिलकागे आटाकारो:आ।

मांगु : जेता इमताङ का सेनाकान रेदोड़ो: एनकागे आटाकारो:आ।

बाड़ेडी : हे, एनसागाते हिजु: रूआड़ाकानको लेल लेकोरेदो सेनो: दो कागे मोनीङा।

मांगु : चाना: को का सुकुजादमेआ?

कर काम चलाने हैं।

बाड़ेडी : तब हम क्या उपाय करके देखें? मुझे तो कुछ भी नहीं सूझ रहा है।

मांगु : तुम्हें क्या है। बनिया तो मुझे खोजेगा। उस दिन बाजार में दूर से ही चुपचाप निकल रहा था तब भी उसने मुझे बुलाया और ''कब दोगो?'' यही कहता है।

बाड़ेडी : कुछ रहता तो बन्धक भी रखते। बन्धक पर बन्धक तो कोई नहीं लेता।

मांगु : हाँ पूर्वजों का पाप हम पर गिरा है। अगर शराब पीते होते तो लोग कहते कि हम उस कारण से डूब गए। वह सब तो हम करते ही नहीं। संयोग है कि हमारा शरीर ठीक है नहीं तो हम कैसे क्या करते?

बाड़ेडी : फिर भी रोज-रोज का कहना सहा नहीं जाता। कभी-कभी मुझे लगता है कि दूसरों का काम करते ही हमारी जान जाएगी।

मांगु : हाँ, तभी मैं रास्ते में यही सब सोचते हुए आ रहा था। माँग-जांच कर हम कब तक गुजारा चलाएंगे? इस आस-पास कोई काम भी तो नहीं मिलता। यदि तुम सोचती हो कि सह सकोगी तो हम भी कुछ दिनों के लिए मजदूरी करने के लिए निकल जाएं।

बाड़ेडी : यों ही हम कहां निकलेंगे?

मांगु : उस बार मानकी परिवार के कचहरी वाले मामले में जब मैं राँची गया था तो मैंने डिपा आफिस भी देखा था। ऐमन हाते में, उस मुन्शी के घर के पास ही है।

बाड़ेडी : ''आसाम देश'' कहने पर मन में कैसा तो लगता है।

मांगु : कभी नहीं गए रहने पर तो वैसा ही लगेगा।

बाड़ेडी : हाँ, उधर से वापस आए हुए लोगों को देखकर तो मुझे वहाँ जाने का मन नहीं करता।

मांगु : तुम्हें कौन-सी चीज पसन्द नहीं है?

तेको चालाओनताना।

बाड़ेडी : तोबेदो चाना: लाङ सेणालेका:। आञ दो मुण्डिओ काञ नामजादा।

मांगु : आम दो चाना:? बाणिआ दो आञ दाङे: नामिञा। एन हुलाङ पीटि रे पारका तेञ सेनो: होपेतान रेओए: रा: कि:ञा आद चिमताङेम ओमेआ मेनेआ गे: काजिआञा।

बाड़ेडी : जेताना: मेना: रेचा बानदार रेओ लाङ बानदारेआ बानदार चेतान बानदार दो जेताए काको आउआ।

मांगु : हे। हाड़ाम होड़ोकोआ: गारा आलाङा: रे उयुगाकाना। जान इलि आरकि तान रेचा मार एना कोते किन डुबाओजाना को मेतालाङा। एना कोदो मातेद जेताओ: का। बुगि दो ने होड़ोमो बेएसेआ कारे दो चिका तेलाङ चिकाना होनाङ।

बाड़ेडी : इमिन रेओ जाओगे काजि काते मेनलेरे दो! मिसा-मिसा दासि-कामिणि कामि तेगे जी तालाङ सेनोगा मेने लेकाञ आटाकारेआ।

मांगु : हे, एनाङ एनाको गे होरा-होराञ उडु आगुताना। आसे-आसे ते दो चिमिनाङ गेलाङ आसुलो:आ? नेरे कोरे जान कामिनालाओ का नामो:ताना। जिदाए लेकाम टोओरे रेदो आलाङो हुड़िङ दिन नांगेन कामिनाला तेलाङ उडुङ गिड़िकोआ।

बाड़ेडी : आँओ गेदोड़ो कोता: तेलाङ उडुङ गिड़िना?

मांगु : आमताङ माणाकि कोआ: काचाइरि लाड़ाई रे गोआ लेका राँची तेञ सेन केनरे डिपु ओड़ा:ञ लेलला:। रोमन हाता रे, एन मुनसीआ: ओड़ा: जापा: रेगे मेना:।

बाड़ेडी : आसाम दिसुम मेन लेरे दो चिलकागे आटाकारो:आ।

मांगु : जेता इमताङ का सेनाकान रेदोड़ो: एनकागे आटाकारो:आ।

बाड़ेडी : हे, एनसागाते हिजु: रूआड़ाकानको लेल लेकोरेदो सेनो: दो कागे मोनीङा।

मांगु : चाना: को का सुकुजादमेआ?

कर काम चलाने हैं।

बाड़ेडी : तब हम क्या उपाय करके देखें? मुझे तो कुछ भी नहीं सूझ रहा है।

मांगु : तुम्हें क्या है। बनिया तो मुझे खोजेगा। उस दिन बाजार में दूर से ही चुपचाप निकल रहा था तब भी उसने मुझे बुलाया और ''कब दोगो?'' यही कहता है।

बाड़ेडी : कुछ रहता तो बन्धक भी रखते। बन्धक पर बन्धक तो कोई नहीं लेता।

मांगु : हाँ पूर्वजों का पाप हम पर गिरा है। अगर शराब पीते होते तो लोग कहते कि हम उस कारण से डूब गए। वह सब तो हम करते ही नहीं। संयोग है कि हमारा शरीर ठीक है नहीं तो हम कैसे क्या करते?

बाड़ेडी : फिर भी रोज-रोज का कहना सहा नहीं जाता। कभी-कभी मुझे लगता है कि दूसरों का काम करते ही हमारी जान जाएगी।

मांगु : हाँ, तभी मैं रास्ते में यही सब सोचते हुए आ रहा था। माँग-जांच कर हम कब तक गुजारा चलाएंगे? इस आस-पास कोई काम भी तो नहीं मिलता। यदि तुम सोचती हो कि सह सकोगी तो हम भी कुछ दिनों के लिए मजदूरी करने के लिए निकल जाएं।

बाड़ेडी : यों ही हम कहां निकलेंगे?

मांगु : उस बार मानकी परिवार के कचहरी वाले मामले में जब मैं राँची गया था तो मैंने डिपा आफिस भी देखा था। ऐमन हाते में, उस मुन्शी के घर के पास ही है।

बाड़ेडी : ''आसाम देश'' कहने पर मन में कैसा तो लगता है।

मांगु : कभी नहीं गए रहने पर तो वैसा ही लगेगा।

बाड़ेडी : हाँ, उधर से वापस आए हुए लोगों को देखकर तो मुझे वहाँ जाने का मन नहीं करता।

मांगु : तुम्हें कौन-सी चीज पसन्द नहीं है?

बाड़ेडी : कामलेलकोआ! हेनदे गोंओडो गेको हिजु: रूआड़ा। कुड़ितान कोड़ातान एदका तामाकु जोम को इतु आउइआ।

मांगु : नेता: रेओ मार तामाकु दोको जोम ताना गेआ।

बाड़ेडी : हेनसागाते हिजु: कोआतेदो ओड़ोगे: जा: पुरा: मेने लेकाञ आटाकारेआ। .....ओड़ो: एन दिसुम एदका को हापादाकाना को मेनेआ।

मांगु : नेरे बेगार हापादतेगे मायोम आंजेदताना: दो का!

बाड़ेडी : ओको जा: बु आदजान रेदो?

मांगु : एसेकार दो'ड़ो काबु दाङ सेनो:आ आबु लेकान को ओड़ो: चिमिनाङ मेना: कोआ। एनकान को जामाके कोआते रेलगाड़ी पेरेगोगेको लादि कुलकोआ। सातेते मिआद में एट ओड़ो:ए ताइना।

बाड़ेडी : इमताङ दो आमिनाङ का बोरोओ:आ।

मांगु : तोबे दो हिजु पीटि हुलाङ दो एनते गेबु सेनो: हापेआ।

बाड़ेडी : हे मार।

(दानाङ)

(लेनेल बारिआ)

(सेता: सोमाए। राँची शहर। मिआद कुटुरि रे पाटि रे उपुन होड़ोको दुबाकाना। बार होड़ो दो मांगु आर बाड़ेडी ताकिङगे। बाड़ेडीआ: कोयोङ रे होन मेनाइ:। ओड़ो: बार होड़ो किञो कुलगिआ नो: लेकागे— दोपोआकानाकिङ। एटा:-एटा: जातिरेनकिन। हातु होड़ोकोआ: बोरोतेकिङ निरताना। नुतुम दो घासिआ आर फूलो। सोबेन को उयुआकाना। हुड़िङ खोन दो को हापे गिड़िआकाना।)

मांगु : (कु: नो: जादलो) आबेन दो चिमताङ बेन तेबागाकादा?

घासिआ : होला निदा। आयुब गाड़ी ते।

मांगु : हातु दो?

बाड़ेडी : देखते नहीं? काले-गन्दे ही वापस आते हैं। औरत-मर्द बेहिसाब तम्बाकू खाना सीख कर आते हैं।

मांगु : वे यहाँ भी तो तम्बाकू खाते हैं।

बाड़ेडी : मुझे लगता है कि उधर से आकर और ही अधिक। और कहते हैं उस देश में जोंक बहुत होते हैं।

मांगु : यहाँ बिना किसी जोंक के ही खून सूख रहा है, उसका तुम्हें पता नहीं है!

बाड़ेडी : कहीं हम खो गए तो?

मांगु : हम अकेले तो नहीं न जाएंगे। हमारी तरह और कितने लोग हैं। वैसे लोगों को इकट्ठा करके रेलगाड़ी में भर कर भेजेंगे। साथ में एक मेठ भी होगा।

बाड़ेडी : तब तो उतना डर नहीं लगेगा।

मांगु : तो आगामी बाजार के दिन हम चुपचाप वहीं चल देंगे।

बाड़ेडी : अच्छा ठीक है।

(पर्दा)

(दृश्य दो)

(सुबह का समय। राँची शहर। एक कोठरी में चटाई पर चार व्यक्ति बैठे हुए हैं। दो तो मंगु और बड़ेडी ही। बड़ेडी की गोद में बच्चा है। दूसरे दो व्यक्ति भी पति-पत्नी की ही तरह है-प्रेमी हैं। भिन्न जाति के। गाँव के लोगों के डर से भाग रहे हैं। नाम है घसिअ और फूलो। सभी लोग कपड़ा ओढ़े हुए हैं। कुछ क्षण वे बिल्कुल चुप हैं।)

मांगु : (गला साफ करते हुए।) आप दोनों कब पहुँचे हैं?

घासिआ : कल रात को। शाम की गाड़ी से।

मांगु : गाँव?

घासिया : जान्ताए। आपे दो?

मांगु : लानदुब। .....कामिलेका चि कुपुलो: लेका?

घासिया : कुपुलो: लेका। आञा दाइताको इसुदिनाते एन रेगेको डी डुंगुरिउताराकादा। .....आपे दो?

मांगु : आले दो कामि लेका गे। हातुसा: कोरे जेताना का मुण्डिओ: तान चि एनसा: रेओबु आगाम लेका: ले मेनजादा होनाङ। जेता इमताङ का उडुङबाड़ाकानको। जी दो नागातेगे बोरोगे आटाकारो: ताना।

बाड़ेडी : आञ दो निमिनाङ रेगे बोओ: बियुरतान लेकाञ आटाकारजादा।

फूलो : आञ दो मोटोर सुकुलकोते होला उलामाला गेञ आटाकार केदा। तिसिङ जाकेद आउरिगेञ बुगिबाइओ:आ।

घासिया : सिदा सिदा, दे: एटे: रेदो आञो एनकागे। रोंत-बुरू मेनो:ताना। ट्राक रेआ: हेलो-डेलो आर दुगुडुते जी दो ओड़ो: दो बुरू लेलगेञ होका: मेनेगेञ टोओर ला:।

मांगु : आर बुरू इमताङ कोदो ओड़ो:गे आओंगेको चालाओएआ चिमाद।

घासिया : हे जा:। आर दा: दो दा: गामा। लिजा: किचिरि को लुम जोजो उतारजाना।

मांगु : आञ दो मिसा बारसा काचाइरि कामिलो: ते नेता: कोञ लेल बाड़ाकादा। आपान जी सुकु तेदो नेता: को हिजु:गे का मोनीआ।

घासिया : हे साहार मे नजाचि पारचिआनगे आटाकारोगा। होपोरतेम लेललेरे दो एटेदतेगे पेरेगाकाना। लोसोद दो सोआन दो। होला एन बानदा पिड़िंगि दो इसु बालाए तेलिं सेन पारोमाकादा। सायाद राटि का सायाद दाड़िओ: लेका।

मांगु : ओड़ो: कोए तानकोदो कोएतानको। लांगड़ा-फूला, गाओतान-कासारातानको लेललेल तेदो बिसिण्डि: गे आटाकारोआ।

बाड़ेडी : एनकान कोदो आपानतेओ जा: पुरा: को बालाएनाञ मेनेआ। एनकान सोआनतान नालिजापा: छापारि कोरे मेनलेरे दो आञ दो काञ हेएआ।

घासिया : जन्तए। और आप लोग?

मांगु : लन्दुब्। ....काम से या मेहमानी के लिए?

घासिया : मेहमानी के लिए। मेरी दीदी का परिवार वहीं रहता है।..... और आप लोग?

मांगु : हम तो काम से ही गाँव की ओर (गुजारी चलाने का) कोई रास्ता नहीं सूझने लगा तो हमने सोचा कि अब उधर भी देख लेते हैं। कभी बाहर नहीं निकले हुए लोग। हमारे मन में अभी से डर लग रहा है।

बाड़ेडी : मुझे तो इतने से ही लगता है कि मेरा सिर चकरा रहा है।

फूलो : कल मोटर के धूंवे से मुझे लगा कि उलटी हो जाएगी। आजतक ठीक नहीं हुई हूँ।

घासिया : पहली बार गाड़ी चढ़ने पर तो मुझे भी ऐसा ही लगा था। रथ यात्रा की बात थी। ट्रक की झकझोरी और जरकिं से लगा था कि अब मेला देखना ही बन्द कर दूँगा।

मांगु : और मेले के समय शायद यों ही तेज चलाते हैं।

घासिया : शायद हां। और पानी का बरसना और बरसना। कपड़े भींगकर गीले हो गए।

मांगु : मैंने तो एक दो बार कचहरी के नाम से यह आस-पास देख लिया है। अपनी खुशी से तो यहाँ आने का मन नहीं करता।

घासिया : हाँ, 'शहर' पहले से बड़ा साफ-सुथरा लगता है। नजदीक से देखो तो घिनौना भरा है। कीचड, दुर्गन्ध। कल उस तालाब की मेड़ से होकर हम बड़े कष्ट से पार हुए। लगता था कि सांस ही नहीं ले सकेंगे।

मांगु : और भिखारी तो भिखारी (अलग)। लंगड़ो-लूलों, घाव वाले खसरा वालों को देख कर बड़ा घिनौना लगता है।

बाड़ेडी : मुझे लगता है कि, ऐसे लोग तो, शायद हमसे भी ज्यादा कष्ट में हैं। अगर कोई कहें कि उस तरह दुर्गन्ध पूर्ण नालियों के पास छपरियों में रहो मुझे कभी स्वीकार नहीं होगा।

फूलो : आर नेता: सिकिणिओ चिमाद को मापाराङ नो: गेआ। नेता: कोको (तीको चापुबाड़ानतानलो:) पाचाटुल गिड़ि कि:ञा।

मांगु : हे दो हेगे। जेतालेकाम उयु-पुटुड़ान रेओ नाकु हुआ: तेबा: मेगेआ।

घासिया : सिंगिदो रोको दोरोङ-दोरोङ, निदा दो सिकिणि रूआङ-रूआङ। (नेका को जापागारताना लो:गे जुसाब मुनसी मेट बाबुलो: ते एन कुटुरि ते: बोलोताना। मुनसी दोए: दुति सोनोगाकाना। मेट दोए: पेनटेआकाना।)

मुनसी : (होड़ोको मुलि चुनडुलजाद लो:) निकुगेदाङ एन होड़ोको दो।

होड़ोको : मार जोआर।

मे'ट : जोआर।

मुनसी : नि:दो मेट बाबु। नि: गे कामि हामि:ए इदितुकापेआ।

मे'ट : आपेलेकानको ओड़ो:गे मोद हिसि लेका हानता रे (बाहार सा: चुण्डुल जालो:) को तेआराकाना। नाएके आयुबसा: रेआ: गाड़ीते सोबेन बुसेनोगा। आपिमा रेआ होरा। होरा रे जोमेआ: नूइआ: कोपे पोटोमाना दाङ?

मांगु : का बाबु काले साबाना।

मे'ट : इमताङ दो ना: गे किरिङ आउको:पे। नाणेरेगे (चुण्डुलाको तानाए) दोकान मेना:। आता ताबेन गुड़ नेकाना: को पोटोमनो: केपे। ओड़ो: होरा कोरे दा: तेताङा। जान लोटा पोटोम मेसाएपे। ....ओड़ो: मिआद काजि। होरा रे आलोकाबु आपाद मेनते लेपेल उपुरूम नांगेन मिसाते सेनो: तानको सोबेन सासाङ किचिरिको तुसिङाकानोगा। आपेओ होरा रे तुसिङेआ किचिरिकोदो सासाङ तापे।

मे'ट : हे, कारे आद एमान जान रे ओड़ो: ने दिसुम हिजु:रूआड़ाओ बालाएगेआ।

मांगु : हे, आदहोड़ो: आलो काले आदो का।

मे'ट : एना मेनते गेदाङ नेआकोदो सेणाओ:ताना।

घासिया : हे मार।

फूलो : और लगता है कि मच्छर भी यहाँ कुछ बड़े ही हैं। यहाँ (बाहों की ओर इशारा करती है) फफोले निकल आए हैं।

मांगु : सो तो है ही। कितना ही कपड़े ओढ़ो ये तुम्हें काटेंगे ही।

घासिया : दिन को तो मकिखयों का भनभनाना और रात को मच्छरों का सनसनाना। (इस तरह वे बात कर रहे हैं, उसी समय जुसफ मुन्शी मेट बाबू के साथ उस कमरे में प्रवेश करता है। मुन्शी धोती-कुर्ता पहने हुए हैं और मेट पतलून।

मुन्शी : (लोगों की ओर इशारा करते हुए) ये ही वे लोग हैं।

लोग : जोहार।

मेट : जोहार।

मुन्शी : ये मेट बाबू हैं। ये ही आपको काम के पास आपको पहुँचा आएंगे।

मेट : आप ही लोगों की तरह और करीब बीस लोग वहां (बाहर की ओर इशारा करते हुए) तैयार हैं। हम सारे लोग शाम की गाड़ी से जाएंगे। तीन दिन का रास्ता है। रास्ते में खाने पीने का सामान बांध लिया है न?

मांगु : नहीं बाबू, हमने पकड़ा नहीं है।

मेट : तब तो अभी ही खरीद लीजिए। नजदीक ही (इशारा करता है) दुकान है। मुढ़ी, चिउड़ा, गुड़ ऐसी चीजे बांध लीजिए। और रास्ते में प्यास लगती है। एक लोटा, साथ में रखिए। .....और एक बात। हम रास्ते में न खो जाएं, इसलिए साथ जाने वाले सभी पीला कपड़ा पहने हुए होंगे। आप भी रास्ते में पहनने के कपड़े पीले कर लें।

मेट : हाँ, नहीं तो खो जाने पर इस देश में वापस आना कठिन होगा।

मांगु : हाँ, जरा ख्याल रखिएगा, हम खोएं नहीं

मेट : इसीलिए तो यह सब उपाय हो रहा है।

घासिया : अच्छा ठीक है।

मे'ट : इमताङ दो मार सामपोड़ोनपे (थाइलागाते मिआद कागाजे: उडुङ जादा) ने: नेआरे ताबु मोद चोकोए टेप नो: तापे। आसाम दिसुम सेनो:तान सोबेनकोआ: हिसाब किताब नेंरे दोओ:ताना। .....(बोरो-बोरोआनगे सोबेन को टेप जादा।)

मुनसी : मार तोबे तेआर हानताड़ानपे हेइ। आयुब सा: ओड़ो: लिङ हिजु: रूआड़ा।

मांगु : हे मार। (मुनसी आर मेट किङ उडुङो:ताना। होर रे मेट बाबु आएआ सोनो: थाइलागाते हुड़िङ लेका लोटोकोए: उडुङ जादा आद मुनसीए साबाइताना।)

मुनसी : (तेला जाद लो:) होनदेर रेआ: को काम पुराओता:आ हेइ!

मे'ट : ओकोआ को?

मुनसी : एन होरा बाइकेन कोरेआ: कोगेड़ो:।

मे'ट : चिकान होरा?

मुनसी : होनदेर किन आड़ा:-उडुगो: तानकिन बुजाओकेन रेआ: दोड़ो: बिनगातेञ आउइआ।

मे'ट : पुरा: लोओबो का बुगिना। .....ने। ....होनदेर सारगेआ होड़ोकोआ: पोटोम आदजान इमताङ रेआ: को आञ दो जेताओ काञ टो जाना।

मुनसी : एनरे जोताओ का ताइकेना। बारिलेका सेरेद को बारि।

मे'ट : एनातेगे आले सेनो: जान गापातेरे कापे हाइकेन जिलुकेना।

मुनसी : कोता: रेन हाइ जिलु?

मे'ट : आछा मार बाइजाना। आञ हिजु: रूआड़ातान लो: ओड़ो: बारिआलेका साब हानताड़ा कोम।

(दानाङ)

मेट : तब तो आप तैयार हों। (थैले से एक कागज निकालता है) आप लोग जरा इस ठैपा लगा दें। यहाँ आसाम जाने वाले सभी लोगों का हिसाब रखा जाता है।..... (डर के साथ सारे लोग ठैपा लगाते हैं।)

मुन्शी : तो आप तैयार होते रहें। शाम को हम फिर वापस आएंगे।

मांगु : अच्छा ठीक है। (मुन्शी और मेट निकल रहे हैं। रास्ते में मेट बाबू कमीज की जेब से कुछ गोट निकालता है और मुन्शी को पकड़ाती है।

मुन्शी : तुमने पिछले पैसे पूरे नहीं दिए हैं, याद रखना!

मेट : कौन-से?

मुन्शी : वही रास्ता साफ करने के, और कौन-से?

मेट : कौन-सा रास्ता?

मुन्शी : पिछले दो लोग जो आनाकानी कर रहे थे। उन्हें समझाने का मैं अलग से लूँगा।

मेट : अधिक लोभ ठीक नहीं होता।... लो। पिछली बार, जब सरगेअ वालों की गठरी खो गई थी, मुझे कुछ भी नहीं मिला।

मुन्शी : उसमें कुछ भी नहीं था। सिर्फ कुछ चिथड़े थे।

मेट : तभी हमारे जाने के दूसरे रोज तुमने मांस-मछली नहीं खाई।

मुन्शी : कहां का मांस-मछली?

मेट : अच्छा ठीक है। मेरे वापस आने तक तुम और दो चार कपड़े रखना।

(पर्दा)

(लेनेल आपिआ)

(आसाम चा बागान रेआ: तारासा: रे मिआद छपरी ओड़ो:। जुला: ता: रे मांगु आद बाड़ेडी किङ दुबाकाना। जापागार ताना किङ।)

मांगु : हातुआने मिआद चिटिहिजु:आकाना। (सोनो: थाइलागाते चिटि: उड़ुङजादा।) ने:।

बाड़ेडी : ओकोए ओलाकादा का? .....दुकु सुकु चिलका तोबे?

मांगु : हुड़िङ दांगाड़ा ओलाकादा। काको बुगिताना। बुड़िआए: लागा चाबाजाना। लेपेल लेका रेओ हिजु: को:पे मेनते: ओलाकादा। ओड़ो मिआद काजि।

बाड़ेडी : चिकाना?

मांगु : सारकारा: ओड़ा: रे मिआद नावा निआम को पासेआकादा। एनालेका आलाङा: बोओगाते रिड़िको सोबेन पारकजाना। ना: दो आलाङा: चेतानाते साउआ: बोरो बानो: जाना।

बाड़ेडी : एला नाएआ दो!

मांगु : हे मिद लेका तेदो दुकु, मिद लेका तेदो सुकु।

बाड़ेडी : आञो चिमिन दनाते मिआद काजिञ काजिआमेआञ मेनेआ, काञ काजिदाड़िआकान गेआ।

मांगु : चिकान काजि? चाना:म आड़ा: उड़ु:ताना। आञ दो जान कुला गेम बाइता:ञा।

बाड़ेडी : कुला दो का। आबुआ: बालाएगो उड़ु: केआतेगे काञ काजि दाड़िआतान। ....जागार दो नेआगेचि नेरे ताइन आञ आसादि कि:आ पुरा: दो रूआ-राबाङ रे जेताए बांकोआ:ते। दुब ना जारू। नेएगे ना पोरोब। कामि आद कामि कुरूल-कुरूल तान। आपाना: होड़ोको तालारे ताइनरेआ:

(दृश्य तीन)

(आसाम चाय बगान के किनारे एक छपरी। चूल्हे के पास मंगु और बड़ेडी बैठ हुए हैं। एक दूसरे से बातें कर रहे हैं।)

मांगु : गाँव से एक चिट्ठी आई है। (कमीज की जेब से चिट्ठी निकालता है।)... ने।

बाड़ेडी : किसने लिखा है? क्या समाचार है?

मांगु : छोटे भाई ने लिखा है। समाचार ठीक नहीं हैं। बुढ़िया बिल्कुल थक गई है। लिखा है कि कम से कम मिलने के लिए आओ।.... और एक बात।

बाड़ेडी : क्या?

मांगु : सरकार के यहाँ एक कानून पास हुआ है। उसके अनुसार हमारे सिर से सारा ऋण दूर हो गया। अब हमारे ऊपर साहू जी का डर नहीं रहा।

बाड़ेडी : अरे, यह तो.....।

मांगु : हाँ, एक प्रकार से तो दुख और एक प्रकार से सुख।

बाड़ेडी : मैं भी कितने दिनों से तुमसे एक बात कहना चाहती थी। अबक नहीं कर पाई हूँ।

मांगू : कौन-सी बात? क्या संकोच कर रही हो? मुझे कोई बाघ समझ रखा है।

बाड़ेडी : बाध तो नहीं। अपने कष्टों की बात सोचकर ही मैं बात नहीं कर पा रही हूँ।... बात तो यही है कि मैं यहाँ रहने से ऊब गई। अधिक तो इसलिए कि दुख बीमारी में कोई नहीं। न पर्व न त्योहार। काम और काम। लगे हुए हैं। अपने लोगों के बीच

सुकुगे एटागा।

मांगु : हे दोड़ो हे गे। कामि-कामि ते चि ना: दो नेरा: दा:गे नेका, बारान किङ आलाङ रुंगुडु-रुंगुडु चाबाओ: ताना। सिदामानाते होड़ोमो ताम सासाङ नो:गे लेलो:ताना। डुडुं-डुडुं तान लेकाम लेलो:ताना। मोद टुपा: सुपिद इदो चिलकाते ताम मोद चिपुंद लेकागे सारेगाकाना।

बाड़ेडी : आमो दाङ सिदा लेकादो बाङमेआ। रेंगे: तान रेओ जोआको नामिन दो काम रेपोलेना। सेन बाड़ाओ लागातान लेकाम आटाकारो:आ। कोतागाते ने कु: नामकेद मेआ। मिसा-मिसा दोए: आसिद गिड़िमेआ।

मांगु : इमिन रेओबु सारे: नो:जादा। ओड़ा: सेनको: रे एन रेगे: गे ओड़ो: नाम रूआड़ाबुआ। नेता: रे एनकोड़ाओ पाड़ाओए: एटेगाकादा। माजाए: इतुजादा।

बाड़ेडी : रूआड़ाको:आते सेंड़ालेरेदो बु आसुलो: गेआ होनाङ। जे बु सारेगाकादा: कोते: आराणा उरि: बु जुटाओ रूआड़ाएआ आर तारा लेकातेदो बानदार-कुनदारा काना: कोबु राड़ा रूआड़ाएआ। आर एनकोड़ा नांगेन इसुकुल कोदो एनता: कोरेओ मेना:। जोजोहातु नाणे: रेगेआ।

मांगु : हे, आलाङ ता: रेआ:को आर कामपानी रेआ: को जामालेरेदो मिद हजार लेकादो जा: होबाओगा। आर ने सिमको आकिरिङ केकोरेदो निकुतेओ हुड़िङ लेकादो हिजुगा। कामपानी टाका गे दाङ चिमिन लेकाको ओमालाङा? टाका मेनजाद लो:गे उपिसरेन बाड़ा बाबू गेञ बोरोआ:।

बाड़ेडी : आञो एन होड़ो दो काञ सुकुआइआ। आनिआ: मेदगे एटागा। बारसिङलेका एनता: को जो: बाड़ारेआ:ञ डिउटी लेना। चिमताङ आञा: पाड़ि चाबाओगा मेनेआ: गेञ उडु:तान ताइकेना।

मांगु : चिका तागेआलाङ निकुआ: काजितेगेलाङ तोलाकान निमताङ दो। इमिन रेओ गापा तोबेञ काजिआइआ। नेकारे दो ना: रेगेञ उदुबाइआ।

बाड़ेडी : आलाङ कामिआकादा: दाङलाङ आसेताना। इपाए:तेरेचा। नारे दासि गिड़िन नांगेन दो काबु हिजुगाकाना।

(दनाङ)

रहने का सुख अलग ही होता है।

मांगु : सो तो बात है, ही। काम करते-करते या पता नहीं यहां का पानी ही ऐसा है, हम दोनों दुबले-पतले होते जा रहे हैं। तुम्हारा शरीर पहले की अपेक्षा अधिक पीला दिखाई दे रहा है। लगता है कि तुम टुनमुना रही हो तुम्हारा टोकरी-सा जुड़ा सिर्फ मुट्ठी भर रह गया है।

बाड़ेडी : तुम भी तो पहले की तरह नहीं हो। हम भूखे थे तब भी तुम्हारे गाल इतने पिचके नहीं थे। चलने-फिरने में भी लगता है कि तुम्हें थकावट लगती है। पता नहीं कहां की खांसी ने तुम्हें पकड़ लिया है। कभी-कभी तो तुम्हारी सांस ही बंद हो जाती है।

मांगु : तब भी हम कुछ तो बचा लेते हैं। घर वापस जाने पर वही भूख हमें फिर से पाएगी। यहां लड़के ने पढ़ना भी शुरू किया है। अच्छी तरह सीख रहा है।

बाड़ेडी : वापस जाकर हमारा ख्याल है कि बुद्धि लगाने पर हमारा गुजारा तो चलेगा ही। जो हमने बचाया है उससे हम हल-बैल फिर से जुटाएंगे और कुछ से हम बन्धक दी हुई जमीन छुड़ाएंगे। और लड़के के लिए स्कूल तो वहां भी हैं। जोजोहातु नजदीक ही है।

मांगु : हाँ, हमारे पास के और कम्पनी के यहाँ के सारे मिलाकर करीब एक हजार तो होगा। और इन मुर्गियों को बेचकर भी कुछ तो आएगा।... कम्पनी का रूपया पता नहीं लोग हमें कितना देंगे। रूपया कहते ही आफिस के बड़े बाबू से डर लगता है।

बाड़ेडी : मुझे भी वह आदमी पसन्द नहीं है। उसकी आँखे ही अलग है। दो दिन उसके यहां झाड़ू लगाने की डयूटी लगी थी। ''मेरी बारी कब खत्म होगी?'' यही सोचती थी।

मांगु : हम क्या कर सकते हैं। इस समय हम उनकी बातों से ही बन्धे हैं।

बाड़ेडी : हम अपनी कमाया हुआ माँग रहे हैं। मुफ्त होता तो दूसरी बात थी। हम यहां सदा के लिए गुलामी रखने नहीं आए हैं।

(पर्दा)

(लेनेल उपुनिआ)

(सिंगि हासुर नुदुम-नुदुम सोमाए। मिआद भाटि ओड़ा: रे चा बागान रेन मेट बाबु आर बाड़ा बाबु आरकि किङ नू ताना।)

बाड़ा बाबु : ए घांगाड़ा मोद बोतोलो ओड़ो: आउआलिङ में। जिलुओ मोद प्लेट ओड़ोगालिङ में। ..... साला कैसे थार्ड क्लास माल बनाता है। एनाङाते लाङनू जाद रेओ बुलतान लेकादो काञ आटाकारेआ।

मे'ट : होबाजानालाङ दोला।

बाड़ा बाबु : ना: कोता: लाङ होबाकाना? जिनगानी रे ओड़ो: चाना मेना:। जोम नू ओड़ो: चाना?

मे'ट : जोम नू दोलाङ होबाजाना दो।

बाड़ा बाबु : आम कामा: रे आञ रेओ मार ओड़ो: मोद चोकोए: .....।

मे'ट : आछा मार चाबा ताबेमे। होनदेर लेका ओड़ा: रेनको एराङा।

बाड़ा बाबु : हमको कौन गाली देता है? कुड़िञ फादाइआए....., साली। आञा काजि रे काए: ताइन रे ओकोएआ: कार्जा रे: ताइना? .....ए लड़का, जू सिगरेट किरिङ आउको:मे (पाएसाए: ओमाइताना)। .....ए मेट बाबु आञा: कुटुरिको जो: बाड़ानि: मिआद एटा: कुड़ि दांड़ा) में। ना: नि: एदकाए: खाचारा:। होला दो जा: जाइ:लो:गे ने: गे दालिञ लेकाए: रिकाजा:इ।

मे'ट : हे मार। ओकोएम सुकुताना।

बाड़ा बाबु : फूलो कुड़ि दाड़िओ: लेकाए: आटाकारोगा चि का?

मे'ट : दाड़िओआए दाड़ि दो। कोड़ागे दाङ ताए: मिसाओकाए: बागे बाड़ाइआ।

(दृश्य चार)

(शाम को गोधुली का समय। एक शराब की दुकान में चाय बगान के मेट बाबू और बड़ा बाबू शराब पी रहे हैं।)

बड़ा बाबू : ऐ छोकड़े, हमारे लिए एक बोतल और लाना। गोश्त भी एक प्लेट और।..... साला कैसा थर्ड क्लास माल बनाता है हम तभी से पी रहे हैं फिर भी नहीं लगता है कि नशा आ रहा है।

मेट : हो गया, चलिए चला जाए।

बड़ा बाबू : कहां हुआ है? जिन्दगी में और क्या है? खाना, पीना और क्या?

मेट : हमारा खाना-पीना हो गया चलिए चलते हैं।

बड़ा बाबू : यदि आप नहीं लेंगे तो मैं कम से कम और थोड़....।

मेट : अच्छा ठीक है। जल्दी खत्म कीजिए। पिछली बार की तरह घर वाले बात सुनाएंगे।

बड़ा बाबू : हमको कौन गाली देता है? अभी लात मारूँगा, साली औरत को। मेरी बात पर नहीं चलेगी तो किसकी बात पर चलेगी?.....ऐ छोकड़े, जाओ सिगरेट खरीद लाओ। (पैसे देता है।) .....ए मेट बाबू मेरा कमरा साफ करने के लिए कोई दूसरी औरत खोजिए। अभी वाली बड़ी खचड़ी है। कल तो छू ते ही मारने को छूट रही थी।

मेट : ठीक है, किसे चाहते हैं?

बड़ा बाबू : वह फूलो हाथ में आने जैसी लगती है या नहीं?

मेट : हाथ में आएगी, किन्तु उसका मर्द ही तो उसे एक क्षण भी नहीं छोड़ता।

बाड़ा बाबु : ए घासिआकोड़ा? सांगिन रेआ: डिउटि रे लगाओतारमे।

मे'ट : हे मार।..... बाड़ा बाबु, मुसिङ, रेल टिसान रेन सिपाइ नाम लि:ञ चि: उकुतातानाे। मुसिङ हुलाङ रेआ: कामि रा: नाला बेन कोओम नो: कि:ञा मेनते।

बाड़ा बाबु : चिमिनाङे: नामताना निमिनाङ ओमाइताना: तेओ काए: आसादिओ: तान गेआ। ओकोए रिपोर्ट लिरे: टोओरेआ।

मे'ट : एनका रेदो आलाङो दाङ लाङ साबो:आ।

बाड़ा बाबु : अरे हमको कौन पकड़ेगा। आलाङ सासाब को जेताए बाङकोआ।

मे'ट : इमिन रेओ मेना: रेदो ओड़ो: मोद चोकोए लाङ ओम नोगाइआ।

बाड़ा बाबु : आछा ने: ने (दास टाका लोओटोए ओमाइताना) ओड़ो: का नामो:आ मेताइमे।

मे'ट : आछाञ एनकाइआ। दोलाङ ना: दो होबाजाना।

बाड़ा बाबु : आछा दोला। (दोड़ेतान लो: ते: बिरिदताना)।

मे'ट : (ओड़ागाते उडुङो:तानलो:, हायाड़ाते।) एनाङ काजि दो तोबे एनकागे हेइ। रेल टिसान जापा: होटेल रेबु नापाम का। कालुआ आर जागु कोड़ा ताकिङ एनरेञ काजिआकाद किना। मांगु आर बाड़ेडी ताको दे: डिबा नामबार सोबेनेञ उदुबाकाद किना। ओकोरेबु तापांगिआ मेनेआको सोबेनेञ काजिआकाद किना।

बाड़ा बाबु : आछा ठीक है।

मे'ट : तोबेदो मार लाङ आपान दाड़िना।

बाड़ा बाबु : हे मार। (आपान दाड़िन ताना किन।)

(दानाङ)

(लेनेल मोणेआ)

(सेता:। डाड़िता: रे। जाड़ेआ आर सेंजाणि चिपाको गासारतान कारकादेन तानलो: किङ जापागार ताना।)

बड़ा बाबू : वह घसिअ? उसे दूर की ड्यूटी पर लगा दीजिए।

मेट : अच्छा ठीक है।.... बड़ा बाबू, एक दिन मुझे रेलवे स्टेशन का सिपाही मिला तो शिकायत करने लगा। कह रहा था कि उस दिन की मजदूरी तुमने मुझे कम ही दी।

बड़ा बाबू : कितना चाहता है? हम इतना देते हैं तब भी उसे संतोष नहीं हैं। कोई रिपोर्ट कर दे तो पता चलेगा।

मेट : उस तरह तो हम भी पकड़े जाएंगे।

बड़ा बाबू : अरे हमको कौन पकड़ेगा? हमें पकड़ने वाला कोई नहीं है।

मेट : तब भी अगर हो तो हम उसे कुछ और दे दें।

बड़ा बाबू : अच्छा, मेट लीजिए। (दस रूपए का नोट देता है।) कहिए कि और नहीं मिलेगा।

मेट : अच्छा, वैसा ही बताऊँगा।.... अब चलिए हो गया।

बड़ा बाबू : अच्छा, चलिए। (भूमते हुए उठता है।)

मेट : तो तभी वाली बात याद रखिएगा। हम रेलवे स्टेशन के पास वाले होटल में मिलें। मैंने कलुआ और जग्गु को तभी कह दिया हैं। मैंने उन्हें मंगु और बड़ेडी के चढ़ने का डिब्बा नम्बर वगैरह बता दिया है। हम कहाँ मिलेंगे वगैरह सब बता दिया है।

बड़ा बाबू : अच्छा ठीक है।

मेट : तो हम चलते हैं।

बड़ा बाबू : अच्छा ठीक है। (अलग-अलग रास्ता लेते हैं।)

(पर्दा)

(दृश्य पांच)

(सुबह। कुएँ पर। जड़ेअ और सेंजगि बर्तन धोते हुए और दतवन करते हुए बात कर रही हैं।)

जाड़ेआ : आतेबाइ, बाड़ेडी ताको हिजु: रूआड़ाकाना को मेनजादा।

सेंजाणि : हे होला निदा गेको तेबागाकादा।

जाड़ेआ : बेएसे गे चि तोबे?

सेंजाणि : हे बेएसे दो बेएसे गोको लेलो:ताना। इमिन रेओ सुकुते ताइकेन लेका दो काको लेलो:ताना। सेनो: सिदारेन बाड़ेडी मारतो टोओरली में। केटेगान गे सेन बाड़ाजाद ताइकेना। सुपिदो मोद बाउगि। ना: दो रोचोड़े गेञ लेलिआ। राया रूयु ताने: सेन बाड़ा जादा।

जाड़ेआ : होरा कोरेआ: लागा कोते बाइ एनकाम लेल जा:इआ।

सेंजाणि : काटा तेको सेनाउलेद लेका गेम जागार जादा। कोड़ाओ ताए: एनकागे। रूआते बिरिदाकान लेकाए: लेलो:ताना। लाइ: डुडु डुड़, जोआ को रेपो।

जाड़ेआ : कामि कामि ते जा:। ....काचि मोद बाटुलाइ लेका दो जा: टाका किङ पोटोम आउला:।

सेंजाणि : कोता: रेआ: टाका। इपाए ती किङ हिजु: रूआड़ाकाना।

जाड़ेआ : नेआदोम होसोड़ोजाद लाङा।

सेंजाणि : आकिङ उदुबजादा गेञ उदुबामताना। कामि दोकिन कामि ला: चिमाद होरा रेगे को डाकु केद किना। पोटोम एमान सोबेन को रे: केद किना।

जाड़ेआ : हाएना ताञ। बुगि काको गोए: केद किनाका।

सेंजाणि : गोए:ओ जा: को गोए: केद किना होनाङ। आलो होड़ोमो रे जेतान सोना सामाड़ोम का ताइकेना: तेको बागेकेद किना।

जाड़ेआ : मार तो मोड़े सिरमा रेआ: कामाइ सोबेन कुमबुडु को नांगेन।

सेंजाणि : बुगि दो बाड़ेडी मायांकोरे चिमिलेकाए: तोड़ेला:। कारे दो होरा रे दा: नू तेआ: राटि काको बोसाजानतेआ: होनाङ।

जाड़ेआ : आसाम दिसुम टाका एनकागेआ चिमाद। आञा: हुड़िङ कुमाञ ताकोओ एनकागे टाका आरजाओ लेआतेको हिजु: रूआड़ातान ताइकेना। होरा रेगे को रे: केद कोआ।

जाड़ेआ : सुनती हो कहते हैं बड़ेडी वगैरह वापस आए हुए हैं।

सेंजाणि : हां. कल रात को ही पहुँचे हैं।

जाड़ेआ : सब ठीक हैं न?

सेंजाणि : हां, देखने को तो ठीक ही लगते हैं। फिर भी ऐसा नहीं लगता हैं कि वे सुख से थे। जाने से पहले वाली बड़ेडी के बारे सोचो तो। उसके चलने में दम थी। टोकरी भर खोंपा। अब तो सूख गई लगती है बीमार सी चलती फिरती है।

जाड़ेआ : रास्ते की थकावट के कारण वह वैसी लगती है।

सेजाणि : तुम ऐसी बात कर रही हो, जैसे कि वे पैदल ही आए हैं। उसका मर्द भी वैसा ही लगता है। लगता है कि वह बीमारी के बाद अभी उठ रहा है पेट टुनमुना, गाल पिचके।

जाड़ेआ : शायद काम करते करते ऐसे हो गए हैं।.... डेगची भर तो रूपया बांधकर लाए होंगे।

सेजाणि : कहां का रूपया? खाली हाथ वापस आए हैं।

जाड़ेआ : यह तो तुम मुझे झूठ कह रही हो।

सेंजाणि : जो उन्होंने बताया, वही बता रही हूँ। कहते हैं, कमाया तो था। रास्ते में ही लूट लिया। गठरी इत्यादि सब ले गए।

जाड़ेआ : हाय रे हाय! अच्छा हुआ, मार नहीं डाला।

सेंजाणि : शायद मार भी डालते। गनीमत थी कि शरीर में कोई सोना-गहना नहीं था इसलिए छोड़ दिया।

जाड़ेआ : गई पांच वर्ष की कमाई। सब कुछ चोरों के लिए कमाया।

सेंजाणि : संयोग से बड़ेडी ने कुछ पैसे कमर में खोंस लिए थे, नहीं तो रास्ते में पानी पीने को भी इन्हें कुछ नहीं मिलता।

जाड़ेआ : असाम देख का पैसा शायद वैसा ही होता है। हमारे छोटे मामा भी उसी तरह रूपया कमाकर वापस आ रहे थे। रास्ते में ही लूट लिया।

सेंजाणि : टाका तेलातान रे काचिको लेल हापे लेदकोआ।

जाड़ेआ : हे। चि टाका ओमतान कोगे रे: रूआड़ा केद कोआ। ओकोए काजि दाड़िताना।

(सांगिनाते दुराङ आयुमो:ताना—
आसाम दिसुम रे चाउलि गेलेताना,
बोटाङ गामाए रे पोएसा जोताना।)

(टुण्डु)

सेंजाणि : रूपये गिनते समय देख लिया होगा।

जाड़ेआ : हाँ, या रूपया देने वालों ने ही लूट लिया होगा। कौन कह सकता है?

(दूर से गीत सुनाई दे रहा है—

आसाम देश में चावल की बालियां होती हैं।

भूटान की धरती में पेड़ों में पैसे फलते हैं।)

17. आबु दिसुम रेन आदिवासी को

रामदयाल मुण्डा

आदिवासी माने आदि रे, एनेटे: रे बासा लेद को। निकु दिसुम रेन सिदा उतार होड़ोको। गोटा दिसुम रे ने सोमाए आपि करोड़ लेका आदिवासी को मेना: कोआ। दिसुम रेआ: आबादी रेआ: 5 प्रति सैकड़ा। एन बितार रे होड़ो जागार चा एनकानो: जागार जागारे होड़ो कोगे पुरा: मेना: कोआ। बिहार, बंगाल, मध्य प्रदेश आर महाराष्ट्र रे नामो: संताल, हो, खड़िया जुआङ, साओर, गादाब, कोर्कू, सोबेन होड़ो जागार लेकान जागार जागार तान कोगे। ने बितार रेगे तुरि, असुर कोरोआ कोओ को हिजु:ताना। निकुरे तारा लेका दो आको ताला रेआ: दिकु जागार कोको साबकेदा आर आपान जागार को रिड़िङ केदा। एन लेका ते बिहार-बंगाल रेन भूमिज, मध्य प्रदेश रेन बैगा लेकान कोओ होड़ो होन कोगे। मिद सोमाए ने होड़ो कोतेगे गोटा दिसुम पेरेगाकान ताइकेना। पंजाबाते आसाम हामि: राताङ बुरू (हिमालय) आते सामुनदार हामि: निकुआ: हागाको बर्मा, इण्डोनेशिया, काम्बोडिया वियतनाम आर एनातेओ आयार जालाकार पारोम आस्ट्रेलिया हामि: को पासारा-ओआकाना। इण्डोनेशियाते मडगास्कर टापु जाकेद ने होड़ोको तेबा:कादा। ना: दो ने होड़ोको सोबेनता: बिर बुरू कोरे बारि को सारेगाकाना। दानाङाकानाको। 'निकु आलेआ: होड़ोको' मेनेआ: तारा तारा दो आयुमो काको आयुमाकादा।

ने होड़ोको बेद रेओको ओलाकाना। निकुआ: नेता को इन्द्र लो: काको बापाइतान ताइकेना। एनरे ओलाकान आसुर को, दासको, ने होड़ो कोआ: पुरखा कोगे। रामायण रे काजिआकान निषाद आर वानर को ने होड़ो कोगे। वन-वास सोमाए रे राम-लोखोन-सीता ताको निकुलो: गेको ताइकेना। निकु बितारेन मिआद होड़ो-हनुमान बोंगा राटि: बाइ उतार जाना। होबा दाड़िओगा चि ने दिसुम रेआ: सिदा उतार सभ्यता-सिंधुघाटी सभ्यता निकुआ: बानाइगे।

17. हमारे देश के आदिवासी

रामदयाल मुण्डा

आदिवासी का अर्थ हुआ आदि में, प्रारम्भ में वास करने वाले लोग। देश के सबसे पुराने लोग। सारे देश में इस समय करीब तीन करोड़ आदिवासी हैं, देस की आबादी को पाँच प्रतिशत। इसके अन्तर्गत मुण्डा भाषा या इससे मिलती जुलती भाषाएँ बोलने वाले लोग ही अधिक हैं। बिहार, बंगाल, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में पाये जाने वाले संताल, मुण्डा, हो, खड़िया, जुअङ सोरो, गदब, कोरकु सभी मुण्डा भाषा जैसी भाषा बोलने वाले ही हैं। इसी के अन्तर्गत तुरी, असुरी और कोरोअ भी आते हैं। इनमें से कुछ ने अपने बीच बोली जानेवाली आर्य भाषाओं को सीखा और अपनी भाषा भूल गए। इस तरह बिहार और बंगाल के भूमिज और मध्य प्रदेश की बैगा जैसी जातियां भी मुण्डा भाषी ही है। एक समय इन्हीं लोगों से सारा देश भरा हुआ था। पंजाब से आसाम तक, हिमालय से समुद्र तक। इनके वंजश बर्मा, इन्डोनेशिया, कम्बोडिया, वियतनाम और उससे भी आगे समुद्र के पार आस्ट्रेलिया तक फैले हुए हैं। इन्डोनेशिया से निकल कर मडगास्कर टापू तक ये लोग पहुँचे हुए हैं। इस समय के लोग सभी जगह सिर्फ जंगल और पहाड़ों में ही रह गये हैं, छिपे हुए हैं। 'ये हमारे ही लोग हैं' यह बात इनमें से कुछ लोगों ने सुनी भी नहीं है।

इन लोगों की चर्चा वेदों में भी की गयी है। इनके नेताओं और इन्द्र के बीच बनती नहीं थी। वहाँ उल्लिखित असुर और दास इन्हीं लोगों के पुर्खे थे। रामायण में उल्लिखित निषाद और वानर यही लोग हैं। वनवास के समय राम, लक्ष्मण और सीता इन्हीं लोगों के साथ थे। इनके बीच का एक व्यक्ति हनुमान देवता तक बन गया। हो सकता है कि आदि सभ्यता सिंन्धु-घाटी की सभ्यता इन्हीं के द्वारा निर्मित हो। वे

एन होड़ोको कोओ 'माराङ बुरू-जायार एरा' बोंगा केनको लेकाको आटाकारोगा। माराङ बुरू तायोमते शिव मेनते साकिजाना आर ब्रह्मा आर विष्णु लो: जामाकेआते सिंबोंगा: त्रिमूर्ति रूप बाइजाना।

निकुगे सिदा उतार बाबा को खिति एटे: ला:। माण्डि लो: सातेते इलि रेआ:ओ मुण्डि निकुगे सिदा नाम ला:। तायोमते दिकुको बागेआकाद आरकि को नाम केदा आर एनागे निकुआ: डुबाओ रेआ: सुसि बाइजाना। दिकु जागारते एटा: होड़ोको आपान बास रे आउतेआ: उपुनिआ होरा काजिआकाना-साम, दाम, दण्ड, भेद। साम माने सामझाओ-बुजाओकेआते। दाम माने गोनोङ ओम केआते। दण्ड माने डाण्डा: ते दाल केआते। भेद माने गोनोङ ओम केआते। दण्ड माने डाण्डा ते दालकेआते। भेद माने एपेराङ सिरजाओकेआते। होड़ो होनको आँओते होसोड़ो जागार काकोआ: मिसा ''का'' मेनकेदा: का गे। घूस काकोआ:-इमान सोबेनाते चेतान चीज को हिसाबतादा। डाण्डा:-सोटा काको बोरोआ:। मेनदो इलि-आरकि नू केआते एपेराङ गोपोए: खूब को मोनेआ। एटा: को नेआको मुण्डि चाबाकादा आर नेआ होरातेगे आदिवासी को काबू रेको आगुकेद, कोआ, आगुजाद कोआ।

आबुआ: हाड़ाम होड़ोको इलि आरकि काको नू उतार केना मेनेआ: दो का। नू केनाको मेनदो एना रा: हिसाब को इतुला:। आको आकोरे मेल-प्रेम रेआ: होरा लेकाते, लागा होड़ोमो रे रानु लेकाते इलि-आरकि को नू केना। नागो सेणान होड़ोको एनका गेको नू ताना। मेनदो आबु नांगेन दो ने रानु बिसि बाइआकाना। आबु आरकि चाना: बु नूइआ, आरकि गे आबुइ: नू जाद बुआ। ने दिसुम रेन राजा लेकान होड़को बुरू बिर कोरेको हार निराकाना। साहार को कोरे सारेगाकान को एनता: कोरेआ: नालिको साफा बाड़ा रेआ: कामिको आर चापारासी कामि को बारि को कामिताना। नुतुम रेआ: मिद बार होड़ो चेतान पद कोरे मेना: कोआ। पुरा:तेदो लातार-उतार रेको हिसाबकाना। जाएं गेको पोसोड़ा जाद कोआ। सरकारा: कानूनी देंगा मेना: रेओ एना कामि काए: ओम बाइजादा। एना मेनते भेद सेणाते हाटिङाकान पेड़े जामा रूआड़ा रेआ जारूडु मेना:। चिआ:चि ने सोमाए दो जनतंत्र रेआ: सोमाए। जनतंत्र माने जनता कोआ:राज। जाना: सांगिते काजि ले एनाङ। रेपे तान लेका काजि लेरे, एपेराङ तान लेका आयुमो:तान रे जेताए काको आयुमा। ने सोमाए आदिवासी कोरे एपेराङगे पुरा: सांगिआ काना-उराङ-मुण्डा रेआ: एपेराङ, किरतान संसार रेआ: एपेराङ। किरतान कोरेओ कथोलिक प्रोटेस्टेंट रेआ:

लोग भी 'मरङ् बुरू-जयर् एर' की पूजा करने वाले ही लगते हैं। मरङ बुरू आगे चल कर शिव कहे गए और ब्रह्मा और विष्णु के साथ मिलकर ईश्वर का त्रिमूर्ति रूप निर्मित हुआ।

इन्हीं लोगों ने सबसे पहले धान की खेती शुरू की थी। भात के साथ-साथ इलि का भी ज्ञान इन्हीं ने पहले पाया था। आगे चलकर इन्होंने दिकुओं द्वारा छोड़ा हुआ अर्कि पाया। यही इनके पतन का कारण बना। आर्य-भाषा में दूसरे लोगों को अफने वश में लाने के चार उपाय कहे गए हैं- साम, दाम, दण्ड, भेद। साम का अर्थ हुआ समझाना समझा बुझाकर वश में लाना। दाम का अर्थ हुआ घूस देकर वश में लाना। दण्ड का अर्थ हुआ डन्डे के बल से वश में लाना। भेद का अर्थ हुआ आपस में झगड़ा पैदा करके वश में लाना। आदिवासी सामान्यतया झूठ नहीं बोलता हैं, एक बार ''न'' कहा तो उसका अर्थ न ही होगा। घूस नहीं लेता ईमान को ये सबसे ऊँची चीज समझते हैं। लाठी-डन्डे का इन्हें डर नहीं है लेकिन आदिवासी इलि और अर्कि पीकर आपस में लड़ना झग ना बहुत पसन्द करता है। दूसरे लोगों को इसका पूरा पता है और इसी से वे आदिवासियों को अपने वश में लाए और अभी भी ला रहे हैं।

यह बात नहीं है कि हमारे पुर्खे बिल्कूल ही नहीं पीते थे। पीते थे लेकिन वे इसका हिसाब जानते थे। अभी भी बुद्धिमान लोग इसी तरह पीते हैं लेकिन हमारे लिये तो यह दवा विष बन गयी है। हम अर्कि क्या पीयेंगे अर्कि ही हमको पी रही है। इस देश के राजा जैसे लोग जंगल पहाड़ों में भगा दिये गये हैं। शहरों में जो लोग बचे हुए हैं वे सिर्फ वहां की नालियां साफ करने और चपरासियों का काम करते हैं। नाम के लिये एक दो आदमी ऊपर के पदों में हैं। अधिकांश सबसे नीचे गिने गये हैं। इन्हें हर आदमी हीन दृष्टि से देखता है। सरकार की कानूनी सहायता के होते हुए भी वह ठीक से काम नहीं कर रही है। इसलिये भेद-बुद्धि से बंटी हुई शक्ति हमें फिर से जमा करने की जरूरत है। क्योंकि यह युग जनतन्त्र का युग है। जनतन्त्र का अर्थ हुआ जनता का राज। कोई भी काम मिलकर करने पर ही सम्भव है। एक मत नहीं होने पर झगड़े की तरह सुनाई देने पर कोई नहीं सुनता है। इस समय आदिवासियों में आपसी झगड़े की भरमार हैं- उराँव मुण्डा का झगड़ा, क्रिस्तान ससार का झगड़ा. क्रिस्तानों में भी कथोलिक-प्रोटेस्टेन्ट का झगड़ा। संसार आदिवासियों में भी ऊँच नीच का झगड़ा इस तरह से तो कुछ

एपेराङ। संसार आदिवासी कोरेओ चेतान-लातार रेआ: एपेराङ। नेका रेदो हुड़िङ दिन तायोमते आदिवासी को ताइकेना मेनेआ: बारि आयुमोगा-आदिवासी को आदचा बाओ:आ।

तिंगु दो आबु आपानेते तिंगुको एनाङ। सरकार एंगा-आपु लेका तिंगुआकान रेओ जाओ गेदो काए आजोमा, काए: ति: बाड़ा:। सेन रेआ: मोने दाउड़ि रेआ: पेड़े:, आबु आपान बितारातेगे उडुङ ले एनाङ। आबु बितार रे आदाकान पेड़े: चिलकाते बाइ रूआड़ाओ:आ?

(1) हुड़िङ जीओ:बु होकाएका – एटा: होड़ोकोआ: हिलाङ हेनदो कोते आबुआ: जी रे नेका बाइआकाना चि आबुगे ने दिसुम-समाज रेन लातार उतार रेन होड़ोको। 'आदिवासी को' रेआ: माने 'सोबेन लेकाते तायोमाकान होड़ोको मेनेआ: बाइआकाना। एन गिउ: कोते आबु आपान बुगिन गुन कोओबु निर बागेजादा। आको लेका बाइन सानाङ होरा रे आको थेर गिड़ि जादा: कोबु हालाङ जादा। दिकुन तानाबु, किरतानेन तानाबु। सेंड़ा लागाकान दिकुको जाति-पाति को बागे जादा मेनदो आबु जाति पाति साला बु इतुजादा। सिदा आबु-आबु रे हुड़िङ माराङ रेआ: भेद का ताइकेना। हागा जाति कुपुल नांड़ि रे सोबेन कोलो: दुब-जारू ताइकेना। ना: दो 'निकु दो आलेआते को हुड़िङताना। निकुआ: काले जोमताना। निकुलो: दो आलेआ: दुब जारू बानो: मेनेआ: कोबु इतुजादा। आड़ानदि कोड़ानदि, नेएगे-दास्तूर रे हाड़ाम होड़ोकोआ: काजि सेसेनतान ताइकेना। ना: दो इनकु देआ कुण्डामो: ताना-बामाड़े गोसाञ को आदेरोताना। आपान हाड़ाम होड़ोको जोआर बागेकेआते ओकोता: रेन जुमबुड़ि गोसाञा: काटा-सुबा रेबु ओबोरेन ताना। चेतानो: ताना) मेनते मारबु पोएतान ताना हानसा: नेआते बु काराए कोरोएगो: ताना मेनेआ: दो सुतिओ का बोलोताना।

एनकागे आबुआ: समाज बाराबारि: समाज नेकातेओ काजिआकाना चि आबुरे कोड़ा-कुड़ि बारान कि मोद नो: गेकिन हिसाबाकाना। सेंड़ांन समाज रेओ एनकागे मेना:। मेनदो आबु थर्ड क्लास दिकुकोआ: बु नाकाल ताना आर कुड़िको नारा-दुरा रेबु हिसाब जादकोआ। एनका रेगे माराङ बु हिसाबो:आ मेनतेबु दानाङ जादकोआ, गुगुला जाद कोआ, आर लातारकान गेको ताइनका मेनते ओबोर को:आते बु जोआर रिका जादकोआ। कुड़िकोओगे माराङनि: दाङ मेनते लोसोदता: कोरे चा सेताको इ: तादता: कोरे नापाम जानरे राटि को ओबोर ताबेन ताना।

ही दिनों के बाद ''आदिवासी लोग कभी थे'' सिर्फ यहीं सुनाई देगा-आदिवासी लुप्त हो जायेंगे।

जहां तक आत्मनिर्भरता का सवाल है, वह तो खुद अपने पैरों पर खड़े होने पर ही आयेगी। सरकार माँ-बाप की तरह खड़ी रहने पर भी हमेशा नहीं खिलायेगी। उंगली पकड़कर नहीं चलायेगी फिरायेगी। चलने का निश्चय और दौड़ने की शक्ति हमें अपने अन्दर ही पैदा करनी होगी हमारे अन्दर की शक्ति कैसे वापस आयेगी?

(1) हीन भावना का त्याग – दूसरे लोगों की घृणा दृष्टि से और अपमान से हमारे मन में ऐसी धारणा बैठ गयी है कि हम ही इस देश और समाज में सबसे नीचे के लोग हैं। 'आदिवासी' का अर्थ 'हर प्रकार से पिछड़ा वर्ग' हो गया है। इस शर्म के कारण हम अपने अच्छे गुणों को भी छोड़कर भाग रहे हैं। उनकी तरह बनने की चाह में हम उनके द्वारा फेंकी हुई वस्तुओं का अपना रहें है। हम दिकु बन रहे हैं। क्रिस्तान बन रहें हैं। बुद्धिमान दिकु जात-पात की भावनाएं छोड़ रहा है। लेकिन हम जात-पांत का भेद सीख रहे हैं। पहले हमारे बीच छोटे-बड़े का भेद नहीं था। भाई-बिरादरी में कुटुम्ब-बन्धुओं के बीच मेलजोल था। अब ''वे हमसे छोटे हैं। उनका पकाया हम नहीं खाते, उनके साथ हमारा उठना बैठना नहीं है।'' जैसी बाते हम सीख रहे हैं। पहले शादी विवाहों तथा अन्य संस्कार दस्तूरों में बड़े बूढ़ों की बात चलती थी। अब इनका तिरस्कार हो रहा है-ब्रह्मण-गुसाई लाये जा रहे हैं। अपने बड़े बूढ़ों को प्रणाम करना छोड़कर हम कहां के लोभी गोसाई के पैरों पर दण्डवत गिरते हैं। ''मैं ऊपर उठ रहा हूँ'' यह सोच कर हम जनेऊ पहनते हैं। उधर इसी से हमारा गला घुट रहा है इसका हमें होश नहीं है।

उसी तरह हमारा समाज का समता समाज कहा गया है। इसलिये कि हमारे यहाँ स्त्री और पुरूष दोंनो को समान माना गया है। समझदार लोगों के समाज में भी ऐसा ही है। लेकिन हम थर्ड क्लास दिकुओं का नकल कर रहे हैं। और अपनी स्त्रियों को कमजोर मान रहे हैं। ऐसा करने पर ही हम ऊँचे गिने जायेगे यह सोचकर हम उन्हें छिपा रहे हैं, उन घुंघट डाल रहे हैं और वह नीचे ही रहे यह सोचकर उसे जमीन छूकर प्रमाण करने की कहते हैं। स्त्रियाँ भी ''ये हमारे सामान्य हैं'' समझकर कीचड़ या कुत्तों

एन दिकुन सेंड़ां तेगे आबुआ: होड़ो जागार आदो: ताना। आबुआ: सुसुन दुराङ आदो: ताना। नासा: दिकु-सायोब को होड़ो जागार टाका ओम ओमतेको इतुन ताना आर आबु इपाए: ते इतुआन रेओ बुनिर बागेजादा। ओकोता: कोरे का बागे आकानता: कोरेओ दिकु दुराङ कोगे पुरा: बुसुकुआताना। एनाओ दुराङ रे चाना: काजिओ: ताना मेनेआ: बुजाओ दो बानो। 'धोनि रे' मेनेआ: को काजि ताइनका। 'गातिञ रे' मेनेआ: को का सुकुजाद बुआ। एनाको गिउ: जादबुआ। धोनि रे मेनलेरे चेतान नोगाकान लेकागेबु आटाकारेआ।

एनका गे तारालेका दो चेतानो: काबु मेनते आपान आदि धोरोम होरा बागे केआतेबु किरतानेन जाना किरतानेन ताना सारते-इमान रे ताइन होड़ोको पाप सेंड़ाको इतुनताना। हे होड़ोमो दो पाप रेगे जोनोमाकाना मेनेआ: कोको इतुनताना। भगवान बारि बोरोकेन होड़ोको साए तानोको बोरो आइताना। ने किरताना होरा तेगे इसुदिन हामि: होड़ोजागार आर सुसुन दुराङ साएताना: कामि मेनेआ: हिसाब लेना। अँग्रेजी गे भगवाना: जागार दो मेनेआ: हिसाब-लेना। एना सेंड़ां तेगे आबुआ सारते इतिहास राटि देआ कुण्डम जाना आर काजि जाना चि आबुआ: होड़ोको यूरोपआते को हिजुआकाना। बाबुल-काबुल मुलि तेको हिजु: लेना मेनेआ: होसोड़ो जागार को प्रचार जाना। मार आबुआ: जी दो दिसुम बागे केआते यूरोप रे हाकाकाना। हानसा: यूरोप, अमेरिका सोबेनता: सेंड़ांन होड़ोकोरे धाराम होकाओ: ताना। बोंगा ओड़ा: कोरे बारदुड़िआद को ताइ एटेगेनताना। आर नासा: आबुआ होड़ो को धाराम को दांड़ा बाड़ाताना। नाड़े: रे दुबाकाना दिकुको दो आबु उरि: जिलु को जोओमा, सायोब को लेका काको रेआड़ा-गासारेना मेनते आको तालारेन गासि को लेकाको हिसाब जाद बुआ। नेआको नेआरा: प्रमाण ताना: चि आबुरे आपान रेगे विश्वास बानो:। आपान पेड़े: काबु टोओर जादा। एटा: ता: कोबु दांड़ा बाड़ाताना।

(2) सांगि पेड़े: बु आटाकारेका – चेतान रे ओलाकाना चि ने सोमाए दो आबुआ: दिसुम जनतन्त्र होरा ते सेसेन ताना। जनतन्त्र माने जनता कोआ: राज। जनता कोआ: राज माने जनता को काजी लेका सेसेन राज। सांगिते काजि गोटा केआते चालाओआ: राज।

द्वारा पखाना पेशाब किये हुए स्थानों में भेट होने पर भी जमीन में गिरकर प्रणाम करती हैं। इसी दिकु बनने की बुद्धि से ही हमारी भाषा लुप्त हो रही है। हमारा नाच-गान लुप्त हो रहा है। इधर दिकु और साहब लोग हमारी भाषा रूपये देकर सीख रहे हैं और हम हैं कि मुफ्त सीखे सकने पर भी इसे छोड़ रहे हैं। जहाँ भाषा नहीं भूली गई है वहाँ भी हम दिकु गीतों को ही अधिक पसन्द करते हैं, सो भी गीत, में क्या कहा जा रहा है इसकी समझ तो होती नहीं। गीतों में जहाँ 'हे धनी' सुनाई पड़ा कि हमें गीत खूब पसन्द आ जाता है। अपना भाषा के गतिञ् रे' (हे प्रिय) इत्यादि हमें पसन्द नहीं। उनका उच्चारण कर हमें लाज लगती है। दिकु गीतों में 'हे धनी' गाकर हमें लगता है कि हम ऊँचा उठ गए हैं।

इसी तरह हममें कुछ ''ऊँचे उठ रहे हैं'' यह समझकर अपना आदि धर्म छोड़कर क्रिस्तान बन गए और बन रहे हैं। सत्य और ईमान में रहने वाले लोग पाप का ज्ञान सीख रहे हैं कि ये मानव शरीर पाप में ही पैदा हुआ। सिर्फ भगवान से ही डरने वाले लोग अब शैतान से भी डरना सीख रहे हैं। इसी क्रिस्तान होने के रास्ते में ही बहुत दिनों तक यह समझा गया कि हमारी भाषा और नाच-गान शैतान का काम है। यह सोचा गया अंग्रेजी ही भगवान की भाषा है। इसी बुद्धि के कारण हमारा सच्चा इतिहास तिरस्कृत हुआ, और यह झूठ प्रचारित किया गया कि हमारे लोग यूरोप से बाबुल काबुल होते हुए भारत आये। परिणाम स्वरूप हमारा हृदय अपना देश छोड़कर यूरोप में लटका हुआ है। उधर यूरोप और अमेरिका में सभी जगह समझदार लोगों में धर्म का ढोंग छुट रहा है। गिरजाघरों में चमगादड़ों ने वास करना शुरू किया है। और उधर, हमारे लोग धर्म ढूँढ रहे हैं। हमारे नजदीक रहने वाले दिकु हमें गौ ''माँसाहारी हैं, साहबों की तरह नहाते धोते नहीं हैं'' यह मानकर अपने बीच अछूतों की तरह समझते हैं। यह इसका प्रमाण है कि हममें अपने पर विश्वास नहीं है। हम अपनी शक्ति नहीं समझते। हम इसकी खोज में दूसरी जगहों में भटक रहें हैं।

(2) सामुहिक शक्ति पहचानें – ऊपर लिखा गया है कि इस समय हमारा देश जनतन्त्र द्वार प्रशासित होता है। जनतन्त्र का अर्थ हुआ जनता का राज। जनता का राज का मतलब हुआ जनता के कहे अनुसार चलने वाला राजा। बहुमंत से निश्चय

एसेकार-एसेकार गाजाउ-गाजाउ लेरे गादाड़ा गिड़िओ: रेओ जेताए काए: आयुमा। ने सोमाए दो आबु तालारे एन गाजाउ-गाजाउ रेआ: तेगे जनतन्त्र दो का सेसेन बाइताना। आबु ताला रे आबु सानाङ लेका दाङ होनाङ राज सेसेन लागातिङा। मेनदो एनका दो का होबाताना। आबु का सानाङ ताना: को मोटाइते होबाताना। कुला लेकान मदरा मुण्डा, सिदु, कानु, बिरसा भगवान आद जयपाल सिंह तायोमते आचागे मोदपुरा: तुयुनेता को सिरजाओ जाना। ने तुयुनेताको आको रेगेको हापाटिङाकाना आव को रेपे: का ताइन जाना रेदो पुरा: कारेओ ने झारखण्ड तालारे आदिवासी कोआ: काजि सेसेन जानतेआ: होनाङ। झारखण्ड नतुम ते कारेओ आदिवासी विकास परिषद नुतुम तेरेओ आबु बुगिनो: तेआ: इसुपुरा: कामिको होबाओ: तेआ: होनाङ। मेनदो ने बारान कार्यक्रम किन गे होसोड़ो बाइआकाना। ने सोमाए आबु तालाते जे आदिवासी नेता को पटनाको सेनाकाना इनकु जामाको, रे आको ओकोआगे को सानाङा एनगे होबाओ: लागातिङा होनाङ। मेनदो 'झारखण्ड' चा छोटानागपुर प्रदेश बाइओ सिदा रेगे आञगे एनारेन राजा बाइओ:का मेनते ''माराङ राजा'' कोआ: चादलोम रे होड़ो पारतेद को हाकानताना आर चिअ:चि चेतान राजा कोओको हाटिङाकाना एना मेनते आबुआ: नेताकोओको हाटिङोताना। नातीजा नेआ होबाकाना चि आबुआ: होड़ोको रेगे ओपोता होबाओ:ताना। पदवीबुल रेआ: ते सुति सेंड़ां आबुआ: नेता कोरे कागे एओनो:ताना। नेताकोआ: पदवीबुल इमताङ जाकेद का बानोगोआ: चिमताङ जाकेद चि जनता कोगे काको जारूडुना। ने सोमाए जनता को तालाते आड़ि-पिड़ि आर कारखानाकोरे कामितानको, उपिस और पाड़ाओ सेड़ाकान होड़ो कामितान होड़ोको जामानरा: जारूडु मेना: आर आबुआ नेता को बुजाओ कोरा: जारूडु मेना:। नेआगे मूल होरा दो। नेता ठीकि काए: कामि रे इनि बादाला लागातिङा।

चिलका चि जान बुगिन इनुङ बारान टीम किङ बाराबारि: ताइको: एनाङ होबाओ:आ एनकागे जनतन्त्र रे बुगिन शासन इमताङ एनाङ चालाओ दाड़िओगा चिमताङ चि सरकार आर जनता तालारे बाराबारि पेड़े:ताइन। ने सोमाए दो सरकारा: टीम गे: पोकोतो गाराङा। जनता टीमे: हारातिङ कातेओ: ताना। पुरा: तेदो आफिसर ओकोआए: सानाङ ताना एना होबाओ:ताना। जनताए: सुकु चा काए: सुकु। नेआ रा: नातीजा होबाओ: ताना चि ओकोता: दा: का ताइना एनता: डाड़ि को, बांदा को उरो: ताना। बिर को उतुड़ूंओ ताना। ओकोता: दारूको रोआ बाड़ाओ ताना एन कोरेओ

करके चलने वाला राज। अकेले-अकेले हल्ला करते-करते गला खराब हो जाने पर भी उसकी बात कोई नहीं सुनता। इस समय हमारे बीच बेमतलब के हले के कारण ही जनतंत्र ठीक से नहीं चल रहा है। होना तो यह चाहिए कि हमारे बीच जनतंत्र हमारे चाहने के अनुसार चले। लेकिन वैसा नहीं हो रहा है। हम जो नहीं चाहते हैं वह जबरजस्ती हो रहा है। सिंह सरीखे मदरा मुण्डा, सिदु, कानु, बिरसा भगवान और जयपाल सिंह के बाद अचानक बहुत से सियार जैसे नेता पैदा हो गए हैं। ये नेता अपने में ही बंटे हुए हैं और झगड़ रहे हैं। क्रिस्तान संसार का झगड़ा, उराँव मुण्डा का झगड़ा। अगर ये झगड़े न होते तो अधिक नही तो कम से कम झारखण्ड प्रदेश के भीतर आदिवासियों की हीं बात चलती होती। झारखण्ड के नाम पर नहीं तो कम से कम आदिवासी विकास परिषद् के नाम पर हमारे कल्याण के बहुत सारे काम होते। मगर ये दोनों ही कार्यक्रम व्यर्थ साबित हुए हैं। अगर हमारे सारे नेता मिल जाएं तो वे जो चाहेंगे वही होना चाहिये। लेकिन झारखण्ड या छोटानागपुर प्रदेश बनने के पहले ही ''मैं ही इसका राजा बनूँ'' सोचकर हमारा प्रत्येक नेते ''बड़े राजाओं'' की पूँछ में लटका हुआ है और चूँकि ऊपर के बड़े राजा अपने आप में बंटे हुए हैं, हमारे नेता भी बंट रहे हैं। नतीजा है कि हमारे लोगों के बीच ही लड़ाई हो रही है। पद्वी के नशे के कारण हमारे नेताओं में चेतना जाग ही नहीं रही है। पद्वी का यह नशा तब तक समाप्त नही होगा जब तक कि जनता इसकी जरूरत महसूस न करें। इस समय जनता के बीच से समझदार लोगों-खेत और कारखानों में काम करने वाले, आफिसों और शिक्षण संस्थाओं में काम करने वालों को मिलने की जरूरत है और उन्हें हमारे नेताओं को समझाने की जरूरत है। यही एक रास्ता बचा है। जनता के राज का यही मूल रास्ता है। अगर नेता ठीक काम नहीं करता है तो उसे बदल देना चाहिए।

जिस प्रकार कोई अच्छा खेल खेल के दोनों टीमों में समानता होने पर ही संभव है। उसी प्रकार जनतन्त्र में अच्छा शासन तभी सम्भव है जब सरकार और जनता की शक्ति बराबर होगी। इस समय सरकार की ही टीम अधिक शक्तिशाली है जनता की टीम बार बार हार रही है। अधिकांशत: आफिसर जो चाहता है वही होता है। जनता पसन्द करे या न करे। इसका नतीजा यह होता है कि जहाँ पानी नहीं होता है वहाँ कुएँ और तालाब खोदे जा रहे हैं। जंगल उजाड़े जा रहे हैं। जहाँ पेड़ लग रहे हैं वहाँ भी

उलि-कण्टाड़ा बागे केआते ना जोते न उमबुलते तिगो: टिउल-टिउल दारू को रोआओ: ताना। जनता का सानाङा को होबाओ:ताना आर जनता सानाङा को का होबाओ:ताना। जनता टीम पोकोतो ताइन रे नेका का होबाओ: तेआ: होनाङ। सरकारा: कामि ओंड़ाओ: ताना मेनेआ: लेलजालो: गे जनतारे एना रा: विरोध रे चारचा होबाओ: लागातिङा। एना विरोध रे जनता को तिंगुन लागातिङा। ने सोमाए दो भोट सोमाए बारि दुनुबको होबा बाड़ाओताना। एटा: सोमाए जेताए जरूडु गे काबु जारूडुन ताना। सिदारेआ: संगठन, ओकोआते चि बिर को पाएल केआते आबुआ: हाड़ाम होड़ोको दिसुम को बाइला:, इदो कोते सेनो: जाना। एना ओड़ो: आउ रूआड़ा लागातिङा।

(3) सोमाए अनुसार सेसेन रेआ: जारूडु – आबु आदिवासी को जाओआते आपान इमानदारी नांगेन को नुतुमाकाना। पुरा: ते आदिवासी को होसोड़ो काको जागारा। नेआ दो ठीकि गे मेनदो ईमानदार सुमुङ ते ने सोमाए रेआ: दुनिआरे कामि का चालाओ:आ। ईमानदारी लो: चिरगाल ताइनो: रेआ: जारूडु मेना:। एटा: होड़ोको आबुआ: ईमानदारी रेआ: ते पुइला चाउलिते ओते आड़ि को रे: जादबुआ। मोड़े टाका रेआ: रिंड़िते मोंड़े हजार रेआ: फेरा रेबु उयुगो:ताना। नेआको सरकारा: आबु बांचाओ: तेआ: सेंड़ां को मेना तेओ होबाओ: ताना। उदाहरण लेकाते, कानून लेकाते आदिवासी कोआ: ओते आड़ि एटा: कोआ: तीते का सेनो: लागातिङा, मेनदो आबुआ: होड़ोको चिमिनता: रे ओते-आड़िको रेगो: ताना। एटा: को का बोलोता:रे को बोलोताना। नेआ को आबुआ डोण्डो ईमानदारी रा: ते होबाओ:ताना। सेंड़ां ईमानदारी, आर चिरगाल ते एनाङ ने सोमाए कामि चालाओ:आ।

ने सोमाए रेआ: दुनिया रे ताइदाड़ि नांगेन आदिवासी को ओड़ो: मिआद हांमबाल कामि इतुना: मेना: एना कामि दो आयारते नांगेन का लेलो: रूआ-राबाङ, रेंगे:—तेताङ नांगेन हुड़िङ—हुड़िङ ते रेओ खर्चा सारे: इतुन। आबु रे नेआ मिआद एदकान हेएवा बोलोआकाना चि मिआद ती ते नाम जाना एटागा: ते खर्चाजाना। जोगाओ काबु इतुआना। नाम जान लो:गे चिमताङ चाबाओ:आ मेनेआ: गेबु उड़ुगा। नाम जान रे जे जोमेआ: जोम, का नाम जान रे सामाते गिति:। तेआगेको मेनेआ: "नामजानरे हाटा: हाटा: का नामजान रे पाटा: पाटा:।" सामाते गिति: दो जाओगेदो का जीलागो:आ। बारसिङ लेका तायोमतेदो रिंड़ि काड़ि बोलोआ। रिंड़िओ दोबाड़ा सूदते ओकोरे नामोगा एनतागाते गेबु आउताना। मोंड़े सिरमा लेका रेओ रिंड़ि का ओम पुराओ: ताना चि ओते

आम कटहल छोड़कर न फल के रूप में न आम के रूप में काम आने वाले युक्लिप्टस इत्यादि पेड़ लगाये जा रहे हैं। जनता जो नहीं चाहती है व हो रहा है और जो जनता चाहती है वह नहीं हो रहा है। जनता की टीम अगर मजबूत होती तो ऐसा नहीं होता। सरकार का काम बिगड़ रहा है यह देखते ही जनता के बीच इसके विरोध चर्चा होनी चाहिये। इसके विरोध में जनता का खड़ा होना चाहिये। इस समय सिर्फ चुनाव के समय सभायें होती हैं। दूसरे अवसरों पर हम सभाओं की अवश्कता ही नहीं समझते। पहले का संगठन, जिसके द्वारा हमारे पुर्खों ने जंगलों को साफ कर देश बसाया, पता नहीं कहां चला गया। उस संगठन को हमें फिर से वापास लाना है।

(3) समयानुसार चलने की जरूरत – हम आदिवासी सदा से अपनी ईमानदारी के लिए प्रसिद्ध हैं। सामान्यतया आदिवासी झूठ नहीं बोलते। किन्तु सिर्फ ईमानदारी से इस समय की दुनिया में काम चलने को नहीं है। ईमानदारी के साथ सतर्क रहने की जरूरत है। दूसरे लोग हमारी ईमानदारी का फायदा उठाकर एक पैला चावल से हमारी जमीन जायदाद छीन रहें हैं। पाँच रूपये के ऋण से हम पांच हजार के फेरे में पड़ते हैं यह सब सरकार की हमें बचाने की व्यवस्था के बावजूद हो रहा है। उदाहरण स्वरूप कानून के अनुसार आदिवासी की जमीन दूसरे के हाथ में नहीं जानी चाहिये लेकिन कितनी जगहों में हमारे लोगों की जमीन जायदाद लूटी जा रही है। दूसरे लोग जहाँ नहीं जाया जा सकता है वहाँ पहुँच रहे हैं। यह सब हमारी मुर्खतापूर्ण ईमानदारी के कारण हो रहा है। समझ बूझ की ईमानदारी और सतर्कता से ही इस समय काम चल सकता है।

इस समय की दुनिया में दौड़ने के लिये आदिवासियों को और एक भारी काम सीखना है। वह काम है भविष्य के लिये, अदृश्य रोग-बीमारी, भूख, प्यास से बचने के लिये, थोड़ा-थोड़ा करके खर्च बचाने की कला सीखना। हम लोगों में यह बुरी आदत समा गयी है कि एक हाथ से मिला दूसरे हाथ से खर्च कर डाला. हम बचाना नहीं जानते। हम यही सोचते हैं कि मिलते ही कब खत्म होगा। इसी को कहते हैं– ''मिला तो सूप भर-भर के खाओ नहीं मिला तो पेट मरोड़कर रह जाओ।'' हर रोज तो बिना खाये नहीं रहा जाता। दो दिन के बाद ऋण, उधार का प्रवेश होता है। ऋण भी जहाँ दूने सूद से मिलता है हम वहीं लेते हैं। पाँच साल से भी जब ऋण नहीं चुकता है तो जमीन

बानदारो:ताना। हुड़िङ दिन तायोमते तेदो एनाओ ओम सिदो: ताना। एनाते दो आसामते निरको: एनाङ। कुली-कबाड़ी तेगे जिनीद सेनो:ताना। मोद पोएसा चिलकाते जामाओ का मेनेआ: रे आबु आपान सेंड़ां काबु खारचाजादा। ने हेएवा दो आबु बादालाए एनाङ। सिउ: ते बारि आसुलो: दो हामबाल गेआ। एटा: धांदाकोओ इतुन लागातिङा। किरिङ– आकिरिङ धांदा रे आबुआ: होड़ोको ने सोमाए दांड़ां कोरे काको नाम ताबोगा। पुरा: गे जारूडु गराङाकान को मोरोए: जाङ आर जाटामेटाइ लेकाना: को आकिरिङ बाड़ाताना। कारेदो गाकि कोदो होनाङ आबु तेगेबु पेरेगाकाना। आबु आरजाओ जादा-बाबा चाउलि एए, मादुकाम, हेड़े-काड़े कोते राटि एटा: कोगे मोटोनताना। ने सोमाए सहयोग समिति को नांगेन सरकार सागाते देंगा नामो: ताना मेनदो एना कोते आबु होरा बाइ जोम एदकाबु बोरोजादा। नेआ बोरोको बागे ले एनाङ कामि दो बाइओ: आ। बेपार कामि दो हुड़िङ लेकादो सूम कोआ: कामि। आबु एनाओ इतुएआ: मेना:।

आदिकाते आबुआ:नेएगे-दस्तुर कोओ खारचा रेआ: होरा बाइआकाना। आबु ताला रेआ: ला: उतार रिंड़ि-काड़ि, आड़ानदि-कोड़ानदि आर गोए: गोनोए: कोरे बोलोताना। नेकान ओड़ा: सोंजोकोतेगे नामो:आ ओकोरे चि आड़ानदि रेआ:ते रिंड़ि का बोलोआकाना। दिकु कोदो आड़ांदि तेको मोटोताना, आबुदो आड़ानदि तेबु रेंगे:ताना। आड़ानदि ओड़ा: ते मोद पुइला चाउमिल इदिजादा मोंड़े होड़ो सातेतेम इदिजाद कोआ। एनता: रे मोंड़े मा हामि:म डेराजादा। आड़ानदि सिदारेओ आपिसा: हामि:म हिजु: सेनो:ताना, इलि सोता को आंजेदोगे जागारेम जिलिंजादा। हिसाबते ला: खारचा आबु खूब बु इतुआना। नेआकोरे लागोम काबु इतुकेरे आबुआ: डुबाओआ: बागेकेआते ओड़ो: होरागे बानो:। एना मेनते ने नेएगे को सुधारेआ: जारूडु मेना:। मिसा हिजु: सेनो:तेगे काजि कामि फारिआओ: का। मुसिङ रेगे आड़ानदि होबाओ: का, मिसा दुनुब रेगे जोम नू-सांगोमो: का। लातार दिसुम, रेआ: इसिटि-फिसिटि, सेंड़ा को होकाओ: का आबु आड़ानदि-ओड़ा: होड़ो को देएंगा लागातिङा। जोम बारिगेदो का सेनो: लागातिङा।

ने कामिकोदो सरकार काए: कामिआबुआ। आपानते कामिले एनाङ। नेआ कोदो आबु सोबेन कोतेगे उडु: तेबा: ले एनाङ। आबु बाँचाओ: तेआ: सेंड़ां आबुते उडु: ले एनाङ।

बंधक में जाती है। कुछ दिनों के बाद जमीन भी सदा के लिये छूट जाती है। इसके बाद तो आरान भागन ही एक रास्ता रह जाता है। कुला-कबाड़ी करते ही सारी जिन्दगी चली जाती है। एक पैसा कैसे जमा होगा इसमें हम अपनी बुद्धि खर्च नहीं करते। यह आदत हमें बदलना पड़ेगा। सिर्फ हल चलाकर भरण पोषण कठिन हैं। हमें दूसरे धन्धे भी सीखने चाहिये। इस समय व्यापार के धन्धे में हमारे लोग खोजने पर भी नहीं मिलते जिन्हें बहुत ही जरूरत हैं वे चने और देहाती मिठाईयों की दुकाने चलाते हैं। अन्यथा ग्राहक तो सारे हमीं लोग हैं। हम जो उपजाते हैं- दाल-चावल, लाह, महुवा, खल्ली भूसा उनके द्वारा भी दूसरे लोग ही मोटे हो रहे हैं। इस समय सहयोग समितियों के लिये सरकार की ओर से सहायता मिल रही है। लेकिन उनके माध्यम से रास्ते निकालने में हम बहुत डरते हैं। ये सब डर छोड़ने पर ही हमारा काम बनेगा। व्यापार का काम कुछ हद तक तो कंजूसों का काम है। हमें वह भी सीखना है।

ऊपर से हमारे संस्कार-दस्तूर भी खर्च के रास्ते बने हुए हैं। हमारा अधिकांश ऋण शादी-विवाह और मृत्यु के संस्कारों में प्रवेश करता है। ऐसा घर संयोग से ही मिलेगा जिसमें विवाह के कारण ऋण नहीं लिया हो। दिकु लोग विवाह के द्वारा मोटे होते हैं। हम विवाह से भूखे होते हैं। हम विवाह-परिवार में एक पैल चावल ले जाते हैं और पाँच आदमी साथ ले चलते हैं। वहाँ पाँच दिन तक डेरा डालते हैं। विवाह के पहले भी हम तीन बार तक आना-जाना करते हैं। इली का स्त्रोत सूखने तक बात लम्बी करते हैं। हिसाब से ज्यादा खर्च करना हमें खूब आता है। इन बातों में अगर हमने संयम करना नहीं सीखा तो हमारे डूबने के सिवा और दूसरा कोई रास्ता नहीं रहेगा। इस लिये हमें इन संस्कारों को सुधारने के जरूरत हैं। एक बार आ-जाकर विवाह का काम फैसला होना चाहिये। एक ही दिन में विवाह होना चाहिये। एक ही बैठक में खाना-पान का काम समाप्त होना चाहिए। पूर्वी क्षेत्र में प्रचलित इस्ट-कुटुम्ब व्यवस्था खत्म होनी चाहिये। हमारा यह कर्तव्य है कि हम विवाह होने वाले परिवार की मदद करें। वहाँ सिर्फ खाने के लिए न जाएं।

सरकार ये सब काम करने वाली नहीं है। वह तो हमें खुद करना होगा। यह सब हमें ही सब मिलकर सोचना है। अपनी सुरक्षा की बुद्धि हमें खुद सोचनी है।

18. राइ राति बानाम दो

डाण्डिओ हुलागाकाना,
दानाबो केचागाकान।
राइ राति बानाम दो,
राजा राति बानाम दो,
चिका लेका हो राजाम
बानामेआ किङ-कोङ?

माद नावा नामेमे,
ऊर नावा दाबेमे।
राइ राति बानाम दो,
राजा राति बानाम दो,
तोबे सोचा हो राजाम
बानामेआ किङ-कोङ।

हाटिआ हो रुमुलो:,
आकाड़ा हो तामुलो:।
राइ राति बानाम दो,
राजा राति बानाम दो,
सिदा लेका हो राजाम
बाामेआ किङ-कोङ।

18. 'राइ रति' सारंगी

डंडी भी टूटी हुई,
छादन भी फटा हुआ!
'राइ रति' सारंगी (से)।
'राजा रति' सारंगी (से)
हे राजा, तुम कैसे
मीठी आवाज निकाल सकोंगे?

नया बांस खोजो,
नया चाम छाओ।
'राइ रति' सारंगी (से)
'राजा रति' सारंगी (से)
हे राजा, तुम तभी
मीठी आवाज निकाल सकोगे।

(तभी) गलियों में गूँज भरेगी,
(तभी) अखाड़े में तुमुल छाएगा।
'राइ रति' सारंगी (से)
'राजा रति' सारंगी (से)
हे राजा, तुम पहले की तरह
मीठी आवाज निकाल सकोगे।

19. काजिबेन कुले

सुगा पिंजिरा,
रिचि गुगुरा,
कोटाए रेओ का गे कोटओ।

काजिबेन कुले, काजिबेन कुले-
जुलेतान सेंगेलरे गोतोमबेन दुले!
काजिबेन कुले, काजिबेन कुले।

दिरि बाकिड़ि,
मेड़ेंद सिकिड़िं,
राड़ाएरे कागे राड़ाओ:।

काजिबेन कुले, काजिबेन कुले-
जुलेतान सेंगेल रे गोतोमबुेन दुले!
काजिबेन कुले, काजिबेन कुले।

सासाङ किचिरि,
टिका सिंदुरि,
मेटाओरे कागे मेटाओ:।

काजिबेन कुले, काजिबेन कुले-
जुलेतानसेंगेल गोतोमबेन दुले!
काजिबेन कुले, काजिबेन कुले।

19. तुम बात भेजते हो

सुग्गे का पिंजड़ा,
बाज का घूंघरू,
छुड़ाने पर छूटते नहीं।

तुम बात भेजते हो, बात भेजते हो-
तुम जलती हुई आग में घी डालते हो।
बात भेजते हो, बात भेजते हो!

पत्थर का घेरा,
लोहे की सिकड़ी,
खोलने पर खुलते नहीं।

तुम बात भेजते हो, बात भेजते हो-
तुम जलती हुई आग में घी डालते हो।
बात भेजते हो, बात भेजते हो!

हल्दी लगा कपड़ा,
माथे का सिंदूर,
मिटाने पर मिटते नहीं।

तुम बात भेजते हो, बात भेजते हो-
तुम जलती हुई आग में घी डालते हो।
बात भेजते हो, बात भेजते हो।

20. आमलेका सुपिद ताञ में

आमलेका गुरिञ गिड़ि,
आमलेका कामिञ दाड़ि,
आमलो: ते आञोञ सुसुना।
दाइगो, ओ, ओ, दाइगो,
आमलेका सुपिद ताञ मे।
आमलेका पाएला ताञ मे।

आम जापा: ताइको:आते,
आमलेका बाइको:आते,
आमलो: ते आञोञ जामाना।
दाइगो, ओ, ओ, दाइगो,
आमलेका सुपिद ताञ मे।
आमलेका, पाएला ताञ मे।

सोंजो कोम सुकु जानरे,
सोंजो कोम बापाइजान रे,
आमलो: ते आञदोञ हिरुमेन।
दाइगो, ओ, ओ, दाइगो,
आमलेका सुपिद ताञ मे।
आमलेका पाएला ताञ मे।

20. तुम्हारी ही तरह मेरा भी जूड़ा बांध दो

मैं तुम्हारी तरह गोबर फेंकती हूँ,
तुम्हारी तरह काम कर सकती हूँ,
(अब) तुम्हारे साथ मैं भी नाचूँगी।
दीदी, हे दीदी,
तुम्हारी तरह मेरा भी जूड़ा बांध दो।
तुम्हारी तरह मेरा भी आंचल संवार दो।

तुम्हारे पास रह कर,
तुम्हारी तरह बन कर,
मैं तुम्हारे साथ मिल जाऊंगी।
दीदी, हे दीदी,
तुम्हारी तरह मेरा भी जूड़ा बांध दो।
तुम्हारी तरह मेरा भी आंचल संवार दो।

संयोग से, अगर तुम्हें पसंद हो,
संयोग से, अगर तुम्हें स्वीकार हो,
तो मैं तुम्हारे साथ सौत रहूँगी!
दीदी, हे दीदी,
तुम्हारी तरह मेरा भी जुड़ा बाँद दो।
तुम्हारी तरह मेरा भी आँचल संवार दो।

21. रूआड़ा लेना

दिसुम-दिसुम होञ दाड़ाकेन-
कोंका लेना।
आपे राचा दुआर ते होञ
रुआड़ा लेना।

होरा सेन-सेन तेञ बालाए लेन-
लागा लेना।
आपे दारू उमबुलते होञ
रूआड़ा लेना।

रेंगे: तेताङ तेञ चोटोङ लेन-
ठाआरा लेना।
आपे सेतोम आतोम ते होञ
रुआड़ा लेना।

आञ दो दासि गे सिदारेन-
निरे लेना।
आपे काटा सुबाते होञ
रुआड़ा लेना।

21. मैं वापस आ गया हूँ

मैं देश-देश घूम रहा था-
पागल हो गया था।
तुम्हारे घर-दरवाजे पर
(अब) मैं वापस आ गया हूँ।

रास्ता चलते-चलते मैं व्यथित था-
थक गया था।
तुम्हारे पेड़ की छाया में
(अब) मैं वापस आ गया हूँ।

भूख-प्यास में मैं बिल-बिला गया था-
जल उठा था।
तुम्हारे झरने के किनारे
(अब) मैं वापस आ गया हूँ।

मैं तो तुम्हारा पुराना नौकर हूँ-
भाग गया था।
तुम्हारे चरणों पर
(अब) मैं वापस आ गया हूँ।

22. आबेन नागेन

चिमिन-चिमिन बोंगा बुरु,
चिमिन-चिमिन देओड़ा गुरु,
आबेन नागेन
आञ दो जूगु जूगुञ जुगिकेन,
आबेन नागेन।

ने हासा होड़ोमो ताञाः,
हुड़िङ लेकान जी ताञाः,
आबेन नागेन
आञ दो जूगु-जूगुञ जांगिकेन,
आबेन नागेन।

नाः दो जीदान ताइन सुमुङ,
नेरे गेबु कामि इनुङ,
आबेन नागेन
आञ दो जूगु-जूगुञ तांगिकेन,
आबेन नागेन।

22. तुम्हारे लिए

कितने-कितने देवी-देवता,
कितने कितने ओझा-गुरू,
तुम्हारे ही लिए।
मैं युग-युग तक योगी रहा
तुम्हारे लिए।

मिट्टी का यह शरीर,
छोटा-सा मेरा जी
तुम्हारे ही लिए।
मैं युग-युग तक ओगरता रहा
तुम्हारे लिए।

अब तो जब तक जीवन है
हम यहीं काम करेंगे, खेलेंगे।
तुम्हारे लिए
मैंने युग-युग तक प्रतीक्षा की
तुम्हारे लिए।

23. आबेन चि ताइकेन

सोंगे कोते सांगिआकान,
गातिकोते गातिआकान,
रेएआड़ा केनकिन आड़िं डोबा रे
सुगाड़ा आबेन चि आबेन चि ताइकेन?

मिसातेगे रेंगेगो: किन,
मिसातेगे तेताङो: किन,
नू केन किन मिदे डुबारे
सुगाड़ा आबेन चि आबेन चि ताइकेन?

मुगुइ:-मुगुइ: लान्दा तानलो:,
जापागार-उपुदुर तानलो:,
दुबकेन किन जोजो सुबारे
सुगाड़ा आबेन चि आबेन चि ताइकेन?

ओकोए देराङ आयुमेतान,
चिमाए देराङ आतेनेतान,
हापेकेन किन हेन्दे नुबा:रे
सुगाड़ा आबेन चि आबेन चि ताइकेन?

23. क्या तुम ही थे?

अपने संगियों के साथ,
साथियों से घिरे हुए,
'डूमर-तालाब' में नहाने वाले,
प्रिय, क्या तुम ही थे, तुम ही थे?

जिन्हें एक ही साथ भूख लगा करती थी,
जिन्हें एक ही साथ प्यास लगा करती थी,
एक ही कटोरे से पीने वाले
प्रिय, क्या तुम ही थे, तुम ही थे?

मुस्काकर हसते हुए,
धक्के देकर बतियाते हुए,
इमली-पेड़ के नीचे बैठने वाले
प्रिय, क्या तुम ही थे तुम ही थे?

शायद कोई सुन रहा हो,
शायद कोई कान लगाए हो,
(यह सोच) अंधियारी में चुप रहने वाले
प्रिय, क्या तुम ही थे, तुम ही थे?

24. 'को होनाङ बाइओ: रेदो

'को होनाङ बाइओ: रेदो
बोंगाञ बाइन जान।
निदा सिंगि आमगेञ ओतोङ जान,
आमा: उमबुल गेञ पिचाजान।

'को होनाङ बाइओ: रेदोञ
जोनोम रुआड़ान जान।
बिङ लेकाञ उरि रूड़ानजान,
आम नागेनेञ नावा रूड़ानजाना।

'को होनाङ बाइओ रेदो
जी गेञ जिमाम जान।
आमलो: तेञ निरे आदेनजान,
हाटिआरेञ कामिनाला जान।

24. अगर यह संभव होता

अगर यह संभव होता
(तो) मैं एक प्रेत बनता!
दिन रात तुम्हारे पीछे पड़ता,
तुम्हारी ही छाया का पीछा करता।

अगर यह संभव होता
(तो) मैं फिर से जन्म लेता।
सांप की तरह अपनी केचुली छुड़ाता,
तुम्हारे लिए मैं फिर से नया बनता।

अगर यह संभव होता
(तो) मैं अपना जी तुम्हें दे देता!
तुम्हारे साथ भागकर कहीं खो जाता,
हटिया के काम करके गुजारा चलाता।

25. हाएबु सोंगेजाना

लेल-लेपेल मुसिङ रेओ,
लान्दा-जागार बारसिङ रेओ,
हाएबु सोंगेजाना।
जी होड़ोमो जामा जाना,
हाएबु सोङगे जाना।

सेन होरा जुदा रेओ,
जीनीद-डारे आपान रेओ,
हाएबु सोङगे जाना।
ईम कुड़ामे नाबेजाना,
हाएबु सोङगेजाना।

उड़ु: दोबु उपुड़ुगा,
चिमिन जाकेद जी मेनागा,
हाएबु सोंगोजाना।
चि तोनोलबु तोलेजाना,
हाएबु सोंगेजाना।

25. हाय, हम संगी बन गए

एक ही दिन की भेंट-मुलाकात से,
एक ही दिन के हंसने बतियाने से,
हाय, हम संगी बन गए।
हमारे मन-प्राण बंध गए,
हाय, हम संगी बन गए।

चलने के रास्ते अलग होने पर भी
जीवन की डहर अलग होने पर भी,
हाय, हम संगी बन गए।
हमारे हृदय भाव-भीनी हो गए,
हाय, हम संगी बन गए।

हम एक दूसरे को याद करेंगे,
जब तक हमारे प्राण हैं,
हाय, हम संगी बन गए।
हम किस बन्धन में बन्ध गए,
हाय, हम संगी बन गए।

26. दिसुम राटि देआ कुण्डाम जान

कुपुल काको सुकु जान,
हागाताञ को हाड़ांजान।
आम नागेन जाति बागे जान,
दिसुम राटि देआ कुण्डाम जान।

निमिन माराङ जालााकर,
डोंगा ताञ दो एसेकार।
आम रेगे जी दो जापा:जान,
दिसुम राटि देआ कुण्डामजान।

आलो गेहोम बागेआ,
आलो गेहोम राड़ाञा।
आम चेतान जोतो जिमा जान,
दिसुम राटि देआ कुण्डामजान।

26. अपना देश तक पीछे रह गया

कुटुम्ब नाखुश हो गए,
भाई नाराज हो गए।
तुम्हारे लिए जाति छुट गई।
अपना देश तक पीछे रह गया।

इतने बड़े जलाकार में,
मेरी नाव अकेली है।
मेरा जी तुम ही से जा मिला।
अपना देश तक पीछे रह गया।

साथी, मुझे कभी न छोड़ना,
साथी मुझे कभी न त्यागना।
तुमहार जिम्मे मैंने सब कुछ दे दिया।
अपना देश तक पीछे रह गया।

27. का गे: तिङगुन

का गे: मानातिङ,
का गे: बुजातिङ,
आञ दोञ कोटोङ केना मिसिसिपि दो,
का गे: तिङगुना।

कोंका लेकागे,
बाउड़ा लेकागे,
आञ दोञ ओतोङ केना मिसिसिपि दो,
का गे: तिङगुना।

'को जाए: इदिञ रे,
'को जाए: सुतु:ञ रे,
आञ दोञ गोड़ोम केना मिसिसिपि दो,
का गे: तिङगुना।

27. वह रूकती नहीं

वह मेरी बात नहीं मानती,
वह मेरी बात नहीं समझती,
मैंने मिसिसिपि को रोकना चाहा था
(पर) वह रूकती नहीं।

पागल की तरह,
बावले की तरह,
मैंने मिसिसिपि का पीछा किया था
(पर) वह रूकती नहीं।

शायद वह मुझे साथ करले,
शायद वह मुझे संग ले ले,
मैं मिसिसिपि के संग लगा था
(पर) वह रूकती नहीं।

28. ने जोजो सुबा दो

ने जोजो सुबा दो
पेरे: लेना।
ने उलि सुबा दो
पारिड़ि लेना।

आमागा: सुगाड़ाते
पेरे: लेना।
आमगा: दुलाड़ाते
पारिड़ि लेना।

मुसिङ नांगेने गे
पेरे: लेना।
बारसिङ नांगेनेगे
पारिड़ि लेना।

28. यह इमली की छाया

यह इमली की छाया
(कभी) भर गई थी।
यह आम की छाया
(कभी) परिपूरित थी।

तुम्हारे सौंदर्य से
(कभी) भ गई थी।
तुम्हारे दुलार से
(कभी परिपूरित थी।

सिर्फ एक दिन के लिए
यह भर गई थी।
सिर्फ दो दिन के लिए
यह परिपूरित थी।

29. बा तेबा: जान रेओ...

बा तेबा: जान रेओ
गातिम बाङगाइ: गेआ।
डालि सेटेर जान रेओ
साङगाम बाङगाइ: गेआ।

मेड़ेंद तेको तोले कि:आ
गातिम बाङगाइ: गेआ।
बायार तेको छांदि कि:आ
साङगाम बाङगाइ: गेआ।

हातु दिसुम नांगेनेगे
गातिम तोले जाना।
ओते हासा नांगेनेगे
साङगाम छानदि जाना।

29. सरहुल के आने पर भी....

सरहुल के आने पर भी
तुम्हारा साथी आया नहीं।
बसन्त के पहुँचने पर भी
तुम्हारा संगी पहुँचा नहीं।

लोगों ने उसे लोहे से बांध दिया
तुम्हारा साथी आ नहीं पाया।
लोगों ने उसे रस्सी से छांद दिया
तुम्हारा संगी पहुँच नहीं पाया।

गांव और देश के लिए
तुम्हारा साथ बन्ध गया।
धरती और मिट्टी के लिए
तुम्हारा संगी छंद गया।

30. निदा सिंगि बोले लोतान रेओ

निदा सिंगि बोले लो तान रेओ
हासा होड़ोमो दो मेना: गेआ।
सेता: सिंगाड़ा बोले बाले तान रेआ
कुकुरू कुड़ामे दो मेना: गेआ।

जीरे सेंगेलेदो नेका गेआ
लोतान रेओ सुगाड़ा हापेको: एनाङ।
कुड़ामरे होण्डोए: दो नेका गेआ।
बालेतान रेओ सुगाड़ा चुपेको: एनाङ।

लेलो: रेचा बोले नामो: रेचा
चाटु दारो तेगेम दुले लेका:।
चिनाओ: रे चा बोले चापुओ: रे चा
मेड़ेंद सानाबेतेम रूले लेका:।

30. रात दिन जलते रहने पर भी

रात-दिन जलते रहने पर भी
यह मिट्टी का शरीर अब भी बचा है।
सुबह शाम धुधुआने पर भी
यह लकड़ी की छाती अब भी बचा है।

हृदय की आग ऐसी ही होती है,
जलते रहने पर भी मौन रहना पड़ता है।
छाती का खौलना ऐसा ही होता है,
धुधुआते रहने पर भी चुप रहना पड़ता है।

अगर यह दिखाई देती या खोजने से मिलती
तो इसे हांड़ी का पानी उंडेल कर बुझाते।
अगर यह पहचान में आती या पकड़ में आती
तो इसे लोहे की चिमटे से पकड़कर निकालते।

31. ने होनको मिसातेको हाराजाना

ने होनको मिसातेको हारा जाना,
किंकिड़ो: सुगाड़ा को सुगाड़ान जाना।
ने होनको जामातेको माता जाना,
मारा: सिंगारेको सिंगारेन जाना।

एंगा आपु बोले बुगिन तेगे,
किंकोड़ो: सुगाड़ा को सुगाड़ान जाना।
हागा बारे बोले नापाएतेगे,
मारा: सिंगारेको सिंगारेन जाना।

31. ये बच्चे एक साथ बढ़े

ये बच्चे एक साथ बढ़े,
ये किंकोड़ो की तरह सुसज्जित हुए।
ये बच्चे एक साथ बिकसे,
ये मयूर की तरह शृंगारित हुए।

इनके माँ-बाप अच्छे हैं,
इसीलिए ये किंकोड़ो: की तरह सुसज्जित हुए
इनके भाई-बन्धु भले हैं,
इसीलिए ये मयूर की तरह शृंगारित हुए।

32. होयो होरलोसि उरुडु साकाम

होयो होरलो सि उरुडु साकाम
चिका लेकाते किन सोंगोति जाना?
गाड़ा साड़ागिर रोओड़ो डुटु
मेरे लेकाते किन पिरिति जाना?

चिका लेकाते किन सोंगोति जाना?
दुदुगार तालारे किन जापागार ताना,
मेरे लेकाते किन पिरिति जाना?
कोंआसि आतोमरे किन लापानदा ताना।

32. बवण्डरी हवा और झड़ा हुआ पत्ता

बवण्डरी हवा और झड़ा हुआ पत्ता
इनमें कैसे संगति हुई?
प्रपाती नदी और सूखा कुंदा
इनमें कैसे प्रीति हुई?

इनमें संगति कैसे हुई?
ये तूफान के बीच बतिया रहे हैं।
इनमें प्रीति कैसे हुई?
ये कुहासे के किनारे हँस रहे हैं।

33. आपे जाआ: दारु रेदो आञ जाआ: चेड़ें

आपे जाआ: दारु रेदो आञजाआ: चेड़ें
आपेआ: दाड़ारेगेञ डेराएआ होनाङ।
आपे जाआ: चुपाद रेदो आञ जाआ: ओड़े
आपेआ उमबुल रेगेञ बासाएआ होनाङ।

आङो: पिचिद बोले तुरो: पिरिद
दुराङ तेगे बोलेञ जागारा होनाङ।
आयुबो: पिचिद बोलो हासुरो: पिचिद
गोलेतेगे बोलेञ बाकाड़ां होनाङ।

33. अगर तुम पेड़ होते और में चिड़िया

यदि तुम पेड़ होते और मैं चिड़िया,
मैं तुम्हारी ही डाल पर डेरा डालता।
यदि तुम झाड़ होते और मैं पंछी,
मैं तुम्हारी ही छाया में वास करता।

भोर होते ही, सूरज उगते ही
मैं तुम्हारे साथ गीतों से ही बात करता।
शाम होते ही, सूरज डूबते ही
मैं तुम्हारे साथ सिसकारियों से ही गप करता।

34. जेटे ते चि बोले लोलोते चि

जेटे ते चि बोले लोलो ते चि?
हारा रे लुदाम बा दो गोसो ताना।
एलाङ ते चि बोले आयुर ते चि?
डारे रे चामपा बा दो माएला ताना।

जेटेओ कागे बोले लोलोओ कागे
सोमाए सेनो: तानते गोसोताना।
एलाङो कागे बोले आयुरो कागे
नुसाड़ा बिरिद तानते माएला ताना।

34. धूप से या गर्मी से

धूप से या गर्मी से
रास्ते का लुदम फूल मुर्झा रहा है।
ताप से या लू से
डहर का चम्पा फूल सूख रहा है।

धूप भी नहीं, गर्मी भी नहीं,
उसका समय जा रहा है इसलिए मुर्झा रहा है।
ताप भी नहीं, लू भी नहीं,
(उसकी) तरूणाई बीत रही है, इसलिए सूख रहा है।

35. एंगा आपुमेको रिम्बिल ओड़ा

एंगाम आपुमेको रिमबिल ओड़ा:
सालु सुगा लेकाम लानदा जागार।
हागाम बारेमेको कोलोम राचा
जालिआ मारा: लेकाम सेने बेड़ाए।

सामाड़ोम लेका गेको जोगाओ ताद मेआ
ओड़ा: दुआर राटिम सिंगार तादा।
गोतोम लेका गेको जोतोन ताद मेआ।
हाटिआ होरा राटिम मासाकाल तादा।

आम लेलेम नांगेनेगे: तुरेताना
सिंगि तुरो: मुलितुरेतान सिंगि।
आम चीना नांगेनगे: मुलुगेन ताना
चाण्डु: मुलु: मुलि मुलु: तान चाण्डु:।

35. तुम्हारे भी बाप का आसामन सा घर

तुम्हारे माँ-बाप का आसमान-सा घर
तुम लालमय सुग्गे की तरह हंसती बोलती हो।
तुम्हारे भाई-बन्धुओं की खलिहान-सा आंगन
तुम झालदार मयूर की तरह चलती फिरती हो।

उन्होंने तुम्हें सोने की तरह संजो कर रखा है,
तुमने घर-द्वारा शृंगारित कर दिया है।
उन्होंने तुम्हें घी की तरह यत्न से रखा है
तुमने गली-रास्ता प्रकाशित कर दिया है।

तुम्हें देखने के लिए ही उगता है
पूरब में उगने वाला सूरज।
तुम्हें निहारने के लिए ही उदित होता है
पश्चिम में उदित होने वाला चन्द्रमा।

36. आम सेनो: तायोमते जोजोसुबा

आम सेनो: तायोमते जोजो सुबा
जोजो सुबा दोरे सिङ सोड़ोंए: जाना।
आम बिरिद तायोमते उलि सुबा
उलि सुबा दोरे सुनसान जाना।

आमागा: उमबुलगे होञ ओतोङ केना
मेनदो उमबुल राटिम मेटाओ केदा।
आमाग: नुतुमगेहोञ कुलिकेना
मेनदो नुतुम राटिम बादाला केदा।

साबो: बोरोते चि तोलो: चिरि
आमदो उमबुल राटिम मेटाओ केदा?
नेदो: गिउ:ते चि लोसोदो: सोरोम
आमदो नुतुम राटिम बादाला केदा?

36. तुम्हारे जाने के बाद इमली की छाया

तुम्हारे जाने के बाद इमली की छाया,
इमली की छाया एकान्त हो गई।
तुम्हारे उठने के बाद आम की छाया,
आम की छाया सूनी हो गई।

मैंने तुम्हारी ही छाया का पीछा किया
किन्तु तुमने अपनी छाया तक मिदा दी।
मैंने तुम्हारे नाम से पूछताछ की
किन्तु तुमने अपना नाम भी बदल दिया

पकड़ाने के डर से या बन्धाने के भय से?
तुमने अपनी छाया तक मिटा दी।
रंगाने की लाज से या मलियाने के शर्म से?
तुमने अपना नाम तक बदल दिया।

37. सिदोरेन गातिमेको हासा गाड़ाताना

सिदारेन गातिमेको हासागाड़ा ताना।
का चि गातिञ रेको उदुबाद मेआ?
तायोमरेन साङगामेको सेंगेल साकिताना
का चि सांङगाञ रेको चुण्डुलाद मेआ।

का चि गातिञ रेको उदुबाद मेआ?
सुकान बुरुआतेः दाङसिन जाना।
का चि साङगाञ रेको चुण्डुलाद मेआ?
दाः सोङ साड़ागिर रेः खादिड़िन जाना।

आमाः उडुः जीरे होण्डोएः तेगे
सुकान बुरुआतेः दाङसिन जाना।
आमाः फिकिर ईमरे ओण्डोर तेगे
दाः सोङ साड़ागिर रेः खादिड़िन जाना।

37. तुम्हारे पहले साथी का लोग मिट्टी संस्कार कर रहे हैं

तुम्हारे पहले साथी का लोग मिट्टी संस्कार कर रहे हैं,
प्रिय उन्होंने तुम्हें नहीं बताया क्या?
तुम्हारे पिछले संगी का लोग दाह संस्कार कर रहे हैं,
प्रिय, उन्होंने तुम्हें सूचना नहीं दी क्या?

प्रिय, उन्होंने तुम्हें नहीं बताया क्या?
वह सुकन पहाड़ के कूद गया।
प्रिय, उन्होंने तुम्हें सूचना नहीं दी क्या?
वह द:सों के प्रपात में झांप गया?

मन में तुम्हारी सोच के खौलने के कारण
वह सुकन पहाड़ से कूद गया।
हृदय में तुम्हारी याद के जलने के कारण
वह द:सों के प्रपात में झाँप गया।

38. आबेन चि मिसाते रोआलेद?

आबेन चि मिसाते रोआते?
होरा रे जुड़ि डालिकिङ
मिसाते जुमबुलिजान।
मिसाते जुमबुलि जान।
आबेन चि मिसाते पोआलेद?
डारे रे जोता जोजो किङ
मिसाते जुमपा जान।
मिसाते जुमपा जान।

आबेन चि मिसाते उरे लेद?
बुरु रे जुड़ि डोबा किङ
मिसाते पेरेगे जान।
मिसाते पेरेगे जान।
आबेन चि मिसाते गेले: लेद?
बेड़ा रे जोता बानदा किङ
मिसाते पारिड़ि जान।
मिसाते पारिड़ि जान।

38. क्या तुम्हीं ने एक साथ रोपा था?

क्या तुम्हीं ने एक साथ रोपा था?
रास्ते के आम के पेड़ों की जोड़ी में
एक ही साथ फलों के गुच्छे लगे।
एक ही साथ फलों के गुच्छे लगे।
क्या तुम्हीं ने एक साथ लगाया था?
डहर के इमली के पेड़ों के युग्म में
एक ही साथ फलों के झोंपे लगे।
एक ही साथ फलों के ढोंपे लगे।

क्या तुम्हीं ने एक साथ खोदी थी?
पहाढ़ पर की दो तलैया
एक ही साथ भर गईं।
एक ही साथ भर गईं।
क्या तुम्हीं ने एक साथ बनाए थे?
घाटी के दो बांध
एक ही साथ भर गए।
एक ही साथ भर गए।

39. बानदु नाड़िं हादो: रेओ

बानदु नाड़िं हादो रेओ,
मेड़ेंद सानाब सिदो: रेओ,
जी बायार तोनोल दो
का गे सुगाड़ा राड़ाओ:।

हातु दिसुम आतु: रेओ,
ओते सिरमा डुबाओ: रेओ,
कुड़ाम दिरि ओनोल दो
का गे सुगाड़ा मेटाओ:।

सिंगि राटि: गिति: रेओ,
चाण्डु: राटि: टुडुम रेओ,
ईम सेंगेल जुनुल दो
का गे सुगाड़ा होकओ:।

39. बन्दु लता के कटने पर भी

बन्दु लता के कटने पर भी,
लोहे की सिकड़ी के टूटने पर भी,
हृदय की रस्सी का बन्धन,
हे प्रिय, खुलता नहीं।

गाँव-देश बह जाने पर भी,
धरती-आसमान के डूब जाने पर भी,
छाती के पत्थर का लेखन,
हे प्रिय, मिटता नहीं।

सूरज के सो जाने पर भी,
चांद को नींद आ जाने पर भी,
हृदय की आग की दहक,
हे प्रिय, बुझती नहीं।

40. आले हातुम तेबागे लो:

आले हातुम तेबागे लो:,
आले राचाम चापादे लो:,
आए: तेगे आए: तेगे
बा रुआड़ा जान
हातु ताला एदेल।

आम सेने होयो तेगे,
आम लानदाए लोलो तेगे,
माड़िं तेगे माड़िं तेगे
जो रुआड़ा जान
बिरेताला मेरेल।

सिदा सानाङ एओने जान,
तायोम उडु: उपारे जाना,
हापेतेगे हापेतेगे
जुले रूआड़ा जान
जी ताला सेंगेल।

40. हमारे गांव में तुम्हारे पहुँचने के साथ

हमारे गाँव में तुम्हारे पहुँचने के साथ,
हमारे आंगन में तुम्हारे आगमन के साथ,
अपने आप, अपने आप
फिर से पुष्पित हुआ
गाँव-बीच सेमल।

तुम्हारे चलने की हवा से ही,
तुम्हारे हंसने की गर्मी से ही,
धीरे से, धीरे से
फिर से फलित हुआ
वन-बीच आंवला।

पहले की इच्छा जगी,
पिछली चाह उभर आई,
चुपचाप, चुपचाप
फिर से सुलग उठी
हृदय-बीच आग।

41. आम रे ने जी

रेएद रानु को रिदेलेका,
सेर मेड़ेंद को मिदेलेका,
रिदे किञाम, मिदे किञाम,
लेआ गेञ लेआ जान।
आमरे ने जी
जामा गे जामाजान।

लिजा: किचिरिको नेदेलेका,
लुम हासा को जोदे लेका,
नेदे किञाम, जोदे किञाम
राङगा गेञ राङगाजान।
आमरे ने जी
जामागे जामाजान।

जो जारोमको गोदे लेका,
जाआन आड़ा: को सिदे लेका,
गोदे किञाम, सिदे किञाम
सालागेञ सालाजान।
आमरे ने जी
जामागे जामाजान।

41. तुम में यह जी

जड़ी-बूटी पीसने की तरह
गला लोहा मिलाने की तरह
तुमने मुझे पीस डाला, मिला डाला
मैं धुल गया।
तुममें यह जी
मिल गया।

कपड़े-लते रंजने की तरह
गीली मिट्टी पोतने की तरह
तुमने मुझे रंज डाला, पोत डाला
मैं रंग गया।
तुम में यह जी
मिल गया।

पके फल तोड़ने की तरह
कोई साग टूंगने की तरह
तुमने मुझे तोड़ लिया, टूंग लिया—
मैं बिन गया।
तुम में यह जी
मिल गया।

42. इदिञ मे हो इदिञ मे

कागेञ जीला दाड़ि ओड़ो:
जीरे रानाचा दो।
कागेञ सातिङ दाड़ि ओड़ो:
ईमरे केनेचा: दो।
इदिञ में हो इदिञ मे
दुकु-सुकु आतोम ते।
इदिञ में हो इदिञ मे
आपे हातु दिसुमते
इदिञ मे हो इदिञ मे।

दानाङो: काञ नाजोम मेदाते
आमा: सुनुपिद लातार रे।
चातोमो: काञ मुदाइ जीआते
आमा: आचोड़ों आतोम रे।
इदिञ मे हो इदिञ मे
एएआ बुरु पारोम ते।
इदिञ मे हो इदिञ मे
आपे हातु दिसुम ते
इदिञ मे हो इदिञ में।

जी बालाए बादालाते दो
जी सोबेनेञ जिमामे।
कुड़ाम सेंगेल बादालाते दो
कुड़ाम राटिञ ओमामे।
इदिञ मे हो इदिञ मे
बेगार सोना मुंदाम ते
इदिञ मे हो इदिञ मे
आपे हातु दिसुम ते
इदिञ मे हो इदिञ मे।

42. मुझे ले चलो, साथ, ले चलो

मैं और नहीं सह सकता
अपने मन का तनाव।
मैं और नहीं सह सकता
अपने हृदय का कटाव।
मुझे ले चलो, साथी, ले चलो
दुख-सुख के किनार।
मुझे ले चलो, साथी, ले चलो
अपने देश-गांव।
मुझे ले चलो, साथी, ले चलो।

छिपूँ मैं बुरी नजर से
तुम्हारे जुड़े के नीचे।
लुकूं मैं ट्रुष्ट मन से
तुम्हारे आंचल के किनारे
मुझे ले चलो, साथी, ले चलो
सात पहाड़ों के उस पर।
मुझे ले चलो, साथी, ले चलो।
अपने देश-गांव।
मुझे ले चलो, साथी, ले चलो।

अपने जी के कष्ट के बदले
मैं अपना हृदय ही तुम्हें दे दूंगा।
अपनी छाती की आग के बदले
मैं अपनी छाती ही तुम्हें सौंप दूँगा।
मुझे ले चलो, साथी, मुझे ले चलो।
बिना सोने की अंगूठी के
मुझे ले चलो, साथी, ले चलो
अपने देश गांव।
मुझे ले चलो, साथी, ले चलो।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Dr. RAM DAYAL MUNDA : A BRIEF BIO DATA

BIRTH

Village : Diuri, P.O. Tamar, Ranchi, Jharkhand, 1939.

EDUCATION

Lutheran Mission School, Amlesa, Tamar, Ranchi, 1946-53.
S.S. High School, Khunti, Ranchi, 1953-57.
Ranchi University, Ranchi, 1957-63, M.A. (Anthropology).
University of Chicago, USA, 1963-70, M.A. PhD (Linguistics).

RESEARCH AND TRAINING

Research Assistant, South Asian Languages and Civilizations, University of Chicago, 1963-70.
Assistant Professor- Associate Professor, South Asian Studies, University of Minnesota, Minneapolis, 1970-81.
University Professor, Tribal and Regional Languages, Ranchi University 1981-99.
Visiting Professor, Australian National University, Canberra, 1983.
Visiting Professor, Syracuse University, New York, 1996.
Visiting Professor, Tokyo University of Foreign Studies, 2001.

FELLOWSHIPS

American Institute of Indian Studies, 1977-78.
United States Education Foundation in India, 1996.
Japan Foundation, Tokyo, 2001.

FIELD OF RESEARCH AND TEACHING

Indian Languages and Literatures.
Tribal Peoples of India.
World Indigenous Movement.
Jharkhand Movement.
Reconstructing Jharkhand.

ADMINISTRATIVE SERVICES

Pro Vice-Chancellor, Ranchi University, 1985-86.
Vice-Chancellor, Ranchi University, 1986-88.

MEMBERSHIP IN NATIONAL/INTERNATIONAL COMMITTEES/ORGANIZATIONS

1. Committee on Jharkhand Matters, Government of India, 1989-95.
2. Anthropological Survey of India, 1989-95.
3. National Education Policy Review Committee, 1990.
4. Steering Group, Planning Commission, 1996-2000.
5. Expert Committee, National Commission, Women, 1997-2000.
6. Indian Confederation of Indigenous and Tribal Peoples, 2000-08 (Chief President).
7. Indian Confederation of Indigenous and Tribal Peoples, 2000-08 (Chief Advisor).
8. National Advisory Board, International Labour Organization (ILO), 1997-2000.
9. Executive Committee, Jawaharlal Nehru University, 1990-1995.
10. Executive Committee, North Eastern Hill University, 1993-1996.
11. Jharkhand Peoples Party, 1991-98(Chief President).
12. Adim Jati Seva Mandal, 1990-Present. (President)
13. Jharkhand Sanskritik Morcha, 1998-Present (President).
14. Ranchi University PG Teachers' Association, 1998-2000 (President).
15. Bharatiya Sahitya Vikas Nyas, 1998-Present (Secretary).
16. Binrai Institute of Research and Action, 1997-Present (President).
17. Standing Committee, Human Rights Education University Grant Commission, 1998-2001.
18. National Committee for Promotion for Social & Economic Welfare, 1998-2001.
19. Expert Committee, Sahitya Academy, 1999-Present.
20. National Council for Teachers Education, 2000- 2003.
21. Working Group on Empowerment of Scheduled Tribe, Planning Commission, 2000-2005. (Chairman).
22. All India Literary Forum, (President, 2005---present).
23. Technical Support Group for Formulation of Rules to Operationalise the Schedule Tribe and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006, Ministry of Tribal Affairs, Government of India, 2007, (Member).
24. Committee to Setup Central Tribal University, 2007, (Member).

PARTICIPATION IN INTERNATIONAL MEETINGS/CONFERENCE

1. Festival of India in USSR, 1987 (Leader of the delegation).
2. International Music Workshop, Bali, Indonesia, 1988.
3. International Dance Alliance, Manila, Philippines, 1989
4. International Folk Dance Festival, Taipei, 1990.
5. Adivasi Campaign in Europe, 1993.
6. Dalit Campaign in Europe, 1994.
7. International Conference on Indigenous Economy, Copenhagen, Denmark 1997.
8. United Nations Working Group on Indigenous Populations, Geneva, 1987-Present (Leader of the delegation).
9. International Alliance for Indigenous Peoples of the Tropical Forests, Nagpur, 1998.
10. Asian Indigenous Peoples' Conference on UN Permanent Forum on Indigenous. Peoples, Indore, 1999.
11. International Conference on Hunting and Games, Berlin, 2000.
12. International Conference on Indigenous Peoples, Upsala, Sweden, 2002.
13. Asian Indigenous Peoples Conference on UN Permanent Forum on Indigenous Issue, Bangkok, 2002.
14. The UN Permanent Forum on Indigenous Issues, New York, 2002-Present.

PUBLICATIONS

1. Four Mundari Jadur Songs in THE EAST WEST REVIEW 2(3), 1966(with Norman Zide).
2. HISIR (Necklace, Modern Mundari Songs), Sahkari Prakashan, Ranchi,1967
3. SELED (Miscellaneous Poems in Mundari, Nagpuri and Hindi), Sahkari Prakashan, Ranchi,1967
4. PROTO-KHERWARIAN SOUND SYSTEM, Department of South Asian Languages and Civilization, University of Chicago, 1967
5. Songs on Birsa and his Movement in Journal of Social Research 12, Department of Anthropology, Ranchi University, 1969 (with Norman Zide)
6. Descriptive Dialogue Songs in Mundari in M.C. Pradhan, P.K. Mishra and D.J. Shastri(Eds.) ANTHROPOLOGY AND ARCHEOLOGY, Oxford University Press, Bombay, 1969 (with Norman Zide).
7. Aspects of the Mundari Verb in Indian Linguistics 30, 1969.
8. Structural influence of Bengali Vaishnav songs on Traditional Mundari songs in JOURNAL OF SOCIAL RESEARCH 13, Department of Anthropology, Ranchi University, 1970.
9. MUNDARI GĪTKĀR, SHRI BUDU BABU AUR UNKI RACHNAE, Adivasi Sahitya Parishad, Ranchi, 1974.
10. OCEAN OF LAUGHTER, English Translation of Hāsyārnava (The Sanskrit Play by Jagadishwara Bhattacharya), Writers Workshop, Calcutta, 1975 (with David Nelson).
11. STRUCTURAL FEATURES OF THE VAISHNAV SONGS OF PARGANA BANGALI, PhD Thesis, Department of Linguistics, University of Chicago, 1975.
12. KALYANI, English translation of the KALYĀNĪ (Hindi Novel by Jainendra Kumar), Department of South Asian Studies, University of Minnesota, Minneapolis, 1976(with Paul Staneslow and Mark Johnson).
13. Some Formal Features of Mundari Traditional Poetry in Philip Jenner, Lawrence Thompson and Stanly Starosta (Eds) AUSTRO ASIATIC STUDIES, University of Hawaii Press, 1976
14. HOLY MAN FROM JAMANIA, English Translation of the Hindi novel JAMANIA KĀ BĀBĀ by Nagarjuna, Writers Workshop, Calcutta, 1977 (with Paul Staneslow).
15. Word Deformation in Mundari Song Texts in Peter Ponette (Ed) MUNDA WORLD, Catholic Press, Ranchi 1978(with Norman Zide).
16. KUCHH NAE NĀGPURĪ GĪT (Songs in Nagpuri), Nagpuri Sahitya Parishad, Ranchi, 1978.
17. MUNDĀRĪ VYĀKARAN (Mundari Grammar), Mundari Sahitya Parishad, Ranchi, 1979.
18. DHRUWA SWAMINI, English Translation of Hindi Play by Jaishankar Prasad, Department of South Asia Studies, University of Minnesota, Minneapolis. Also in JOURNAL OF SOUTH ASIAN LITERATURE 14, Michigan State University Press, 1979 (with Paul Staneslow).
19. Tribal development in JHARKHAND in P. Das Sharma(Eds)PASSING SCENES IN CHOTANAGPUR, Maitree Publications, Ranchi, 1980.
20. EEA NAWA KAANIKO (Seven New Stories), Mundari Sahitya Parishad, Ranchi, 1980.
21. TITLI, English Translation of the Hindi Novel by Jaishankar Prasad, Department of South Asia Studies, University of Minnesota, Minneapolis,1980(with Paul Staneslow).
22. NADĪ AUR USKE SAMBANDHĪ TATHĀ ANYA NAGĪT, Jharkhand Sahitya Parishad, Ranchi, 1980.
23. THE SUN CHARIOTEER, English Translation of Hindi long poem RASHMIRATHI by Ramdhari Singh Dinkar, Department of South Asia Studies, University on Minnesota,1981 (with Paul Staneslow and David Nelson).

24. LANGUAGE OF POETRY, Classical Publication, Delhi, 1981.
25. BIRSA MUNDA, Hindi Translation of the BENGALI BIRSA MUNDA by Mahasweta Devi, Ekta Prakashan,Chaibasa,1981.Second edition, Sail Rakab Puthi Centre, Calcutta, 2000.
26. WAPASI, PUNARMILAN AUR ANYA NAGĪT, Jharkhand Sahitya Parishad, 1985.
27. ALL JHARKHAND STUDENTS UNION KA SAMVIDHĀN, Ranchi, AJSU, Ranchi, 1986(with S. Basu Malik, Suraj Singh Besra and Deosharan Bhagat).
28. MEMORANDUM OF JHARKHAND COORDINATION COMMITTEE, JCC, Ranchi, 1987 (with B.P.Keshari, Santosh Rana, S. Basu Malik, and Suraj Singh Besra) .
29. JHARKHAND VĀRTĀ, Position Paper for talks between the JCC and the Central Government, JCC, Ranchi, 1989 (with B.P.Keshri).
30. Tribal Identity: The Crisis and the Way Out in Karuna.M.Braganza and S.Peeradina(Eds) CULTURAL FORCES SHAPIG INDIA, (Macmillan) Bangalore, 1989 Also in RELIGION AND SOCIETY 36, Bangalore, 1989.
31. Jharkhand Movement, Retrospect and Prospect in JOURNAL OF SOCIAL CHANGE, Council for Social Development, Delhi, 1990.
32. JHARKHAND PEOPLES PARTY KA SAMVIDHĀN, JPP Office, Ranchi, 1990 (with Suraj Singh Besra and Devsharan Bhagat).
33. Dispossession and Exploitation of Tribal Peoples Through Communication Manipulation, with Special reference to Jharkhand in RELIGION AND SOCIETY 38,1991
34. Recent Development in Jharkhand Movement in INDIA INTERNATIONAL QUTERLY, Indian International Centre, 1992.
35. Introduction to Indigenous and Tribal Solidarity, ICITP, Delhi, 1997.
36. BHURIA COMMITTEE REPORT AUR JHARKHAND KI SHETRA ME USKĀ KĀRYĀNVAYAN, Jharkhand Prakashan, Ranchi, 1997.
37. Abstract on Socio-Cultural Rights: Language, Education and Cultural Identity in B.K. Roy Burman and B.G. Verghese (Eds) ASPIRING TO BE, Delhi, Konark Publication, 1995.
38. An Insiders View of the Struggle for Jharkhand in JAI JHARKHAND, Coimbatore, Sarini, 1999.
39. Adivasi Identity in RISING FACISM, Delhi, Update Collection, 2000.
40. ADI DHARAM, Religious Beliefs of Adivasi of India, Sarini, Coimbatore, 2000. Hindi Version, Jharkhand Prakashan, Ranchi, 2001. Bangali, Sail Rakab Puthi Centre, 2002.
41. ADIVASI ASTITVA AUR JHARKHANDI ASMITA KE SAWĀL, Prakashan Sansthan, Delhi, 2001.
42. ADANDI BONGA (WIVĀH MANTRA), Jharkhand Prakashan, Ranchi, 2001 (with Ratan Singh Manki).
43. JI-TONOL (MAN BANDHAN), Jharkhand Prakashan, Ranchi, 2002.
44. JI-RANAṚA (MAN BICHHURAN), Jharkhand Prakashan, Ranchi, 2001.
45. ENEON (JĀGARAN), Jharkhand Prakashan, Ranchi, 2002.
46. BA (H) BONGA (SARHUL MANTRA), Mundari- Hindi Version, Jharkhand Prakashan, Ranchi, 2002.
47. REPORT OF THE WORKING GROUP ON EMPOWERMENT OF THE SCHEDULE TRIBES DURING THE TENTH FIVE YEAR PLAN, Planning Commission, Government of India, Delhi, 2002.
48. GONOE? PAROMEN BONGA (SHRĀDDHA MANTRA), Mundari Hindi Version, Sail Rakab Puthi Centre, Calcutta, 2003(with Ratan Singh Manki).
49. JHARKHAND MOVEMENT, Indian Social Institute, Delhi, 2000 (with S. Basu Malik).
50. GLOBALISATION AND THE CHALLENGES OF TRIBAL DEVELOPMENT (Dr. Durgabai Deshmukh Memorial Lecture), Council for Social Development, New Delhi, 2005.
51. ADI DHARAM, BHĀRATIYA ADIVĀSIYAON KI DHĀRMIK ASTHĀYEN, New Delhi (Rajkamal Prakashan), 2009.
52. SOSOBONGA (BHELWA PŪJAN) PUNARNAVISRIT, New Delhi (Rajkamal Prakashan) in press.

WORKS IN PROGRESS

1. TUKUI? LUTUR BONGA (KARNA BEDHI MANTRA), Mundari-Hindi Version.
2. BURU SENGEL (FOREST FIRE), Mundari Novel.
3. RECONSTRUCTING JHARKHAND: A DEVELOPMENT BLUE PRINT.
4. INDIA'S CONTRIBUTION TO THE UN WORKING GROUP ON INDIGENOUS POPULATIONS 1990-2000.(with Jebra Ram Muchahari)
5. MUNDARI VYAKARAN AUR SABDKOSH.
6. PANCHPARGANA KE PREM GEET.
7. MUNDARI CHHAND.

8. MUNDARI LOKGEET/KAVITAYEN.
9. JHARKHANDI JAGARAN GEET.
10. STUDIES IN TRIBAL LANGUAGES AND CULTURES OF INDIA, Professor Norman Zide Commemoration Volume.

उल्लेखनीय सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ

आदिवासी सांस्कृतिक पहचान प्रतिबिंबन-

- रांची विश्वविद्यालयी दिनों में ही वृहत्तर झारखण्ड क्षेत्रीय आदिवासी सरहुल महोत्सव के रूप में रांची में एक विशाल शोभायात्रा की परम्परा प्रारंभ करने में प्रमुख भूमिका। इस महोत्सव ने कालक्रम में पिछले 50 वर्षों में एक क्षेत्रीय विकेन्द्रित रूप ले लिया है जिसके फलस्वरूप चैत्र का पूरा महीना ही महोत्सवमय हो जाता है।
- विदेश (अमेरिका-यूरोप) प्रवास के 18 वर्षों 1963-81 के दौरान भाषाविज्ञान और भारत विद्या के अध्ययन-अध्यापन के क्रम में साउथ एशिया फोक पर्फोमर्स के 25 सदस्यीय दल के नेतृत्वकारी टीम सदस्य के रूप में मध्य अमेरिका के प्रमुख विश्वविद्यालयों एवं अन्तरराष्ट्रीय नृत्यसंगीत आयोजनों में सफल सहभागिता।
- स्वदेश वापस आने के बाद रांची विश्वविद्यालय के अन्तर्गत जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग की स्थापना के साथ भारत में आदिवासियों के बीच सांस्कृतिक पुनर्जागरण का 'प्रारंभ। साथ ही पूर्व एशिया (ताइपेई, जापान) एवं दक्षिण-पूर्व एशिया (इण्डोनेशिया, फिलीपींस) में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आयोजनों में झारखण्डी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सफल प्रस्तुति।
- झारखण्ड विषयक समिति, भारत सरकार (1989-2000) में सक्रिय भागीदारी एवं उल्लेखनीय भूमिका, जिसके फलस्वरूप झारखण्ड राज्य का गठन।
- विश्व सामाजिक मंच (World Social Forum) मुंबई (2004) एवं दिल्ली (2007) सत्रों में सर्वोत्तम भागीदारी।
- डोम्बारी पहाड़ (जिला-खूंटी, झारखण्ड) पर जनसहयोग एवं सरकारी विभागों के समन्वय से आदिवासी महानायक, बिरसा मुण्डा की विशालकाय (18 फीट) प्रतिमा एवं 80 फीट का शहीद स्तंभ खड़ा करने में अग्रणी भूमिका निर्वहन।
- झारखण्ड सांस्कृतिक क्षेत्र में यहां की लोक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए अखरा ग्राम सांस्कृतिक केन्द्र के पुनर्जागरण एवं विस्तार-प्रसार को एक अभियान का रूप देने में उल्लेखनीय भूमिका निर्वहन। इस चेष्टा की मान्यता स्वरूप 2008 में संगीत-नाटक अकादमी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के करकमलों से पुरस्कृत।
- सरकारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से मिलकर जनविकास के अनेक कार्यक्रमों में सफल सहभागिता, विशेषकर वन विस्तार एवं संरक्षण के क्षेत्र में।
- राष्ट्रीय स्तर पर आदिवासी जनहित अधिनियमों के प्रारूप निर्माण कार्य में सक्रिय भूमिका, विशेषकर ग्राम स्वशासन (PESA) आदिवासी नीति एवं वन नीति-नियम निर्माण में।
- प्रकृति और मनुष्य के पारस्परिक सम्पोषण (Symbiotic) संबंध को बनाए रखने की चेष्टा के एक आस्थागत अभियान का रूप आदिधर्म को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापना को समर्पित एवं देश की आदिवासी आबादी के लिए 'आदिधर्म' की प्रस्तावना।
- देश के आदिवासी क्षेत्रों में फैलते हुए उग्रवाद पर चिंतित एवं इसके पीछे की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने की चेष्टा में संलग्न।

Travels: North America, Europe, Asia-Pacific
Contact: Sarnatoli- Hatma, Behind Ranchi College, Ranchi-834008, Jharkhand.

उल्लेखनीय सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियां

आदिवासी सांस्कृतिक पहचान प्रतिबिंबन–

- राँची विश्वविद्यालयी दिनों में ही वृहत्तर झारखण्ड क्षेत्रीय आदिवासी सरहुल महोत्सव के रूप में राँची में एक विशाल शोभायात्रा की परम्परा प्रारंभ करने में प्रमुख भूमिका। इस महोत्सव ने कालक्रम में पिछले 50 वर्षों में एक क्षेत्रीय विकेन्द्रिय रूप ले लिया है जिसके फलस्वरूप चैत्र का पूरा महीना ही महोत्सवमय हो जाता है।
- विदेश (अमेरिका–यूरोप) प्रवास के 18 वर्षों (1963–81) के दौरान भाषाविज्ञान और भारत विद्या के अध्ययन–अध्यापन के क्रम में साउथ एशिया फोक पर्फोमर्स के 25 सदस्यीय दल के नेतृत्वकारी टीम सदस्य के रूप में मध्यअमेरिका प्रमुख विश्वविद्यालयों एवं अन्तरराष्ट्रीय नृत्यसंगीत आयोजनों में सफल सहभागिता।
- स्वदेश वापस आने के बाद राँची विश्वविद्यालय के अन्तर्गत जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग की स्थापना के साथ आदिवासी भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रारंभ। साथ ही पूर्व एशिया (ताइपेई, जापान) एवं दखिण–पूर्व एशिया (इण्डोनेशिया, फिलीपीन) में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आयोजनों में झारखण्डी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सफल प्रस्तुति।
- झारखण्ड विषयक समिति, भारत सरकार (1989–2000) में सक्रिय सदस्यता एवं उल्लेखनीय भूमिका, जिसके फलस्वरूप झारखण्ड राज्य गठन।
- विश्व सामाजिक मंच (World Social Forum) मुंबई (2004) एवं दिल्ली (2007) सत्रों में सर्वोत्तम भागीदारी।
- डोम्बारी पहाड़ (जिला–खूंटी, झारखण्ड) पर जनसहयोग एवं सरकारी विभागों के समन्वय से आदिवासी महानायक, बिरसा मुण्डा की विशालकाय (18′) प्रतिमा एवं, 80′ शहीद स्तंभ खड़ा करने में अग्रणी भूमिका निर्वहन।
- झारखण्ड सांस्कृतिक क्षेत्र में यहां की लोक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए अखरा (ग्राम सांस्कृतिक केन्द्र) के पुनर्जागरण एवं विस्तार–प्रसार को एक अभियान का रूप देने में उल्लेखनीय भूमिका निर्वहन। इस चेष्टा की मान्यता स्वरूप 2008 में संगीत–नाटक अकादमी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के करकमलों से पुरस्कृत।
- सरकारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से मिलकर जनविकास के अनेक कार्यक्रमों में सफल सहभागिता, विशेषकर वन विस्तार एवं संरक्षण के क्षेत्र में।
- राष्ट्रीय स्तर पर आदिवासी जनहित अधिनियमों के प्रारूप निर्माण कार्य में सक्रिय भूमिका, विशेषकर ग्राम स्वशासन (PESA) आदिवासी नीति एवं वन नीति–नियम निर्माण में।
- प्रकृति और मनुष्य के पारम्परिक सम्पोषण (Symbiotic) संबंध को बनाए रखने की चेष्टा के एक आस्थागत अभियान का रूप आदिधर्म को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापना को समर्पित एवं देश की आदिवासी आबादी के लिए 'आदिधर्म' की प्रस्तावना।
- देश के आदिवासी क्षेत्रों में फैलते हुए उग्रवाद पर चिंतित एवं इसके पीछे की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने की चेष्टा में संलग्न।

Travels : North America, Europe, Asia-Pacific
Contact : Sarnatoil-Hatma, Behind Ranchi College, Ranchi-834008, Jharkhand.
Email : rdmunda@yahoo.co.uk ● ***Cell Phone:*** 9431938180 ***Home:*** 0651-2233090